

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ८ / १६ · Volume 8 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. विदेह क्विज — विद्यापति आ हुनकर परम्परा	७०० प्रश्न
२. पूर्व विद्यापति साहित्य क्विज Videha QUIZ	१००० प्रश्न
३. मैथिली साहित्यक कालक्रम — विदेह क्विज	८०० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : विदेह क्विज — विद्यापति आ हुनकर परम्परा

3

१. शिव-भक्तिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार

२. शिव-भक्तिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय शिव-भक्ति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४. परीक्षामे जँ शिव-भक्ति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५. शिव-भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार

६. वैष्णव भावक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

७. वैष्णव भावक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय वैष्णव भाव केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

९. परीक्षामे जँ वैष्णव भाव पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि

१०. वैष्णव भाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

११. गंगा-भक्तिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१२. गंगा-भक्तिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गंगा-भक्ति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक

१४. परीक्षामे जँ गंगा-भक्ति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१५. गंगा-भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१६. देवी-भक्तिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१७. देवी-भक्तिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा

१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय देवी-भक्ति केँ केना बुझब उचित?

- (A) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१९. परीक्षामे जँ देवी-भक्ति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२०. देवी-भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२१. भक्ति आ शृङ्गारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) प्रेम-रसकेँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता

२२. भक्ति आ शृङ्गारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) प्रेम-रसकेँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भक्ति आ शृङ्गार केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) प्रेम-रसकेँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२४. परीक्षामे जँ भक्ति आ शृङ्गार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) प्रेम-रसकेँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२५. भक्ति आ शृङ्गार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) प्रेम-रसक ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता

२६. माधुर्य-भक्तिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२७. माधुर्य-भक्तिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय माधुर्य-भक्ति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२९. परीक्षामे जँ माधुर्य-भक्ति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव

३०. माधुर्य-भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३१. कीर्तन-परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३२. कीर्तन-परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कीर्तन-परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार

३४. परीक्षामे जँ कीर्तन-परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३५. कीर्तन-परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३६. ईश्वरक मानवीकरणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) देव-पात्रकेँ मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

३७. ईश्वरक मानवीकरणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) देव-पात्रकेँ मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब

३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ईश्वरक मानवीकरण केँ केना बुझब उचित?

- (A) देव-पात्रकेँ मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३९. परीक्षामे जँ ईश्वरक मानवीकरण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) देव-पात्रकेँ मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४०. ईश्वरक मानवीकरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) देव-पात्रकेँ मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४१. राधा-कृष्ण भक्तिरूपक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत

४२. राधा-कृष्ण भक्तिरूपक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय राधा-कृष्ण भक्तिरूप केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४४. परीक्षामे जँ राधा-कृष्ण भक्तिरूप पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४५. राधा-कृष्ण भक्तिरूप विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत

४६. शिव आ कृष्णक सह-अस्तित्वक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४७. शिव आ कृष्णक सह-अस्तित्वक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय शिव आ कृष्णक सह-अस्तित्व केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४९. परीक्षामे जँ शिव आ कृष्णक सह-अस्तित्व पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय

५०. शिव आ कृष्णक सह-अस्तित्व विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५१. संस्कार-विधानक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) धार्मिक जीवनक व्यवहारिक नियम आ सामाजिक रूप
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५२. संस्कार-विधानक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) धार्मिक जीवनक व्यवहारिक नियम आ सामाजिक रूप
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय संस्कार-विधान केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) धार्मिक जीवनक व्यवहारिक नियम आ सामाजिक रूप

५४. परीक्षामे जँ संस्कार-विधान पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) धार्मिक जीवनक व्यवहारिक नियम आ सामाजिक रूप
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५५. संस्कार-विधान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) धार्मिक जीवनक व्यवहारिक नियम आ सामाजिक रूप
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५६. भक्तिक लोकभाषाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) ईश्वर-भावकेँ जनभाषामे गेय आ आत्मीय बनायब
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

५७. भक्तिक लोकभाषाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) ईश्वर-भावकें जनभाषामे गेय आ आत्मीय बनायब

५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भक्तिक लोकभाषा केँ केना बुझब उचित?

- (A) ईश्वर-भावकें जनभाषामे गेय आ आत्मीय बनायब
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५९. परीक्षामे जँ भक्तिक लोकभाषा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) ईश्वर-भावकें जनभाषामे गेय आ आत्मीय बनायब
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६०. भक्तिक लोकभाषा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) ईश्वर-भावकें जनभाषामे गेय आ आत्मीय बनायब
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६१. नाम-स्मरणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) गीत द्वारा भक्तिक आन्तरिक अभ्यास आ भाव-संवेदना

६२. नाम-स्मरणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) गीत द्वारा भक्तिक आन्तरिक अभ्यास आ भाव-संवेदना
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नाम-स्मरण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) गीत द्वारा भक्तिक आन्तरिक अभ्यास आ भाव-संवेदना
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६४. परीक्षामे जँ नाम-स्मरण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) गीत द्वारा भक्तिक आन्तरिक अभ्यास आ भाव-संवेदना
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६५. नाम-स्मरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) गीत द्वारा भक्तिक आन्तरिक अभ्यास आ भाव-संवेदना

६६. देह-भाव आ भक्तिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) शारीरिक संवेदनासँ आध्यात्मिक अनुरागक गहराई व्यक्त करब
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६७. देह-भाव आ भक्तिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) शारीरिक संवेदनासँ आध्यात्मिक अनुरागक गहराई व्यक्त करब
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय देह-भाव आ भक्ति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) शारीरिक संवेदनासँ आध्यात्मिक अनुरागक गहराई व्यक्त करब
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६९. परीक्षामे जँ देह-भाव आ भक्ति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) शारीरिक संवेदनासँ आध्यात्मिक अनुरागक गहराई व्यक्त करब

७०. देह-भाव आ भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) शारीरिक संवेदनासँ आध्यात्मिक अनुरागक गहराई व्यक्त करब
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

७१. करुणाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) भक्ति आ विरह दुनूक संग जुड़ल कोमल भाव
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

७२. करुणाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) भक्ति आ विरह दुनूक संग जुड़ल कोमल भाव
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय करुणा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) भक्ति आ विरह दुनूक संग जुड़ल कोमल भाव

७४. परीक्षामे जँ करुणा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) भक्ति आ विरह दुनूक संग जुड़ल कोमल भाव
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

७५. करुणा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) भक्ति आ विरह दुनूक संग जुड़ल कोमल भाव
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

७६. उपासना आ सौन्दर्यक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) पूजा, रस आ काव्य-रचना बीचक सम्बन्ध
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

७७. उपासना आ सौन्दर्यक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पूजा, रस आ काव्य-रचना बीचक सम्बन्ध

७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय उपासना आ सौन्दर्य केँ केना बुझब उचित?

- (A) पूजा, रस आ काव्य-रचना बीचक सम्बन्ध
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

७९. परीक्षामे जँ उपासना आ सौन्दर्य पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) पूजा, रस आ काव्य-रचना बीचक सम्बन्ध
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

८०. उपासना आ सौन्दर्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) पूजा, रस आ काव्य-रचना बीचक सम्बन्ध
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

८१. सगुण भक्तिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) ईश्वरकेँ रूप, लीला आ भावसहित अनुभव करब

८२. सगुण भक्तिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) ईश्वरकेँ रूप, लीला आ भावसहित अनुभव करब
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सगुण भक्ति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) ईश्वरकेँ रूप, लीला आ भावसहित अनुभव करब
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

८४. परीक्षामे जँ सगुण भक्ति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) ईश्वरकेँ रूप, लीला आ भावसहित अनुभव करब
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

८५. सगुण भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) ईश्वरकेँ रूप, लीला आ भावसहित अनुभव करब

८६. लीला-दृष्टिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) कृष्णक प्रेम-क्रीड़ाकेँ धार्मिक-सांस्कृतिक अर्थ देब
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

८७. लीला-दृष्टिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) कृष्णक प्रेम-क्रीड़ाकेँ धार्मिक-सांस्कृतिक अर्थ देब
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लीला-दृष्टि केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) कृष्णक प्रेम-क्रीड़ाकेँ धार्मिक-सांस्कृतिक अर्थ देब
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

८९. परीक्षामे जँ लीला-दृष्टि पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) कृष्णक प्रेम-क्रीड़ाकें धार्मिक-सांस्कृतिक अर्थ देब

९०. लीला-दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) कृष्णक प्रेम-क्रीड़ाकें धार्मिक-सांस्कृतिक अर्थ देब
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

९१. समर्पणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) भक्तक अहंकार-त्याग आ ईश्वरक प्रति आत्मीय भरोस
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

९२. समर्पणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) भक्तक अहंकार-त्याग आ ईश्वरक प्रति आत्मीय भरोस
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय समर्पण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) भक्तक अहंकार-त्याग आ ईश्वरक प्रति आत्मीय भरोस

९४. परीक्षामे जँ समर्पण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) भक्तक अहंकार-त्याग आ ईश्वरक प्रति आत्मीय भरोस
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

९५. समर्पण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) भक्तक अहंकार-त्याग आ ईश्वरक प्रति आत्मीय भरोस
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

९६. धर्म-संस्कृति समन्वयक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) शास्त्र, लोक, गीत आ अनुष्ठानक संयुक्त संसार
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

९७. धर्म-संस्कृति समन्वयक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) शास्त्र, लोक, गीत आ अनुष्ठानक संयुक्त संसार

९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय धर्म-संस्कृति समन्वय केँ केना बुझब उचित?

- (A) शास्त्र, लोक, गीत आ अनुष्ठानक संयुक्त संसार
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

९९. परीक्षामे जँ धर्म-संस्कृति समन्वय पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) शास्त्र, लोक, गीत आ अनुष्ठानक संयुक्त संसार
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१००. धर्म-संस्कृति समन्वय विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) शास्त्र, लोक, गीत आ अनुष्ठानक संयुक्त संसार
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

4

१०१. मैथिली भाषाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापति-पदक आत्मीय, मधुर आ जनभाषिक माध्यम
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१०२. मैथिली भाषाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) विद्यापति-पदक आत्मीय, मधुर आ जनभाषिक माध्यम
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मैथिली भाषा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) विद्यापति-पदक आत्मीय, मधुर आ जनभाषिक माध्यम
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१०४. परीक्षामे जँ मैथिली भाषा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) विद्यापति-पदक आत्मीय, मधुर आ जनभाषिक माध्यम

१०५. मैथिली भाषा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विद्यापति-पदक आत्मीय, मधुर आ जनभाषिक माध्यम
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१०६. संस्कृत पाण्डित्यक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) शास्त्रीय ज्ञान, धर्मविधान आ विद्वत् रचनाक आधार
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१०७. संस्कृत पाण्डित्यक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) शास्त्रीय ज्ञान, धर्मविधान आ विद्वत् रचनाक आधार
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय संस्कृत पाण्डित्य केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) शास्त्रीय ज्ञान, धर्मविधान आ विद्वत् रचनाक आधार

१०९. परीक्षामे जँ संस्कृत पाण्डित्य पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) शास्त्रीय ज्ञान, धर्मविधान आ विद्वत् रचनाक आधार
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

११०. संस्कृत पाण्डित्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) शास्त्रीय ज्ञान, धर्मविधान आ विद्वत् रचनाक आधार
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१११. अवहट्टक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) मध्यकालीन भाषिक संक्रमणक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक रूप
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

११२. अवहट्टक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) मध्यकालीन भाषिक संक्रमणक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक रूप

११३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय अवहट्ट केँ केना बुझब उचित?

- (A) मध्यकालीन भाषिक संक्रमणक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक रूप
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

११४. परीक्षामे जँ अवहट्ट पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) मध्यकालीन भाषिक संक्रमणक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक रूप
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

११५. अवहट्ट विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) मध्यकालीन भाषिक संक्रमणक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक रूप
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

११६. गेयताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) पदक गायन-योग्य लय, पुनरावृत्ति आ भाव-प्रवाह

११७. गेयताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) पदक गायन-योग्य लय, पुनरावृत्ति आ भाव-प्रवाह
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

११८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गेयता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) पदक गायन-योग्य लय, पुनरावृत्ति आ भाव-प्रवाह
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

११९. परीक्षामे जँ गेयता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) पदक गायन-योग्य लय, पुनरावृत्ति आ भाव-प्रवाह
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१२०. गेयता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) पदक गायन-योग्य लय, पुनरावृत्ति आ भाव-प्रवाह

१२१. लयक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) शब्द, भाव आ संगीतक संतुलित गति
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१२२. लयक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) शब्द, भाव आ संगीतक संतुलित गति
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लय केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) शब्द, भाव आ संगीतक संतुलित गति
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१२४. परीक्षामे जँ लय पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) शब्द, भाव आ संगीतक संतुलित गति

१२५. लय विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) शब्द, भाव आ संगीतक संतुलित गति
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१२६. सरलताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) छोट वाक्य, सहज शब्द आ गहिर भावक मेल
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१२७. सरलताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) छोट वाक्य, सहज शब्द आ गहिर भावक मेल
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सरलता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) छोट वाक्य, सहज शब्द आ गहिर भावक मेल

१२९. परीक्षामे जँ सरलता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) छोट वाक्य, सहज शब्द आ गहिर भावक मेल
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१३०. सरलता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) छोट वाक्य, सहज शब्द आ गहिर भावक मेल
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१३१. चित्रात्मकताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) शब्दसँ दृश्य, ऋतु, देह, नयन आ प्रकृतिक रूप बनायब
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१३२. चित्रात्मकताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) शब्दसँ दृश्य, ऋतु, देह, नयन आ प्रकृतिक रूप बनायब

१३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय चित्रात्मकता केँ केना बुझब उचित?

- (A) शब्दसँ दृश्य, ऋतु, देह, नयन आ प्रकृतिक रूप बनायब
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१३४. परीक्षामे जँ चित्रात्मकता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) शब्दसँ दृश्य, ऋतु, देह, नयन आ प्रकृतिक रूप बनायब
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१३५. चित्रात्मकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) शब्दसँ दृश्य, ऋतु, देह, नयन आ प्रकृतिक रूप बनायब
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१३६. ध्वनि-सौन्दर्यक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) मधुर ध्वनि, अनुप्रास आ स्वाभाविक शब्द-लय

१३७. ध्वनि-सौन्दर्यक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) मधुर ध्वनि, अनुप्रास आ स्वाभाविक शब्द-लय
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ध्वनि-सौन्दर्य केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) मधुर ध्वनि, अनुप्रास आ स्वाभाविक शब्द-लय
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१३९. परीक्षामे जँ ध्वनि-सौन्दर्य पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) मधुर ध्वनि, अनुप्रास आ स्वाभाविक शब्द-लय
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१४०. ध्वनि-सौन्दर्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) मधुर ध्वनि, अनुप्रास आ स्वाभाविक शब्द-लय

१४१. संवाद-शैलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) राधा, सखी, कृष्ण वा वक्ताक बीच बोलचालक जीवंतता
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१४२. संवाद-शैलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) राधा, सखी, कृष्ण वा वक्ताक बीच बोलचालक जीवंतता
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय संवाद-शैली केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) राधा, सखी, कृष्ण वा वक्ताक बीच बोलचालक जीवंतता
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१४४. परीक्षामे जँ संवाद-शैली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) राधा, सखी, कृष्ण वा वक्ताक बीच बोलचालक जीवंतता

१४५. संवाद-शैली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) राधा, सखी, कृष्ण वा वक्ताक बीच बोलचालक जीवन्तता
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१४६. लोक-शब्दावलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) मिथिला-जीवनसँ उठल आत्मीय शब्द आ मुहावरा
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१४७. लोक-शब्दावलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) मिथिला-जीवनसँ उठल आत्मीय शब्द आ मुहावरा
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक-शब्दावली केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) मिथिला-जीवनसँ उठल आत्मीय शब्द आ मुहावरा

१४९. परीक्षामे जँ लोक-शब्दावली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) मिथिला-जीवनसँ उठल आत्मीय शब्द आ मुहावरा
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१५०. लोक-शब्दावली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) मिथिला-जीवनसँ उठल आत्मीय शब्द आ मुहावरा
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१५१. रस-संयोजनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक संतुलन
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१५२. रस-संयोजनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक संतुलन

१५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय रस-संयोजन केँ केना बुझब उचित?

- (A) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक संतुलन
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१५४. परीक्षामे जँ रस-संयोजन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक संतुलन
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१५५. रस-संयोजन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक संतुलन
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१५६. छन्द-संवेदनाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) ताल, मात्रा आ गानक अनुकूल संरचना

१५७. छन्द-संवेदनाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) ताल, मात्रा आ गानक अनुकूल संरचना
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय छन्द-संवेदना केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) ताल, मात्रा आ गानक अनुकूल संरचना
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१५९. परीक्षामे जँ छन्द-संवेदना पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) ताल, मात्रा आ गानक अनुकूल संरचना
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१६०. छन्द-संवेदना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) ताल, मात्रा आ गानक अनुकूल संरचना

१६१. नायिका-स्वरक भाषाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) स्त्री-अनुभवक कोमल, सीधा आ भावुक भाषिक रूप
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१६२. नायिका-स्वरक भाषाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) स्त्री-अनुभवक कोमल, सीधा आ भावुक भाषिक रूप
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नायिका-स्वरक भाषा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) स्त्री-अनुभवक कोमल, सीधा आ भावुक भाषिक रूप
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१६४. परीक्षामे जँ नायिका-स्वरक भाषा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) स्त्री-अनुभवक कोमल, सीधा आ भावुक भाषिक रूप

१६५. नायिका-स्वरक भाषा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) स्त्री-अनुभवक कोमल, सीधा आ भावुक भाषिक रूप
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१६६. रूपकक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) एक वस्तुक माध्यमसँ दोसर गहिर अर्थ व्यक्त करब
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१६७. रूपकक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) एक वस्तुक माध्यमसँ दोसर गहिर अर्थ व्यक्त करब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय रूपक केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) एक वस्तुक माध्यमसँ दोसर गहिर अर्थ व्यक्त करब

१६९. परीक्षामे जँ रूपक पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) एक वस्तुक माध्यमसँ दोसर गहिर अर्थ व्यक्त करब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१७०. रूपक विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) एक वस्तुक माध्यमसँ दोसर गहिर अर्थ व्यक्त करब
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१७१. उपमाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१७२. उपमाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला

१७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय उपमा केँ केना बुझब उचित?

- (A) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१७४. परीक्षामे जँ उपमा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१७५. उपमा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१७६. सांकेतिकताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली

१७७. सांकेतिकताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सांकेतिकता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१७९. परीक्षामे जँ सांकेतिकता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१८०. सांकेतिकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली

१८१. भाव-सघनताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१८२. भाव-सघनताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भाव-सघनता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१८४. परीक्षामे जँ भाव-सघनता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता

१८५. भाव-सधनता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१८६. श्रवणीयताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१८७. श्रवणीयताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय श्रवणीयता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना

१८९. परीक्षामे जँ श्रवणीयता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१९०. श्रवणीयता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१९१. लोक आ शास्त्रक भाषाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१९२. लोक आ शास्त्रक भाषाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति

१९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक आ शास्त्रक भाषा केँ केना बुझब उचित?

- (A) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१९४. परीक्षामे जँ लोक आ शास्त्रक भाषा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१९५. लोक आ शास्त्रक भाषा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१९६. भाषिक परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव

१९७. भाषिक परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भाषिक परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१९९. परीक्षामे जँ भाषिक परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२००. भाषिक परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव

२०१. विद्यापति-परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२०२. विद्यापति-परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विद्यापति-परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार

२०४. परीक्षामे जँ विद्यापति-परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२०५. विद्यापति-परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२०६. पदानुकरणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकेँ नव रचनामे ग्रहण करब
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२०७. पदानुकरणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकेँ नव रचनामे ग्रहण करब

२०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पदानुकरण केँ केना बुझब उचित?

- (A) विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकेँ नव रचनामे ग्रहण करब
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२०९. परीक्षामे जँ पदानुकरण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकेँ नव रचनामे ग्रहण करब
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२१०. पदानुकरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकेँ नव रचनामे ग्रहण करब
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२११. ब्रजबुलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) विद्यापति-प्रभावित पूर्वी काव्य-भाषिक शैली

२१२. ब्रजबुलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) विद्यापति-प्रभावित पूर्वी काव्य-भाषिक शैली
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ब्रजबुली केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) विद्यापति-प्रभावित पूर्वी काव्य-भाषिक शैली
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२१४. परीक्षामे जँ ब्रजबुली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) विद्यापति-प्रभावित पूर्वी काव्य-भाषिक शैली
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२१५. ब्रजबुली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) विद्यापति-प्रभावित पूर्वी काव्य-भाषिक शैली

२१६. कीर्तन-गायनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) पदसभक सामूहिक भक्तिपरक गायन
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२१७. कीर्तन-गायनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) पदसभक सामूहिक भक्तिपरक गायन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कीर्तन-गायन केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) पदसभक सामूहिक भक्तिपरक गायन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२१९. परीक्षामे जँ कीर्तन-गायन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पदसभक सामूहिक भक्तिपरक गायन

२२०. कीर्तन-गायन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पदसभक सामूहिक भक्तिपरक गायन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२२१. गायक-परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पदकेँ सुरसहित सँजोएबाक लोक-स्मृति
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२२२. गायक-परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पदकेँ सुरसहित सँजोएबाक लोक-स्मृति
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गायक-परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पदकेँ सुरसहित सँजोएबाक लोक-स्मृति

२२४. परीक्षामे जँ गायक-परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पदकेँ सुरसहित सँजोएबाक लोक-स्मृति
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२२५. गायक-परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पदकें सुरसहित सँजोबाक लोक-स्मृति
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२२६. भक्त कवि-प्रभावक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) राधा-कृष्ण माधुर्यक पूर्वी भक्तिधारापर असर
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२२७. भक्त कवि-प्रभावक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) राधा-कृष्ण माधुर्यक पूर्वी भक्तिधारापर असर

२२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भक्त कवि-प्रभाव केँ केना बुझब उचित?

- (A) राधा-कृष्ण माधुर्यक पूर्वी भक्तिधारापर असर
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२२९. परीक्षामे जँ भक्त कवि-प्रभाव पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) राधा-कृष्ण माधुर्यक पूर्वी भक्तिधारापर असर
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२३०. भक्त कवि-प्रभाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) राधा-कृष्ण माधुर्यक पूर्वी भक्तिधारापर असर
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२३१. लोक-संस्कारमे पदक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) विवाह, उत्सव, भजन वा घरेलू गानमे पदक स्मरण

२३२. लोक-संस्कारमे पदक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) विवाह, उत्सव, भजन वा घरेलू गानमे पदक स्मरण
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक-संस्कारमे पद केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) विवाह, उत्सव, भजन वा घरेलू गानमे पदक स्मरण
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२३४. परीक्षामे जँ लोक-संस्कारमे पद पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) विवाह, उत्सव, भजन वा घरेलू गानमे पदक स्मरण
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२३५. लोक-संस्कारमे पद विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) विवाह, उत्सव, भजन वा घरेलू गानमे पदक स्मरण

२३६. नव कविक प्रेरणाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) मधुरता, संक्षिप्तता आ भावगहराईक आदर्श
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२३७. नव कविक प्रेरणाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) मधुरता, संक्षिप्तता आ भावगहराईक आदर्श
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नव कविक प्रेरणा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) मधुरता, संक्षिप्तता आ भावगहराईक आदर्श
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२३९. परीक्षामे जँ नव कविक प्रेरणा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) मधुरता, संक्षिप्तता आ भावगहराईक आदर्श

२४०. नव कविक प्रेरणा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) मधुरता, संक्षिप्तता आ भावगहराईक आदर्श
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२४१. स्त्री-स्वर परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) राधा-सखी भावद्वारा स्त्री-अनुभवक काव्यात्मक विस्तार
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२४२. स्त्री-स्वर परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) राधा-सखी भावद्वारा स्त्री-अनुभवक काव्यात्मक विस्तार
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय स्त्री-स्वर परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) राधा-सखी भावद्वारा स्त्री-अनुभवक काव्यात्मक विस्तार

२४४. परीक्षामे जँ स्त्री-स्वर परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) राधा-सखी भावद्वारा स्त्री-अनुभवक काव्यात्मक विस्तार
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२४५. स्त्री-स्वर परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) राधा-सखी भावद्वारा स्त्री-अनुभवक काव्यात्मक विस्तार
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२४६. माधुर्य परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) सुगम, सरस आ गेय काव्यभाषाक स्थायी प्रभाव
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२४७. माधुर्य परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) सुगम, सरस आ गेय काव्यभाषाक स्थायी प्रभाव

२४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय माधुर्य परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) सुगम, सरस आ गेय काव्यभाषाक स्थायी प्रभाव
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२४९. परीक्षामे जँ माधुर्य परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) सुगम, सरस आ गेय काव्यभाषाक स्थायी प्रभाव
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२५०. माधुर्य परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) सुगम, सरस आ गेय काव्यभाषाक स्थायी प्रभाव
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२५१. राधा-कृष्ण पदावली पर असरक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका

२५२. राधा-कृष्ण पदावली पर असरक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय राधा-कृष्ण पदावली पर असर केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२५४. परीक्षामे जँ राधा-कृष्ण पदावली पर असर पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२५५. राधा-कृष्ण पदावली पर असर विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका

२५६. लोक आ अभिजात्यक सेतुक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२५७. लोक आ अभिजात्यक सेतुक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक आ अभिजात्यक सेतु केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२५९. परीक्षामे जँ लोक आ अभिजात्यक सेतु पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा

२६०. लोक आ अभिजात्यक सेतु विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२६१. कवि-नामक स्मृतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२६२. कवि-नामक स्मृतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कवि-नामक स्मृति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग

२६४. परीक्षामे जँ कवि-नामक स्मृति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२६५. कवि-नामक स्मृति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२६६. रसमय पद-धाराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२६७. रसमय पद-धाराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा

२६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय रसमय पद-धारा केँ केना बुझब उचित?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२६९. परीक्षामे जँ रसमय पद-धारा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२७०. रसमय पद-धारा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२७१. कविता सँ संगीतक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति

२७२. कविता सँ संगीतक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कविता सँ संगीत केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२७४. परीक्षामे जँ कविता सँ संगीत पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२७५. कविता सँ संगीत विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति

२७६. पाठान्तर परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२७७. पाठान्तर परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पाठान्तर परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२७९. परीक्षामे जँ पाठान्तर परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप

२८०. पाठान्तर परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२८१. अनुकृति आ मौलिकताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२८२. अनुकृति आ मौलिकताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय अनुकृति आ मौलिकता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन

२८४. परीक्षामे जँ अनुकृति आ मौलिकता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२८५. अनुकृति आ मौलिकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२८६. लोकप्रियताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२८७. लोकप्रियताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान

२८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोकप्रियता केँ केना बुझब उचित?

- (A) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२८९. परीक्षामे जँ लोकप्रियता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२९०. लोकप्रियता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२९१. विद्यापति समारोहक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) आधुनिक सांस्कृतिक स्मरणक सार्वजनिक रूप

२९२. विद्यापति समारोहक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) आधुनिक सांस्कृतिक स्मरणक सार्वजनिक रूप
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विद्यापति समारोह केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) आधुनिक सांस्कृतिक स्मरणक सार्वजनिक रूप
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२९४. परीक्षामे जँ विद्यापति समारोह पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) आधुनिक सांस्कृतिक स्मरणक सार्वजनिक रूप
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२९५. विद्यापति समारोह विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) आधुनिक सांस्कृतिक स्मरणक सार्वजनिक रूप

२९६. विद्यापति नामक प्रतीकक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गौरव, मधुर काव्य आ सांस्कृतिक अस्मिताक चिह्न
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२९७. विद्यापति नामक प्रतीकक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) मैथिली गौरव, मधुर काव्य आ सांस्कृतिक अस्मिताक चिह्न
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विद्यापति नामक प्रतीक केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) मैथिली गौरव, मधुर काव्य आ सांस्कृतिक अस्मिताक चिह्न
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२९९. परीक्षामे जँ विद्यापति नामक प्रतीक पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) मैथिली गौरव, मधुर काव्य आ सांस्कृतिक अस्मिताक चिह्न

३००. विद्यापति नामक प्रतीक विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) मैथिली गौरव, मधुर काव्य आ सांस्कृतिक अस्मिताक चिह्न
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

6

३०१. बंगाल पर प्रभावक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) वैष्णव पदावली आ ब्रजबुली काव्य-भाषापर विद्यापतिक असर
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३०२. बंगाल पर प्रभावक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) वैष्णव पदावली आ ब्रजबुली काव्य-भाषापर विद्यापतिक असर

३०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय बंगाल पर प्रभाव केँ केना बुझब उचित?

- (A) वैष्णव पदावली आ ब्रजबुली काव्य-भाषापर विद्यापतिक असर
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३०४. परीक्षामे जँ बंगाल पर प्रभाव पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) वैष्णव पदावली आ ब्रजबुली काव्य-भाषापर विद्यापतिक असर
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

३०५. बंगाल पर प्रभाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) वैष्णव पदावली आ ब्रजबुली काव्य-भाषापर विद्यापतिक असर
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३०६. असमिया क्षेत्रक प्रभावक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) भक्ति-गीत आ पूर्वी वैष्णव सांस्कृतिक प्रसारमे प्रतिध्वनि

३०७. असमिया क्षेत्रक प्रभावक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) भक्ति-गीत आ पूर्वी वैष्णव सांस्कृतिक प्रसारमे प्रतिध्वनि
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय असमिया क्षेत्रक प्रभाव केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) भक्ति-गीत आ पूर्वी वैष्णव सांस्कृतिक प्रसारमे प्रतिध्वनि
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

३०९. परीक्षामे जँ असमिया क्षेत्रक प्रभाव पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) भक्ति-गीत आ पूर्वी वैष्णव सांस्कृतिक प्रसारमे प्रतिध्वनि
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३१०. असमिया क्षेत्रक प्रभाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) भक्ति-गीत आ पूर्वी वैष्णव सांस्कृतिक प्रसारमे प्रतिध्वनि

३११. ओड़िशा पर प्रभावक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३१२. ओड़िशा पर प्रभावक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

३१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ओड़िशा पर प्रभाव केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३१४. परीक्षामे जँ ओड़िशा पर प्रभाव पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा

३१५. ओड़िशा पर प्रभाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३१६. नेपालमे मैथिलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

३१७. नेपालमे मैथिलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नेपालमे मैथिली केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति

३१९. परीक्षामे जँ नेपालमे मैथिली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३२०. नेपालमे मैथिली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

३२१. पूर्वी भारतक साहित्यिक सेतुक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३२२. पूर्वी भारतक साहित्यिक सेतुक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध

३२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पूर्वी भारतक साहित्यिक सेतु केँ केना बुझब उचित?

- (A) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३२४. परीक्षामे जँ पूर्वी भारतक साहित्यिक सेतु पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

३२५. पूर्वी भारतक साहित्यिक सेतु विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३२६. ब्रजबुली काव्यक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा

३२७. ब्रजबुली काव्यक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ब्रजबुली काव्य केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

३२९. परीक्षामे जँ ब्रजबुली काव्य पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३३०. ब्रजबुली काव्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा

३३१. चैतन्य-परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३३२. चैतन्य-परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

३३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय चैतन्य-परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३३४. परीक्षामे जँ चैतन्य-परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण

३३५. चैतन्य-परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३३६. टैगोरक पुनर्स्मरणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

३३७. टैगोरक पुनर्स्मरणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय टैगोरक पुनर्स्मरण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति

३३९. परीक्षामे जँ टैगोरक पुनर्स्मरण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३४०. टैगोरक पुनर्स्मरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

३४१. मिथिला सँ बाहर लोकप्रियताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३४२. मिथिला सँ बाहर लोकप्रियताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार

३४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मिथिला सँ बाहर लोकप्रियता केँ केना बुझब उचित?

- (A) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३४४. परीक्षामे जँ मिथिला सँ बाहर लोकप्रियता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

३४५. मिथिला सँ बाहर लोकप्रियता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३४६. अनुवाद आ रूपान्तरक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन

३४७. अनुवाद आ रूपान्तरक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय अनुवाद आ रूपान्तर केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

३४९. परीक्षामे जँ अनुवाद आ रूपान्तर पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३५०. अनुवाद आ रूपान्तर विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन

३५१. कृष्णभक्ति नेटवर्कक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३५२. कृष्णभक्ति नेटवर्कक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

३५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कृष्णभक्ति नेटवर्क केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३५४. परीक्षामे जँ कृष्णभक्ति नेटवर्क पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार

३५५. कृष्णभक्ति नेटवर्क विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३५६. पदक स्मृति-मार्गक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

३५७. पदक स्मृति-मार्गक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पदक स्मृति-मार्ग केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति

३५९. परीक्षामे जँ पदक स्मृति-मार्ग पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३६०. पदक स्मृति-मार्ग विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

३६१. भाषिक रूपान्तरणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३६२. भाषिक रूपान्तरणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल

३६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भाषिक रूपान्तरण केँ केना बुझब उचित?

- (A) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३६४. परीक्षामे जँ भाषिक रूपान्तरण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

३६५. भाषिक रूपान्तरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३६६. पूर्वी रसधाराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि

३६७. पूर्वी रसधाराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पूर्वी रसधारा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

३६९. परीक्षामे जँ पूर्वी रसधारा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३७०. पूर्वी रसधारा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि

३७१. क्षेत्रीय आ अखिल-भारतीयक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) मिथिला-मूल होइतहुँ व्यापक भारतीय साहित्यिक हिस्सा
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

३७२. क्षेत्रीय आ अखिल-भारतीयक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) मिथिला-मूल होइतहुँ व्यापक भारतीय साहित्यिक हिस्सा
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

३७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय क्षेत्रीय आ अखिल-भारतीय केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) मिथिला-मूल होइतहुँ व्यापक भारतीय साहित्यिक हिस्सा
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३७४. परीक्षामे जँ क्षेत्रीय आ अखिल-भारतीय पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) मिथिला-मूल होइतहुँ व्यापक भारतीय साहित्यिक हिस्सा

३७५. क्षेत्रीय आ अखिल-भारतीय विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) मिथिला-मूल होइतहुँ व्यापक भारतीय साहित्यिक हिस्सा
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३७६. गीतक यात्राक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) गायक, भक्त, पाण्डुलिपि आ शिष्य-सम्पर्कसँ फैलल परम्परा
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

३७७. गीतक यात्राक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) गायक, भक्त, पाण्डुलिपि आ शिष्य-सम्पर्कसँ फैलल परम्परा
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गीतक यात्रा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) गायक, भक्त, पाण्डुलिपि आ शिष्य-सम्पर्कसँ फैलल परम्परा

३७९. परीक्षामे जँ गीतक यात्रा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) गायक, भक्त, पाण्डुलिपि आ शिष्य-सम्पर्कसँ फैलल परम्परा
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३८०. गीतक यात्रा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) गायक, भक्त, पाण्डुलिपि आ शिष्य-सम्पर्कसँ फैलल परम्परा
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३८१. नेपाल नाट्य-संस्कृतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) मैथिली गीत-भाषाक दरबारी नाट्यमे प्रयोग
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३८२. नेपाल नाट्य-संस्कृतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) मैथिली गीत-भाषाक दरबारी नाट्यमे प्रयोग

३८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नेपाल नाट्य-संस्कृति केँ केना बुझब उचित?

- (A) मैथिली गीत-भाषाक दरबारी नाट्यमे प्रयोग
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३८४. परीक्षामे जँ नेपाल नाट्य-संस्कृति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) मैथिली गीत-भाषाक दरबारी नाट्यमे प्रयोग
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३८५. नेपाल नाट्य-संस्कृति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) मैथिली गीत-भाषाक दरबारी नाट्यमे प्रयोग
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३८६. भक्ति-संवादक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) क्षेत्र-क्षेत्रक भक्तिधारा बीच भावक आदान-प्रदान

३८७. भक्ति-संवादक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) क्षेत्र-क्षेत्रक भक्तिधारा बीच भावक आदान-प्रदान
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भक्ति-संवाद केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) क्षेत्र-क्षेत्रक भक्तिधारा बीच भावक आदान-प्रदान
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३८९. परीक्षामे जँ भक्ति-संवाद पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) क्षेत्र-क्षेत्रक भक्तिधारा बीच भावक आदान-प्रदान
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३९०. भक्ति-संवाद विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) क्षेत्र-क्षेत्रक भक्तिधारा बीच भावक आदान-प्रदान

३९१. पूर्वी साहित्यक साझा विरासतक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह, कीर्तन आ माधुर्यक सम्बन्ध
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३९२. पूर्वी साहित्यक साझा विरासतक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) प्रेम, विरह, कीर्तन आ माधुर्यक सम्बन्ध
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पूर्वी साहित्यक साझा विरासत केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) प्रेम, विरह, कीर्तन आ माधुर्यक सम्बन्ध
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३९४. परीक्षामे जँ पूर्वी साहित्यक साझा विरासत पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) प्रेम, विरह, कीर्तन आ माधुर्यक सम्बन्ध

३९५. पूर्वी साहित्यक साझा विरासत विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेम, विरह, कीर्तन आ माधुर्यक सम्बन्ध
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३९६. परम्परा बनाम स्वामित्वक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) मिथिला-मूल आ व्यापक प्रभावक संतुलित स्वीकार
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३९७. परम्परा बनाम स्वामित्वक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) मिथिला-मूल आ व्यापक प्रभावक संतुलित स्वीकार
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय परम्परा बनाम स्वामित्व केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) मिथिला-मूल आ व्यापक प्रभावक संतुलित स्वीकार

३९९. परीक्षामे जँ परम्परा बनाम स्वामित्व पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) मिथिला-मूल आ व्यापक प्रभावक संतुलित स्वीकार
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४००. परम्परा बनाम स्वामित्व विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) मिथिला-मूल आ व्यापक प्रभावक संतुलित स्वीकार
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४०१. मिथिला समाजक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) संस्कार, पाण्डित्य, लोकजीवन आ दरबारी संस्कृति युक्त परिवेश

४०२. मिथिला समाजक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) संस्कार, पाण्डित्य, लोकजीवन आ दरबारी संस्कृति युक्त परिवेश
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मिथिला समाज केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) संस्कार, पाण्डित्य, लोकजीवन आ दरबारी संस्कृति युक्त परिवेश
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४०४. परीक्षामे जँ मिथिला समाज पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) संस्कार, पाण्डित्य, लोकजीवन आ दरबारी संस्कृति युक्त परिवेश
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४०५. मिथिला समाज विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) संस्कार, पाण्डित्य, लोकजीवन आ दरबारी संस्कृति युक्त परिवेश

४०६. नारी-स्वरक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) राधा, सखी आ नायिका द्वारा स्त्री-अनुभवक अभिव्यक्ति
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४०७. नारी-स्वरक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) राधा, सखी आ नायिका द्वारा स्त्री-अनुभवक अभिव्यक्ति
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नारी-स्वर केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) राधा, सखी आ नायिका द्वारा स्त्री-अनुभवक अभिव्यक्ति
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४०९. परीक्षामे जँ नारी-स्वर पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) राधा, सखी आ नायिका द्वारा स्त्री-अनुभवक अभिव्यक्ति

४१०. नारी-स्वर विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) राधा, सखी आ नायिका द्वारा स्त्री-अनुभवक अभिव्यक्ति
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४११. सखी-संस्कृतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) स्त्री-संवाद, सलाह, रहस्य आ भाव-साझेदारी
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४१२. सखी-संस्कृतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) स्त्री-संवाद, सलाह, रहस्य आ भाव-साझेदारी
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सखी-संस्कृति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) स्त्री-संवाद, सलाह, रहस्य आ भाव-साझेदारी

४१४. परीक्षामे जँ सखी-संस्कृति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) स्त्री-संवाद, सलाह, रहस्य आ भाव-साझेदारी
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४१५. सखी-संस्कृति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) स्त्री-संवाद, सलाह, रहस्य आ भाव-साझेदारी
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

४१६. विवाह-संस्कारक ध्वनिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) लोकगीत आ प्रेमगीतमे सामाजिक मर्यादा आ संबंधक छाया
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४१७. विवाह-संस्कारक ध्वनिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) लोकगीत आ प्रेमगीतमे सामाजिक मर्यादा आ संबंधक छाया

४१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विवाह-संस्कारक ध्वनि केँ केना बुझब उचित?

- (A) लोकगीत आ प्रेमगीतमे सामाजिक मर्यादा आ संबंधक छाया
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४१९. परीक्षामे जँ विवाह-संस्कारक ध्वनि पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) लोकगीत आ प्रेमगीतमे सामाजिक मर्यादा आ संबंधक छाया
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

४२०. विवाह-संस्कारक ध्वनि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकगीत आ प्रेमगीतमे सामाजिक मर्यादा आ संबंधक छाया
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४२१. गृह-परिसरक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) आँगन, सखी, श्रृंगार, प्रतीक्षा आ घरेलू छविक संसार

४२२. गृह-परिसरक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) आँगन, सखी, श्रृंगार, प्रतीक्षा आ घरेलू छविक संसार
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गृह-परिसर केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) आँगन, सखी, श्रृंगार, प्रतीक्षा आ घरेलू छविक संसार
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

४२४. परीक्षामे जँ गृह-परिसर पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) आँगन, सखी, श्रृंगार, प्रतीक्षा आ घरेलू छविक संसार
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४२५. गृह-परिसर विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) आँगन, सखी, श्रृंगार, प्रतीक्षा आ घरेलू छविक संसार

४२६. ऋतु आ कृषि-जीवनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) वर्षा, वसन्त, खेत, बादर आदिसँ भावक सम्बन्ध
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४२७. ऋतु आ कृषि-जीवनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) वर्षा, वसन्त, खेत, बादर आदिसँ भावक सम्बन्ध
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

४२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ऋतु आ कृषि-जीवन केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) वर्षा, वसन्त, खेत, बादर आदिसँ भावक सम्बन्ध
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४२९. परीक्षामे जँ ऋतु आ कृषि-जीवन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) वर्षा, वसन्त, खेत, बादर आदिसँ भावक सम्बन्ध

४३०. ऋतु आ कृषि-जीवन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वर्षा, वसन्त, खेत, बादर आदिसँ भावक सम्बन्ध
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४३१. लोक-लाजक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) प्रेमक सामाजिक निगरानी आ नायिका-मनक द्वन्द्व
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

४३२. लोक-लाजक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) प्रेमक सामाजिक निगरानी आ नायिका-मनक द्वन्द्व
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक-लाज केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) प्रेमक सामाजिक निगरानी आ नायिका-मनक द्वन्द्व

४३४. परीक्षामे जँ लोक-लाज पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) प्रेमक सामाजिक निगरानी आ नायिका-मनक द्वन्द्व
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४३५. लोक-लाज विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) प्रेमक सामाजिक निगरानी आ नायिका-मनक द्वन्द्व
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४३६. पण्डित समाजक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) शास्त्र, वाद-विवाद, संस्कार आ विद्या-व्यवस्थाक धरातल
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४३७. पण्डित समाजक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) शास्त्र, वाद-विवाद, संस्कार आ विद्या-व्यवस्थाक धरातल

४३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पण्डित समाज केँ केना बुझब उचित?

- (A) शास्त्र, वाद-विवाद, संस्कार आ विद्या-व्यवस्थाक धरातल
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४३९. परीक्षामे जँ पण्डित समाज पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) शास्त्र, वाद-विवाद, संस्कार आ विद्या-व्यवस्थाक धरातल
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४४०. पण्डित समाज विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) शास्त्र, वाद-विवाद, संस्कार आ विद्या-व्यवस्थाक धरातल
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४४१. लोक आ दरबारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) जनभाषा आ राजाश्रयक बीच साहित्यिक पुल

४४२. लोक आ दरबारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) जनभाषा आ राजाश्रयक बीच साहित्यिक पुल
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक आ दरबार केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) जनभाषा आ राजाश्रयक बीच साहित्यिक पुल
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४४४. परीक्षामे जँ लोक आ दरबार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) जनभाषा आ राजाश्रयक बीच साहित्यिक पुल
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४४५. लोक आ दरबार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) जनभाषा आ राजाश्रयक बीच साहित्यिक पुल

४४६. सामाजिक व्यंग्यक आधारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) नीति-कृति आ मानवीय व्यवहारक आलोचनात्मक दृष्टि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४४७. सामाजिक व्यंग्यक आधारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) नीति-कृति आ मानवीय व्यवहारक आलोचनात्मक दृष्टि
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सामाजिक व्यंग्यक आधार केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) नीति-कृति आ मानवीय व्यवहारक आलोचनात्मक दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४४९. परीक्षामे जँ सामाजिक व्यंग्यक आधार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) नीति-कृति आ मानवीय व्यवहारक आलोचनात्मक दृष्टि

४५०. सामाजिक व्यंग्यक आधार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) नीति-कृति आ मानवीय व्यवहारक आलोचनात्मक दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४५१. धार्मिक बहुलताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४५२. धार्मिक बहुलताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय धार्मिक बहुलता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व

४५४. परीक्षामे जँ धार्मिक बहुलता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४५५. धार्मिक बहुलता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

४५६. स्त्रीक मनोविज्ञानक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णायक सूक्ष्म चित्र
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४५७. स्त्रीक मनोविज्ञानक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र

४५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय स्त्रीक मनोविज्ञान केँ केना बुझब उचित?

- (A) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४५९. परीक्षामे जँ स्त्रीक मनोविज्ञान पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

४६०. स्त्रीक मनोविज्ञान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४६१. लोककथा आ विद्यापतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) जीवनक घटनाकेँ लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि

४६२. लोककथा आ विद्यापतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) जीवनक घटनाकेँ लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोककथा आ विद्यापति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) जीवनक घटनाकेँ लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

४६४. परीक्षामे जँ लोककथा आ विद्यापति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) जीवनक घटनाकेँ लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४६५. लोककथा आ विद्यापति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) जीवनक घटनाकेँ लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि

४६६. नैतिक विवेकक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

४६७. नैतिक विवेकक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

४६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नैतिक विवेक केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४६९. परीक्षामे जँ नैतिक विवेक पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख

४७०. नैतिक विवेक विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४७१. प्रेम आ मर्यादाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) भाव-स्वतंत्रता आ सामाजिक सीमा बीचक काव्य-द्वन्द्व
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

४७२. प्रेम आ मर्यादाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) भाव-स्वतंत्रता आ सामाजिक सीमा बीचक काव्य-द्वन्द्व
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय प्रेम आ मर्यादा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) भाव-स्वतंत्रता आ सामाजिक सीमा बीचक काव्य-द्वन्द्व

४७४. परीक्षामे जँ प्रेम आ मर्यादा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) भाव-स्वतंत्रता आ सामाजिक सीमा बीचक काव्य-द्वन्द्व
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४७५. प्रेम आ मर्यादा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) भाव-स्वतंत्रता आ सामाजिक सीमा बीचक काव्य-द्वन्द्व
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

४७६. लोकविश्वासक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) गंगा, शिव, देवी आ संस्कारसँ जुड़ल सामूहिक आस्था
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

४७७. लोकविश्वासक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) गंगा, शिव, देवी आ संस्कारसँ जुड़ल सामूहिक आस्था

४७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोकविश्वास केँ केना बुझब उचित?

- (A) गंगा, शिव, देवी आ संस्कारसँ जुड़ल सामूहिक आस्था
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४७९. परीक्षामे जँ लोकविश्वास पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) गंगा, शिव, देवी आ संस्कारसँ जुड़ल सामूहिक आस्था
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

४८०. लोकविश्वास विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) गंगा, शिव, देवी आ संस्कारसँ जुड़ल सामूहिक आस्था
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४८१. मिथिला संस्कारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) व्रत, दान, विवाह, पूजा आ वार्षिक कर्तव्यक जीवन-रूप

४८२. मिथिला संस्कारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) व्रत, दान, विवाह, पूजा आ वार्षिक कर्तव्यक जीवन-रूप
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मिथिला संस्कार केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) व्रत, दान, विवाह, पूजा आ वार्षिक कर्तव्यक जीवन-रूप
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

४८४. परीक्षामे जँ मिथिला संस्कार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) व्रत, दान, विवाह, पूजा आ वार्षिक कर्तव्यक जीवन-रूप
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४८५. मिथिला संस्कार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) व्रत, दान, विवाह, पूजा आ वार्षिक कर्तव्यक जीवन-रूप

४८६. प्रकृति-संवेदनाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) नदी, बादर, फूल, चाँद आ ऋतुसँ भावक संवाद
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

४८७. प्रकृति-संवेदनाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) नदी, बादर, फूल, चाँद आ ऋतुसँ भावक संवाद
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

४८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय प्रकृति-संवेदना केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) नदी, बादर, फूल, चाँद आ ऋतुसँ भावक संवाद
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४८९. परीक्षामे जँ प्रकृति-संवेदना पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) नदी, बादर, फूल, चाँद आ ऋतुसँ भावक संवाद

४९०. प्रकृति-संवेदना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) नदी, बादर, फूल, चाँद आ ऋतुसँ भावक संवाद
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४९१. लोकभाषा आ अस्मिताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) मैथिली शब्दमे क्षेत्रीय आत्मीयता आ सांस्कृतिक पहचान
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

४९२. लोकभाषा आ अस्मिताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) मैथिली शब्दमे क्षेत्रीय आत्मीयता आ सांस्कृतिक पहचान
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोकभाषा आ अस्मिता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) मैथिली शब्दमे क्षेत्रीय आत्मीयता आ सांस्कृतिक पहचान

४९४. परीक्षामे जँ लोकभाषा आ अस्मिता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) मैथिली शब्दमे क्षेत्रीय आत्मीयता आ सांस्कृतिक पहचान
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४९५. लोकभाषा आ अस्मिता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) मैथिली शब्दमे क्षेत्रीय आत्मीयता आ सांस्कृतिक पहचान
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४९६. समाजक बहुस्तरक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) राजा, पण्डित, स्त्री, सखी, गायक, भक्त आ लोकसभक संयुक्त संसार
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४९७. समाजक बहुस्तरक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) राजा, पण्डित, स्त्री, सखी, गायक, भक्त आ लोकसभक संयुक्त संसार

४९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय समाजक बहुस्तर केँ केना बुझब उचित?

- (A) राजा, पण्डित, स्त्री, सखी, गायक, भक्त आ लोकसभक संयुक्त संसार
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

४९९. परीक्षामे जँ समाजक बहुस्तर पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) राजा, पण्डित, स्त्री, सखी, गायक, भक्त आ लोकसभक संयुक्त संसार
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५००. समाजक बहुस्तर विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) राजा, पण्डित, स्त्री, सखी, गायक, भक्त आ लोकसभक संयुक्त संसार
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

8

५०१. परीक्षा-दृष्टिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) कृति, भाषा, भाव, परम्परा आ प्रभाव—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५०२. परीक्षा-दृष्टिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) कृति, भाषा, भाव, परम्परा आ प्रभाव—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

५०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय परीक्षा-दृष्टि केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) कृति, भाषा, भाव, परम्परा आ प्रभाव—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५०४. परीक्षामे जँ परीक्षा-दृष्टि पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) कृति, भाषा, भाव, परम्परा आ प्रभाव—सभकेँ जोड़ि पढ़ब

५०५. परीक्षा-दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) कृति, भाषा, भाव, परम्परा आ प्रभाव—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५०६. तुलनात्मक अध्ययनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) विद्यापति केँ जयदेव, चण्डीदास आ वैष्णव पदावलीसँ जोड़ि देखब
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

५०७. तुलनात्मक अध्ययनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) विद्यापति केँ जयदेव, चण्डीदास आ वैष्णव पदावलीसँ जोड़ि देखब
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय तुलनात्मक अध्ययन केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) विद्यापति केँ जयदेव, चण्डीदास आ वैष्णव पदावलीसँ जोड़ि देखब

५०९. परीक्षामे जँ तुलनात्मक अध्ययन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) विद्यापति केँ जयदेव, चण्डीदास आ वैष्णव पदावलीसँ जोड़ि देखब
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५१०. तुलनात्मक अध्ययन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) विद्यापति केँ जयदेव, चण्डीदास आ वैष्णव पदावलीसँ जोड़ि देखब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

५११. जयदेव-संदर्भक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) गीतगोविन्द परम्पराक माधुर्य-भक्ति संग संवाद
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५१२. जयदेव-संदर्भक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) गीतगोविन्द परम्पराक माधुर्य-भक्ति संग संवाद

५१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय जयदेव-संदर्भ केँ केना बुझब उचित?

- (A) गीतगोविन्द परम्पराक माधुर्य-भक्ति संग संवाद
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५१४. परीक्षामे जँ जयदेव-संदर्भ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) गीतगोविन्द परम्पराक माधुर्य-भक्ति संग संवाद
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

५१५. जयदेव-संदर्भ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) गीतगोविन्द परम्पराक माधुर्य-भक्ति संग संवाद
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५१६. चण्डीदास-संदर्भक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) राधा-कृष्ण प्रेमक पूर्वी गीत-परम्पराक तुलना

५१७. चण्डीदास-संदर्भक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) राधा-कृष्ण प्रेमक पूर्वी गीत-परम्पराक तुलना
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय चण्डीदास-संदर्भ केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) राधा-कृष्ण प्रेमक पूर्वी गीत-परम्पराक तुलना
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

५१९. परीक्षामे जँ चण्डीदास-संदर्भ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) राधा-कृष्ण प्रेमक पूर्वी गीत-परम्पराक तुलना
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५२०. चण्डीदास-संदर्भ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) राधा-कृष्ण प्रेमक पूर्वी गीत-परम्पराक तुलना

५२१. साहित्येतिहासमे स्थानक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गीत-काव्यक उच्च शिखर आ जनभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५२२. साहित्येतिहासमे स्थानक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) मैथिली गीत-काव्यक उच्च शिखर आ जनभाषाक प्रतिष्ठा
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

५२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय साहित्येतिहासमे स्थान केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) मैथिली गीत-काव्यक उच्च शिखर आ जनभाषाक प्रतिष्ठा
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५२४. परीक्षामे जँ साहित्येतिहासमे स्थान पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) मैथिली गीत-काव्यक उच्च शिखर आ जनभाषाक प्रतिष्ठा

५२५. साहित्येतिहासमे स्थान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) मैथिली गीत-काव्यक उच्च शिखर आ जनभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५२६. प्रामाणिकता प्रश्नक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) कृतिकार, पाठ, पाण्डुलिपि आ परम्परागत आरोपणक जाँच
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

५२७. प्रामाणिकता प्रश्नक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) कृतिकार, पाठ, पाण्डुलिपि आ परम्परागत आरोपणक जाँच
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय प्रामाणिकता प्रश्न केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) कृतिकार, पाठ, पाण्डुलिपि आ परम्परागत आरोपणक जाँच

५२९. परीक्षामे जँ प्रामाणिकता प्रश्न पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) कृतिकार, पाठ, पाण्डुलिपि आ परम्परागत आरोपणक जाँच
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५३०. प्रामाणिकता प्रश्न विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) कृतिकार, पाठ, पाण्डुलिपि आ परम्परागत आरोपणक जाँच
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

५३१. रस-विश्लेषणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक भूमिका पहचानब
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५३२. रस-विश्लेषणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक भूमिका पहचानब

५३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय रस-विश्लेषण केँ केना बुझब उचित?

- (A) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक भूमिका पहचानब
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५३४. परीक्षामे जँ रस-विश्लेषण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक भूमिका पहचानब
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

५३५. रस-विश्लेषण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) शृङ्गार, करुण, भक्ति आ माधुर्यक भूमिका पहचानब
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५३६. भाषिक विश्लेषणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) मैथिली, संस्कृत, अवहट्ठ आ ब्रजबुली सम्बन्ध बुझब

५३७. भाषिक विश्लेषणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) मैथिली, संस्कृत, अवहट्ठ आ ब्रजबुली सम्बन्ध बुझब
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भाषिक विश्लेषण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) मैथिली, संस्कृत, अवहट्ठ आ ब्रजबुली सम्बन्ध बुझब
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

५३९. परीक्षामे जँ भाषिक विश्लेषण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) मैथिली, संस्कृत, अवहट्ठ आ ब्रजबुली सम्बन्ध बुझब
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५४०. भाषिक विश्लेषण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) मैथिली, संस्कृत, अवहट्ठ आ ब्रजबुली सम्बन्ध बुझब

५४१. स्त्रीवादी पाठक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) नायिका-स्वर, सखी-संवाद आ स्त्री-अनुभवक सक्रियता
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५४२. स्त्रीवादी पाठक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) नायिका-स्वर, सखी-संवाद आ स्त्री-अनुभवक सक्रियता
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

५४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय स्त्रीवादी पाठ केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) नायिका-स्वर, सखी-संवाद आ स्त्री-अनुभवक सक्रियता
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५४४. परीक्षामे जँ स्त्रीवादी पाठ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) नायिका-स्वर, सखी-संवाद आ स्त्री-अनुभवक सक्रियता

५४५. स्त्रीवादी पाठ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) नायिका-स्वर, सखी-संवाद आ स्त्री-अनुभवक सक्रियता
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५४६. भक्ति-पाठक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) लौकिक प्रेमकें आध्यात्मिक अनुभवक रूपमे पढ़ब
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

५४७. भक्ति-पाठक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) लौकिक प्रेमकें आध्यात्मिक अनुभवक रूपमे पढ़ब
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भक्ति-पाठ केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) लौकिक प्रेमकें आध्यात्मिक अनुभवक रूपमे पढ़ब

५४९. परीक्षामे जँ भक्ति-पाठ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) लौकिक प्रेमकें आध्यात्मिक अनुभवक रूपमे पढ़ब
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५५०. भक्ति-पाठ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) लौकिक प्रेमकें आध्यात्मिक अनुभवक रूपमे पढ़ब
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५५१. लोक-पाठक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) गीतक सामूहिक गायन, संस्कार आ मौखिक स्मृतिपर ध्यान
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५५२. लोक-पाठक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) गीतक सामूहिक गायन, संस्कार आ मौखिक स्मृतिपर ध्यान

५५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक-पाठ केँ केना बुझब उचित?

- (A) गीतक सामूहिक गायन, संस्कार आ मौखिक स्मृतिपर ध्यान
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५५४. परीक्षामे जँ लोक-पाठ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) गीतक सामूहिक गायन, संस्कार आ मौखिक स्मृतिपर ध्यान
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५५५. लोक-पाठ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) गीतक सामूहिक गायन, संस्कार आ मौखिक स्मृतिपर ध्यान
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५५६. दरबारी पाठक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) राजाश्रय, प्रशस्ति आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे कृति पढ़ब

५५७. दरबारी पाठक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) राजाश्रय, प्रशस्ति आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे कृति पढ़ब
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय दरबारी पाठ केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) राजाश्रय, प्रशस्ति आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे कृति पढ़ब
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५५९. परीक्षामे जँ दरबारी पाठ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) राजाश्रय, प्रशस्ति आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे कृति पढ़ब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५६०. दरबारी पाठ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) राजाश्रय, प्रशस्ति आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे कृति पढ़ब

५६१. धर्मशास्त्रीय पाठक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) दान, व्रत, गंगा, शिव आ देवी-विधानक अर्थ बुझब
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५६२. धर्मशास्त्रीय पाठक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) दान, व्रत, गंगा, शिव आ देवी-विधानक अर्थ बुझब
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय धर्मशास्त्रीय पाठ केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) दान, व्रत, गंगा, शिव आ देवी-विधानक अर्थ बुझब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५६४. परीक्षामे जँ धर्मशास्त्रीय पाठ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) दान, व्रत, गंगा, शिव आ देवी-विधानक अर्थ बुझब

५६५. धर्मशास्त्रीय पाठ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) दान, व्रत, गंगा, शिव आ देवी-विधानक अर्थ बुझब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५६६. शैली-परीक्षणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) माधुर्य, संक्षिप्तता, चित्रात्मकता आ संवाद-गतिशीलता पहचानब
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५६७. शैली-परीक्षणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) माधुर्य, संक्षिप्तता, चित्रात्मकता आ संवाद-गतिशीलता पहचानब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय शैली-परीक्षण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) माधुर्य, संक्षिप्तता, चित्रात्मकता आ संवाद-गतिशीलता पहचानब

५६९. परीक्षामे जँ शैली-परीक्षण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) माधुर्य, संक्षिप्तता, चित्रात्मकता आ संवाद-गतिशीलता पहचानब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५७०. शैली-परीक्षण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) माधुर्य, संक्षिप्तता, चित्रात्मकता आ संवाद-गतिशीलता पहचानब
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

५७१. प्रभाव-परीक्षणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) बादक काव्य, कीर्तन, ब्रजबुली आ क्षेत्रीय साहित्य पर असर
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५७२. प्रभाव-परीक्षणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) बादक काव्य, कीर्तन, ब्रजबुली आ क्षेत्रीय साहित्य पर असर

५७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय प्रभाव-परीक्षण केँ केना बुझब उचित?

- (A) बादक काव्य, कीर्तन, ब्रजबुली आ क्षेत्रीय साहित्य पर असर
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५७४. परीक्षामे जँ प्रभाव-परीक्षण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) बादक काव्य, कीर्तन, ब्रजबुली आ क्षेत्रीय साहित्य पर असर
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

५७५. प्रभाव-परीक्षण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) बादक काव्य, कीर्तन, ब्रजबुली आ क्षेत्रीय साहित्य पर असर
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५७६. आलोचनात्मक सावधानीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) लोकप्रिय कथा आ प्रमाणित पाठक बीच फरक राखब

५७७. आलोचनात्मक सावधानीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) लोकप्रिय कथा आ प्रमाणित पाठक बीच फरक राखब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय आलोचनात्मक सावधानी केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) लोकप्रिय कथा आ प्रमाणित पाठक बीच फरक राखब
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

५७९. परीक्षामे जँ आलोचनात्मक सावधानी पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) लोकप्रिय कथा आ प्रमाणित पाठक बीच फरक राखब
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५८०. आलोचनात्मक सावधानी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) लोकप्रिय कथा आ प्रमाणित पाठक बीच फरक राखब

५८१. उत्तर-रणनीतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) पहिने विधा, तखन भाव, तखन भाषा, तखन प्रभाव पहचानब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

५८२. उत्तर-रणनीतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) पहिने विधा, तखन भाव, तखन भाषा, तखन प्रभाव पहचानब
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

५८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय उत्तर-रणनीति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) पहिने विधा, तखन भाव, तखन भाषा, तखन प्रभाव पहचानब
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५८४. परीक्षामे जँ उत्तर-रणनीति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) पहिने विधा, तखन भाव, तखन भाषा, तखन प्रभाव पहचानब

५८५. उत्तर-रणनीति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पहिने विधा, तखन भाव, तखन भाषा, तखन प्रभाव पहचानब
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५८६. संदर्भ-समझक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) प्रश्नमे दरबार, पद, भक्ति, नीति वा भाषा कोन स्तर पर अछि बुझब
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

५८७. संदर्भ-समझक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) प्रश्नमे दरबार, पद, भक्ति, नीति वा भाषा कोन स्तर पर अछि बुझब
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय संदर्भ-समझ केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) प्रश्नमे दरबार, पद, भक्ति, नीति वा भाषा कोन स्तर पर अछि बुझब

५८९. परीक्षामे जँ संदर्भ-समझ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) प्रश्नमे दरबार, पद, भक्ति, नीति वा भाषा कोन स्तर पर अछि बुझब
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५९०. संदर्भ-समझ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) प्रश्नमे दरबार, पद, भक्ति, नीति वा भाषा कोन स्तर पर अछि बुझब
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

५९१. समन्वित उत्तरक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) कवि केँ केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

५९२. समन्वित उत्तरक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) कवि केँ केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब

५९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय समन्वित उत्तर केँ केना बुझब उचित?

- (A) कवि केँ केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५९४. परीक्षामे जँ समन्वित उत्तर पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) कवि केँ केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

५९५. समन्वित उत्तर विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) कवि केँ केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५९६. सामान्य भूलक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब

५९७. सामान्य भूलक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सामान्य भूल केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

५९९. परीक्षामे जँ सामान्य भूल पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

६००. सामान्य भूल विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब

६०१. पाण्डुलिपि-संरक्षणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

६०२. पाण्डुलिपि-संरक्षणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पाण्डुलिपि-संरक्षण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब

६०४. परीक्षामे जँ पाण्डुलिपि-संरक्षण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६०५. पाण्डुलिपि-संरक्षण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६०६. पाठ-सम्पादनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६०७. पाठ-सम्पादनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब

६०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पाठ-सम्पादन केँ केना बुझब उचित?

- (A) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६०९. परीक्षामे जँ पाठ-सम्पादन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६१०. पाठ-सम्पादन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६११. डिजिटल अभिलेखनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) पाठ, ध्वनि, छवि आ विवरणकें डिजिटल माध्यममे सँजोएब

६१२. डिजिटल अभिलेखनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) पाठ, ध्वनि, छवि आ विवरणकें डिजिटल माध्यममे सँजोएब
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय डिजिटल अभिलेखन केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) पाठ, ध्वनि, छवि आ विवरणकें डिजिटल माध्यममे सँजोएब
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६१४. परीक्षामे जँ डिजिटल अभिलेखन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) पाठ, ध्वनि, छवि आ विवरणकें डिजिटल माध्यममे सँजोएब
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६१५. डिजिटल अभिलेखन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पाठ, ध्वनि, छवि आ विवरणकें डिजिटल माध्यममे सँजोएब

६१६. ऑडियो-संग्रहक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) पद-गायनक सुर, लय आ लोक-गायक परम्परा सुरक्षित करब
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६१७. ऑडियो-संग्रहक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) पद-गायनक सुर, लय आ लोक-गायक परम्परा सुरक्षित करब
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ऑडियो-संग्रह केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) पद-गायनक सुर, लय आ लोक-गायक परम्परा सुरक्षित करब
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६१९. परीक्षामे जँ ऑडियो-संग्रह पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पद-गायनक सुर, लय आ लोक-गायक परम्परा सुरक्षित करब

६२०. ऑडियो-संग्रह विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पद-गायनक सुर, लय आ लोक-गायक परम्परा सुरक्षित करब
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६२१. लोकगायकक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) मौखिक परम्पराक जीवित संवाहक
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६२२. लोकगायकक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) मौखिक परम्पराक जीवित संवाहक
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोकगायक केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) मौखिक परम्पराक जीवित संवाहक

६२४. परीक्षामे जँ लोकगायक पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) मौखिक परम्पराक जीवित संवाहक
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६२५. लोकगायक विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) मौखिक परम्पराक जीवित संवाहक
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

६२६. विद्यालयी अध्ययनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) विद्यापति केँ भाषा, कविता, संगीत आ संस्कृति रूपमे पढ़ायब
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६२७. विद्यालयी अध्ययनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) विद्यापति केँ भाषा, कविता, संगीत आ संस्कृति रूपमे पढ़ायब

६२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विद्यालयी अध्ययन केँ केना बुझब उचित?

- (A) विद्यापति केँ भाषा, कविता, संगीत आ संस्कृति रूपमे पढ़ायब
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६२९. परीक्षामे जँ विद्यालयी अध्ययन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) विद्यापति केँ भाषा, कविता, संगीत आ संस्कृति रूपमे पढ़ायब
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

६३०. विद्यालयी अध्ययन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) विद्यापति केँ भाषा, कविता, संगीत आ संस्कृति रूपमे पढ़ायब
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६३१. विश्वविद्यालयी शोधक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पाठ-समीक्षा, भाषाविज्ञान, रस, इतिहास आ प्रभाव अध्ययन

६३२. विश्वविद्यालयी शोधक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) पाठ-समीक्षा, भाषाविज्ञान, रस, इतिहास आ प्रभाव अध्ययन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विश्वविद्यालयी शोध कें केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) पाठ-समीक्षा, भाषाविज्ञान, रस, इतिहास आ प्रभाव अध्ययन
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

६३४. परीक्षामे जँ विश्वविद्यालयी शोध पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) पाठ-समीक्षा, भाषाविज्ञान, रस, इतिहास आ प्रभाव अध्ययन
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६३५. विश्वविद्यालयी शोध विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) पाठ-समीक्षा, भाषाविज्ञान, रस, इतिहास आ प्रभाव अध्ययन

६३६. सांस्कृतिक उत्सवक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) पद-गायन, व्याख्यान, नाटक आ स्मृति-आयोजन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६३७. सांस्कृतिक उत्सवक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) पद-गायन, व्याख्यान, नाटक आ स्मृति-आयोजन
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

६३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सांस्कृतिक उत्सव कें केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) पद-गायन, व्याख्यान, नाटक आ स्मृति-आयोजन
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६३९. परीक्षामे जँ सांस्कृतिक उत्सव पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) पद-गायन, व्याख्यान, नाटक आ स्मृति-आयोजन

६४०. सांस्कृतिक उत्सव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पद-गायन, व्याख्यान, नाटक आ स्मृति-आयोजन
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६४१. संगीत-रूपान्तरणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) पुरान पदकेँ नव सुर, मंच वा गायन-शैलीमे प्रस्तुत करब
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

६४२. संगीत-रूपान्तरणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) पुरान पदकेँ नव सुर, मंच वा गायन-शैलीमे प्रस्तुत करब
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय संगीत-रूपान्तरण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) पुरान पदकेँ नव सुर, मंच वा गायन-शैलीमे प्रस्तुत करब

६४४. परीक्षामे जँ संगीत-रूपान्तरण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पुरान पदकेँ नव सुर, मंच वा गायन-शैलीमे प्रस्तुत करब
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६४५. संगीत-रूपान्तरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) पुरान पदकेँ नव सुर, मंच वा गायन-शैलीमे प्रस्तुत करब
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

६४६. अनुवादक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) विद्यापति-पदक भावकेँ दोसर भाषामे अर्थपूर्ण ढंगसँ पहुँचायब
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६४७. अनुवादक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) विद्यापति-पदक भावकेँ दोसर भाषामे अर्थपूर्ण ढंगसँ पहुँचायब

६४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय अनुवाद केँ केना बुझब उचित?

- (A) विद्यापति-पदक भावकेँ दोसर भाषामे अर्थपूर्ण ढंगसँ पहुँचायब
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६४९. परीक्षामे जँ अनुवाद पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) विद्यापति-पदक भावकें दोसर भाषामे अर्थपूर्ण ढंगसँ पहुँचायब
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

६५०. अनुवाद विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) विद्यापति-पदक भावकें दोसर भाषामे अर्थपूर्ण ढंगसँ पहुँचायब
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६५१. लिप्यन्तरणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे पाठकें सावधानीसँ उतारब

६५२. लिप्यन्तरणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे पाठकें सावधानीसँ उतारब
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लिप्यन्तरण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे पाठकें सावधानीसँ उतारब
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

६५४. परीक्षामे जँ लिप्यन्तरण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे पाठकें सावधानीसँ उतारब
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६५५. लिप्यन्तरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे पाठकें सावधानीसँ उतारब

६५६. छात्र-क्विजक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) तथ्य, भाव, शैली आ परम्परा पर सक्रिय अभ्यास
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६५७. छात्र-क्विजक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) तथ्य, भाव, शैली आ परम्परा पर सक्रिय अभ्यास
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

६५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय छात्र-क्विज केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) तथ्य, भाव, शैली आ परम्परा पर सक्रिय अभ्यास
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६५९. परीक्षामे जँ छात्र-क्विज पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) तथ्य, भाव, शैली आ परम्परा पर सक्रिय अभ्यास

६६०. छात्र-क्विज विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) तथ्य, भाव, शैली आ परम्परा पर सक्रिय अभ्यास
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६६१. चित्रमय प्रस्तुतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) कवि, गंगा, मिथिला, राधा-कृष्ण, पाण्डुलिपि आदि दृश्य-संकेत
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

६६२. चित्रमय प्रस्तुतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) कवि, गंगा, मिथिला, राधा-कृष्ण, पाण्डुलिपि आदि दृश्य-संकेत
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय चित्रमय प्रस्तुति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) कवि, गंगा, मिथिला, राधा-कृष्ण, पाण्डुलिपि आदि दृश्य-संकेत

६६४. परीक्षामे जँ चित्रमय प्रस्तुति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) कवि, गंगा, मिथिला, राधा-कृष्ण, पाण्डुलिपि आदि दृश्य-संकेत
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६६५. चित्रमय प्रस्तुति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) कवि, गंगा, मिथिला, राधा-कृष्ण, पाण्डुलिपि आदि दृश्य-संकेत
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

६६६. स्रोत-सूचीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) कृति, संस्करण, सम्पादक, शोध आ गायन-स्रोतक साफ उल्लेख
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६६७. स्रोत-सूचीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) कृति, संस्करण, सम्पादक, शोध आ गायन-स्रोतक साफ उल्लेख

६६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय स्रोत-सूची केँ केना बुझब उचित?

- (A) कृति, संस्करण, सम्पादक, शोध आ गायन-स्रोतक साफ उल्लेख
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६६९. परीक्षामे जँ स्रोत-सूची पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) कृति, संस्करण, सम्पादक, शोध आ गायन-स्रोतक साफ उल्लेख
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

६७०. स्रोत-सूची विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) कृति, संस्करण, सम्पादक, शोध आ गायन-स्रोतक साफ उल्लेख
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६७१. सामुदायिक स्मृतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) गाम, घर, गायन, उत्सव आ लोककथामे कविक जीवित उपस्थिति

६७२. सामुदायिक स्मृतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) गाम, घर, गायन, उत्सव आ लोककथामे कविक जीवित उपस्थिति
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सामुदायिक स्मृति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) गाम, घर, गायन, उत्सव आ लोककथामे कविक जीवित उपस्थिति
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

६७४. परीक्षामे जँ सामुदायिक स्मृति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) गाम, घर, गायन, उत्सव आ लोककथामे कविक जीवित उपस्थिति
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६७५. सामुदायिक स्मृति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) गाम, घर, गायन, उत्सव आ लोककथामे कविक जीवित उपस्थिति

६७६. नवमाध्यमक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) वेबसाइट, ई-पुस्तक, ध्वनि, वीडियो आ अंतःक्रियात्मक क्विज
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

६७७. नवमाध्यमक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) वेबसाइट, ई-पुस्तक, ध्वनि, वीडियो आ अंतःक्रियात्मक क्विज
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

६७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नवमाध्यम केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) वेबसाइट, ई-पुस्तक, ध्वनि, वीडियो आ अंतःक्रियात्मक क्विज
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६७९. परीक्षामे जँ नवमाध्यम पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) वेबसाइट, ई-पुस्तक, ध्वनि, वीडियो आ अंतःक्रियात्मक क्विज

६८०. नवमाध्यम विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वेबसाइट, ई-पुस्तक, ध्वनि, वीडियो आ अंतःक्रियात्मक क्विज
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६८१. प्रमाणिक उच्चारणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) पद-गायनमे भाषा, मात्रा आ भावक सही ध्वनि
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

६८२. प्रमाणिक उच्चारणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) पद-गायनमे भाषा, मात्रा आ भावक सही ध्वनि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय प्रमाणिक उच्चारण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) पद-गायनमे भाषा, मात्रा आ भावक सही ध्वनि

६८४. परीक्षामे जँ प्रमाणिक उच्चारण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पद-गायनमे भाषा, मात्रा आ भावक सही ध्वनि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६८५. प्रमाणिक उच्चारण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) पद-गायनमे भाषा, मात्रा आ भावक सही ध्वनि
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

६८६. संग्रहालयी दृष्टिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) कवि-स्मृति, पाण्डुलिपि, चित्र, ध्वनि आ दस्तावेजक संयोजन
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

६८७. संग्रहालयी दृष्टिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) कवि-स्मृति, पाण्डुलिपि, चित्र, ध्वनि आ दस्तावेजक संयोजन

६८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय संग्रहालयी दृष्टि केँ केना बुझब उचित?

- (A) कवि-स्मृति, पाण्डुलिपि, चित्र, ध्वनि आ दस्तावेजक संयोजन
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६८९. परीक्षामे जँ संग्रहालयी दृष्टि पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) कवि-स्मृति, पाण्डुलिपि, चित्र, ध्वनि आ दस्तावेजक संयोजन
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

६९०. संग्रहालयी दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) कवि-स्मृति, पाण्डुलिपि, चित्र, ध्वनि आ दस्तावेजक संयोजन
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६९१. बाल-शिक्षणक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय

६९२. बाल-शिक्षणक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय बाल-शिक्षण केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

६९४. परीक्षामे जँ बाल-शिक्षण पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६९५. बाल-शिक्षण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय

६९६. परम्परा-रक्षाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

६९७. परम्परा-रक्षाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

६९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय परम्परा-रक्षा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

६९९. परीक्षामे जँ परम्परा-रक्षा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन

७००. परम्परा-रक्षा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (D) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार — एहि प्रश्नमे शिव-भक्तिक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार।

२. (A) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार — सही उत्तर शिव-भक्तिक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार।

३. (B) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार।

४. (C) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार।

५. (D) विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। विद्यापतिक धार्मिक व्यक्तित्वक प्रमुख शैव आधार।

६. (A) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि — एहि प्रश्नमे वैष्णव भावक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि।

७. (B) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि — सही उत्तर वैष्णव भावक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि।

८. (C) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि।

९. (D) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि।

१०. (A) राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
राधा-कृष्ण प्रेमकेँ भक्तिमय माधुर्य बनयबाक दृष्टि।

११. (B) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक — एहि प्रश्नमे गंगा-भक्तिके मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक।

११. (C) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक — सही उत्तर गंगा-भक्तिक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक।

१३. (D) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक।

१४. (A) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक।

१५. (B) पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। पवित्रता, मुक्ति आ मातृ-संवेदनाक धार्मिक प्रतीक।

१६. (C) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा — एहि प्रश्नमे देवी-भक्तिक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा।

१७. (D) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा — सही उत्तर देवी-भक्तिक प्रसंगके विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा।

१८. (A) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा।

११. (B) दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। दुर्गा-स्तुति आ शक्ति-उपासना-संबंधित भावधारा।

૨૦. (C) દુર્ગા-સ્તુતિ આ શક્તિ-ઉપાસના-સંબંધિત ભાવધારા — ગલત વિકલ્પ સામાન્ય ભ્રમ અછિ; સહી વિકલ્પ વિષયક સટીક સાહિત્યિક અર્થ દૈત અછિ।
દુર્ગા-સ્તુતિ આ શક્તિ-ઉપાસના-સંબંધિત ભાવધારા।

२१. (D) प्रेम-रसकैँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता — एहि प्रश्नमे भक्ति आ शृङ्गारक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। प्रेम-रसकैँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता।

२२. (A) प्रेम-रसकै ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता — सही उत्तर भक्ति आ शृङ्गारक प्रसंगकै विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। प्रेम-रसकै ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता।

२३. (B) प्रेम-रसकें ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। प्रेम-रसकें ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता।

२४. (C) प्रेम-रसकैँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। प्रेम-रसकैँ ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता।

२५. (D) प्रेम-रसकै ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। प्रेम-रसकै ईश्वर-अनुरागमे रूपान्तरित करबाक क्षमता।

२६. (A) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव — एहि प्रश्नमे माधुर्य-भक्तिके मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव।

२७. (B) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव — सही उत्तर माधुर्य-भक्तिक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव।

२८. (C) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव।

२९. (D) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव।

३०. (A) ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
ईश्वरसँ प्रियतम-जेकाँ आत्मीय सम्बन्धक अनुभव।

३१. (B) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार — एहि प्रश्नमे कीर्तन-परम्पराक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार।

३२. (C) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार — सही उत्तर कीर्तन-परम्पराक प्रसंगक विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार।

३३. (D) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार।

३४. (A) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार।

३५. (B) समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। समूह-गायन द्वारा भक्तिपदक लोक-प्रसार।

३६. (C) देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब — एहि प्रश्नमे ईश्वरक मानवीकरणक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब।

३७. (D) देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब — सही उत्तर ईश्वरक मानवीकरणक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब।

३८. (A) देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब।

३९. (B) देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब।

४०. (C) देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। देव-पात्रकें मानवीय भाव, मान, लज्जा आ प्रेमसँ देखब।

४१. (D) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत — एहि प्रश्नमे राधा-कृष्ण भक्तिरूपक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत।

४२. (A) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत — सही उत्तर राधा-कृष्ण भक्तिरूपक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि।
लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत।

४३. (B) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुराग संकेत।

४४. (C) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत।

४५. (D) लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
लौकिक प्रेमक माध्यमसँ अलौकिक अनुरागक संकेत।

४६. (A) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय — एहि प्रश्नमे शिव आ कृष्णक सह-अस्तित्वक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय।

४९. (B) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय — सही उत्तर शिव आ कृष्णक सह-अस्तित्वक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि।
कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय।

૪૮. (C) કવિ-વ્યક્તિત્વમે અનેક ભક્તિધારાક સમન્વય — એહિ બિન્દુમે શબ્દ, ભાવ, ઇતિહાસ આ પરમ્પરાક સમ્બન્ધ બુઝનાઈ જરૂરી અછિ। કવિ-વ્યક્તિત્વમે અનેક ભક્તિધારાક સમન્વય।

४९. (D) कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। कवि-व्यक्तित्वमे अनेक भक्तिधाराक समन्वय।

१७१. (C) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला — एहि प्रश्नमे उपमाक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला।

१७२. (D) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला — सही उत्तर उपमाक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला।

१७३. (A) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला।

१७४. (B) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला।

१७५. (C) परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
परिचित वस्तुसँ भावक तुलना करबाक काव्य-कला।

१७६. (D) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली — एहि प्रश्नमे सांकेतिकताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली।

१७७. (A) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली — सही उत्तर सांकेतिकताक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली।

१७८. (B) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली।

१७९. (C) सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली।

૧૮૦. (D) સીધા ન કહિ સંકેતસँ भाव खोलबाक शैली — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। सीधा न कहि संकेतसँ भाव खोलबाक शैली।

१८१. (A) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता — एहि प्रश्नमे भाव-सघनताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता।

१८२. (B) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता — सही उत्तर भाव-सघनताक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता।

१८३. (C) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता।

१८४. (D) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता।

१८५. (A) थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। थोड़ा शब्दमे बहुत भाव समेटबाक क्षमता।

१८६. (B) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना — एहि प्रश्नमे श्रवणीयताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना।

१८७. (C) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना — सही उत्तर श्रवणीयताक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना।

१८८. (D) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना।

१८९. (A) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना।

११०. (B) पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
पाठक नहि, श्रोता आ गायक लेल बनल संरचना।

१११. (C) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति — एहि प्रश्नमे लोक आ शास्त्रक भाषाक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति।

११२. (D) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति — सही उत्तर लोक आ शास्त्रक भाषाक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति।

११३. (A) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति।

११४. (B) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति।

११५. (C) सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। सहज मैथिलीमे शास्त्रीय रस-दृष्टिक अभिव्यक्ति।

११६. (D) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव — एहि प्रश्नमे भाषिक परम्पराक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव।

११७. (A) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव — सही उत्तर भाषिक परम्पराक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव।

११८. (B) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव।

११९. (C) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव।

२००. (D) पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। पद-भाषाक बादक कवि आ कीर्तनपर प्रभाव।

२०१. (B) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार — एहि प्रश्नमे विद्यापति-परम्पराक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार।

२०२. (C) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार — सही उत्तर विद्यापति-परम्पराक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि।
विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार।

२०३. (D) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि।
विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार।

२०४. (A) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार।

२०५. (B) विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। विद्यापतिक पद-भाषा, भाव आ गेय शैलीक उत्तराधिकार।

૨૦૬. (C) વિદ્યાપતિક શૈલી, ભાવ વા પદરૂપકેં નવ રચનામે ગ્રહણ કરબ — એહિ પ્રશ્નમે પદાનુકરણક મૂલ સાહિત્યિક સ્થાન પહચાનવાક અછિ। વિદ્યાપતિક શૈલી, ભાવ વા પદરૂપકેં નવ રચનામે ગ્રહણ કરબ।

૨૦૭. (D) વિદ્યાપતિક શૈલી, ભાવ વા પદરૂપકેં નવ રચનામે ગ્રહણ કરબ — સહી ઉત્તર પદાનુકરણક પ્રસંગકેં વિદ્યાપતિ આ હુનકર પરમ્પરાસં જોડૈત અછિ।
વિદ્યાપતિક શૈલી, ભાવ વા પદરૂપકેં નવ રચનામે ગ્રહણ કરબ।

૨૦૮. (A) વિદ્યાપતિક શૈલી, ભાવ વા પદરૂપકેં નવ રચનામે ગ્રહણ કરબ — એહિ બિન્દુમે શબ્દ, ભાવ, ઇતિહાસ આ પરમ્પરાક સમ્બન્ધ બુઝનાઈ જરૂરી અછિ।
વિદ્યાપતિક શૈલી, ભાવ વા પદરૂપકેં નવ રચનામે ગ્રહણ કરબ।

२०९. (B) विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकें नव रचनामे ग्रहण करब — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकें नव रचनामे ग्रहण करब।

२१०. (C) विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकें नव रचनामे ग्रहण करब — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। विद्यापतिक शैली, भाव वा पदरूपकें नव रचनामे ग्रहण करब।

- २५१. (D) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका** — एहि प्रश्नमे राधा-कृष्ण पदावली पर असरक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका।
- २५२. (A) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका** — सही उत्तर राधा-कृष्ण पदावली पर असरक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका।
- २५३. (B) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका।
- २५४. (C) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका।
- २५५. (D) प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। प्रेम-भक्ति गीतक रूप-बंध आ भाव-तरीका।
- २५६. (A) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा** — एहि प्रश्नमे लोक आ अभिजात्यक सेतुक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा।
- २५७. (B) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा** — सही उत्तर लोक आ अभिजात्यक सेतुक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा।
- २५८. (C) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा।
- २५९. (D) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा।
- २६०. (A) दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। दरबारी पाण्डित्य आ जनगायनक संयुक्त परम्परा।
- २६१. (B) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग** — एहि प्रश्नमे कवि-नामक स्मृतिक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग।
- २६२. (C) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग** — सही उत्तर कवि-नामक स्मृतिक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग।
- २६३. (D) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग।
- २६४. (A) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग।
- २६५. (B) पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। पदांतमे कवि-नामक भावपूर्ण उपयोग।
- २६६. (C) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा** — एहि प्रश्नमे रसमय पद-धाराक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा।
- २६७. (D) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा** — सही उत्तर रसमय पद-धाराक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा।
- २६८. (A) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा।
- २६९. (B) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा।
- २७०. (C) शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। शृङ्गार आ भक्ति मेलल गीत-परम्परा।

२७१. (D) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति — एहि प्रश्नमे कविता सँ संगीतक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति।

२७२. (A) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति — सही उत्तर कविता सँ संगीतक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति।

२७३. (B) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति।

२७४. (C) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति।

२७५. (D) पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। पदक संगीतमे रूपान्तरण आ रागात्मक स्मृति।

२७६. (A) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप — एहि प्रश्नमे पाठान्तर परम्पराक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप।

२७७. (B) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप — सही उत्तर पाठान्तर परम्पराक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप।

२७८. (C) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप।

२७९. (D) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप।

२८०. (A) गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
गायन आ पाण्डुलिपिसँ बनल अलग-अलग पाठरूप।

२८१. (B) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन — एहि प्रश्नमे अनुकृति आ मौलिकताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन।

२८२. (C) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन — सही उत्तर अनुकृति आ मौलिकताक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन।

૨૮૩. (D) વિદ્યાપતિ-પ્રભાવ ગ્રહણ કરિ નવ ભાવક સૃજન — એહિ બિન્દુમે શબ્દ, ભાવ, ઇતિહાસ આ પરમ્પરાક સમ્બન્ધ બુઝનાઈ જરૂરી અછિ। વિદ્યાપતિ-પ્રભાવ ગ્રહણ કરિ નવ ભાવક સૃજન।

२८४. (A) विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। विद्यापति-प्रभाव ग्रहण करि नव भावक सृजन।

૨૮૫. (B) વિદ્યાપતિ-પ્રભાવ ગ્રહણ કરી નવ ભાવક સૃજન — ગલત વિકલ્પ સામાન્ય ભ્રમ અછિ; સહી વિકલ્પ વિષયક સટીક સાહિત્યિક અર્થ દૈત અછિ।
વિદ્યાપતિ-પ્રભાવ ગ્રહણ કરી નવ ભાવક સૃજન।

२८६. (C) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान — एहि प्रश्नमे लोकप्रियताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान।

२८७. (D) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान — सही उत्तर लोकप्रियताक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान।

२८८. (A) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान।

२८९. (B) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान।

२१०. (C) गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। गीतक मधुरता आ भावसाम्यक कारण जनमानस मे स्थान।

३११. (A) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा — एहि प्रश्नमे ओड़िशा पर प्रभावक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा।

३१२. (B) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा — सही उत्तर ओड़िशा पर प्रभावक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा।

३१३. (C) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा।

३१४. (D) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा।

३१५. (A) पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। पूर्वी वैष्णव काव्य आ ब्रजबुली-संबंधित रचना-परम्परा।

३१६. (B) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति — एहि प्रश्नमे नेपालमे मैथिलीक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति।

३१७. (C) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति — सही उत्तर नेपालमे मैथिलीक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति।

३१८. (D) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति।

३१९. (A) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही।
मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति।

३२०. (B) मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। मल्लकालीन दरबार, नाटक आ गीत-संस्कृतिमे मैथिली उपस्थिति।

३२१. (C) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध — एहि प्रश्नमे पूर्वी भारतक साहित्यिक सेतुक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध।

३२२. (D) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध — सही उत्तर पूर्वी भारतक साहित्यिक सेतुक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध।

३२३. (A) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध।

३२४. (B) मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही।
मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध।

২২৫. (C) মিথিলা, বংগাল, অসম, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। मिथिला, बंगाल, असम, ओड़िशा आ नेपाल बीच भावभाषिक सम्बन्ध।

૩૨૬. (D) મૈથિલી-પ્રેરિત પર પૂર્વી ક્ષેત્રમે અપનાઓલ સાહિત્યિક ભાષા — એહિ પ્રશ્નમે બ્રજબુલી કાવ્યક મૂલ સાહિત્યિક સ્થાન પહચાનબાક અછિ। મૈથિલી-પ્રેરિત પર પૂર્વી ક્ષેત્રમે અપનાઓલ સાહિત્યિક ભાષા।

३२७. (A) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा — सही उत्तर ब्रजबुली काव्यक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि।
मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा।

३२८. (B) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि।
मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा।

३२९. (C) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा।

३३०. (D) मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। मैथिली-प्रेरित पर पूर्वी क्षेत्रमे अपनाओल साहित्यिक भाषा।

३३१. (A) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण — एहि प्रश्नमे चैतन्य-परम्पराक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण।

३३२. (B) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण — सही उत्तर चैतन्य-परम्पराक प्रसंगके विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण।

३३३. (C) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण।

३३४. (D) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण — परीक्षा-दृष्टिसे तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण।

३३५. (A) राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। राधा-कृष्ण भक्तिपदक भावानुकूल ग्रहण।

३३६. (B) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति — एहि प्रश्नमे टैगोरक पुनर्स्मरणक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति।

३३७. (C) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति — सही उत्तर टैगोरक पुनर्स्मरणक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति।

३३८. (D) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति।

३३९. (A) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति।

३४०. (B) आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
आधुनिक युगमे विद्यापति-प्रेरित पद-भाषाक स्मृति।

३४१. (C) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार — एहि प्रश्नमे मिथिला सँ बाहर लोकप्रियताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार।

३४२. (D) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार — सही उत्तर मिथिला सँ बाहर लोकप्रियताक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार।

३४३. (A) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार।

३४४. (B) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार।

३४५. (C) गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
गीतक सार्वदेशिक प्रेम-भक्ति भावक कारण प्रसार।

૩૪૬. (D) ભિન્ન ભાષામે ભાવ, કથા વા પદરૂપક પુનર્સૃજન — એહિ પ્રશ્નમે અનુવાદ આ રૂપાન્તરક મૂલ સાહિત્યિક સ્થાન પહચાનબાક અછિ। ભિન્ન ભાષામે ભાવ, કથા વા પદરૂપક પુનર્સૃજન।

३४७. (A) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन — सही उत्तर अनुवाद आ रूपान्तरक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन।

३४८. (B) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन।

३४९. (C) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन।

३५०. (D) भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
भिन्न भाषामे भाव, कथा वा पदरूपक पुनर्सृजन।

३५१. (A) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार — एहि प्रश्नमे कृष्णभक्ति नेटवर्कक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार।

३५२. (B) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार — सही उत्तर कृष्णभक्ति नेटवर्कक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार।

३५३. (C) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार।

३५४. (D) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार।

३५५. (A) मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। मन्दिर, कीर्तन, संप्रदाय आ कवि-समुदायक माध्यमसँ प्रसार।

૩૫૬. (B) પાળ્ડુલિપિ, મૌખિક ગાન, સંકલન આ અનુકૃતિ — ંહિ પ્રશ્નમે પદક સ્મૃતિ-માર્ગક મૂલ સાહિત્યિક સ્થાન પહચાનબાક અછિ. પાળ્ડુલિપિ, મૌખિક ગાન, સંકલન આ અનુકૃતિ।

३५७. (C) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति — सही उत्तर पदक स्मृति-मार्गक प्रसंगके विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति।

३५८. (D) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति।

३५९. (A) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति।

३६०. (B) पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
पाण्डुलिपि, मौखिक गान, संकलन आ अनुकृति।

३६१. (C) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल — एहि प्रश्नमे भाषिक रूपान्तरणक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल।

३६२. (D) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल — सही उत्तर भाषिक रूपान्तरणक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल।

३६३. (A) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल।

३६४. (B) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल।

३६५. (C) मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
मैथिली रूपक स्थानीय ध्वनि आ व्याकरणसँ मेल।

३६६. (D) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि — एहि प्रश्नमे पूर्वी रसधाराक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि।

३६७. (A) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि — सही उत्तर पूर्वी रसधाराक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि।

૩૬૮. (B) માધુર્ય-ભક્તિ આ શૃંગારક સાઝા સૌન્દર્ય-દૃષ્ટિ — એહિ બિન્દુમે શબ્દ, ભાવ, ઇતિહાસ આ પરમ્પરાક સમ્બન્ધ બુઝનાઈ જરૂરી અછિ। માધુર્ય-ભક્તિ આ શૃંગારક સાઝા સૌન્દર્ય-દૃષ્ટિ।

३६९. (C) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि।

३७०. (D) माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
माधुर्य-भक्ति आ शृङ्गारक साझा सौन्दर्य-दृष्टि।

४५१. (B) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व — एहि प्रश्नमे धार्मिक बहुलताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व।

४५२. (C) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व — सही उत्तर धार्मिक बहुलताक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व।

४५३. (D) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व।

४५४. (A) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व।

४५५. (B) शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। शैव, शाक्त, वैष्णव आ लोक-विश्वासक सह-अस्तित्व।

४५६. (C) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र — एहि प्रश्नमे स्त्रीक मनोविज्ञानक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र।

४५७. (D) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र — सही उत्तर स्त्रीक मनोविज्ञानक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र।

४५८. (A) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र।

४५९. (B) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र।

४६०. (C) प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। प्रतीक्षा, आशंका, रूठब, चाहना आ निर्णयक सूक्ष्म चित्र।

४६१. (D) जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि — एहि प्रश्नमे लोककथा आ विद्यापतिक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि।

४६२. (A) जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि — सही उत्तर लोककथा आ विद्यापतिक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि।

४६३. (B) जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि।

४६४. (C) जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही।
जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि।

४६५. (D) जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। जीवनक घटनाकें लोकस्मृति भावुक कथा बना कऽ सँजोयत अछि।

४६६. (A) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख — एहि प्रश्नमे नैतिक विवेकक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख।

૪૬૭. (B) આચરણ, સ્વભાવ આ સામાજિક ઉત્તરદાયિત્વક પરખ — સહી ઉત્તર નૈતિક વિવેકક પ્રસંગેં વિદ્યાપતિ આ હુનકર પરમ્પરાસં જોડૈત અછિ। આચરણ, સ્વભાવ આ સામાજિક ઉત્તરદાયિત્વક પરખ।

४६८. (C) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख।

४६९. (D) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख।

४७०. (A) आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। आचरण, स्वभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्वक परख।

५११. (C) कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब — एहि प्रश्नमे समन्वित उत्तरक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब।

५१२. (D) कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब — सही उत्तर समन्वित उत्तरक प्रसंगकै विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि।
कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब।

५१३. (A) कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब।

५१४. (B) कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब।

५१५. (C) कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। कवि कै केवल प्रेमी वा केवल पण्डित नहि, दुनू रूपमे देखब।

५१६. (D) विद्यापति-पदकें मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब — एहि प्रश्नमे सामान्य भूलक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। विद्यापति-पदकें मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब।

५१७. (A) विद्यापति-पदकें मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब — सही उत्तर सामान्य भूलक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। विद्यापति-पदकें मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब।

५१८. (B) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि।
विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब।

५९९. (C) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही।
विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब।

६००. (D) विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। विद्यापति-पदकेँ मात्र लौकिक शृङ्गार मानि भक्तिपक्ष छोड़ि देब।

६०१. (B) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब — एहि प्रश्नमे पाण्डुलिपि-संरक्षणक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब।

६०२. (C) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब — सही उत्तर पाण्डुलिपि-संरक्षणक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब।

६०३. (D) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब।

६०४. (A) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब।

६०५. (B) हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। हस्तलिखित पाठकें सुरक्षित, पढ़नीय आ शोधयोग्य बनायब।

६०६. (C) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब — एहि प्रश्नमे पाठ-सम्पादनक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब।

६०७. (D) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब — सही उत्तर पाठ-सम्पादनक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब।

६०८. (A) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब।

દ૦૧. (B) ભિન્ન પાઠાન્તર મિલાકડ વિશ્વસનીય પાઠ તૈયાર કરબ — પરીક્ષા-દૃષ્ટિસં તથ્યક સંગ ઓકર સાહિત્યિક અર્થ સેહો દેખબાક ચાહી। ભિન્ન પાઠાન્તર મિલાકડ વિશ્વસનીય પાઠ તૈયાર કરબ।

६१०. (C) भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। भिन्न पाठान्तर मिलाकऽ विश्वसनीय पाठ तैयार करब।

- ६९२. (A) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय** — सही उत्तर बाल-शिक्षणक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय।
- ६९३. (B) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय।
- ६९४. (C) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय।
- ६९५. (D) सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। सरल पद, कथा, चित्र आ गायनसँ विद्यापति परिचय।
- ६९६. (A) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन** — एहि प्रश्नमे परम्परा-रक्षाक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन।
- ६९७. (B) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन** — सही उत्तर परम्परा-रक्षाक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन।
- ६९८. (C) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन।
- ६९९. (D) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन।
- ७००. (A) प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। प्रामाणिक पाठ, जीवित गायन, शोध आ जन-सहभागिताक संतुलन।

अध्याय २ : पूर्व विद्यापति साहित्य क्विज | Videha QUIZ

s1

१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” कैं पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?
(A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
(B) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
(C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
(D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)
(A) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
(B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
(C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
(D) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” कैं कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)
(A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
(B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
(C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
(D) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)
(A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
(B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
(C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
(D) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)
(A) इतिहास-दृष्टि
(B) पोथी
(C) भाषा
(D) विद्या
६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)
(A) केवल पन्ना-गिनती
(B) केवल नाम-स्मरण
(C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
(D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)
(A) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
(B) लोकधारा — केवल खेल-कूद
(C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — असम्बद्ध बाजार-दर
(D) मिथिला विद्या-परम्परा — केवल रेल-यात्रा
८. “दरबारी आश्रय” कैं कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)
(A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
(B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
(C) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
(D) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब

९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा

१०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (D) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि

११. “पूर्व विद्यापति साहित्य” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (D) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन

१२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (C) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (D) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता

१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

१४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

१५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) लोक
- (B) काल
- (C) पोथी
- (D) भाषा

१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल पन्ना-गिनती

१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — केवल रेल-यात्रा
- (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (C) पूर्व विद्यापति साहित्य — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) लोकधारा — केवल खेल-कूद

१८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

१९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (D) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार

२०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब

२१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास

२२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (C) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (D) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन

२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

२४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

२५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) विद्या
- (B) भाषा
- (C) विषय-सीमा
- (D) पृष्ठभूमि

२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) पाण्डुलिपि-संरक्षण — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) लोकधारा — केवल खेल-कूद
- (C) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (D) भाषिक संक्रमण — केवल रेल-यात्रा

२८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

२९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (B) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (C) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब

३०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (D) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग

३१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (C) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (D) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता

३२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (C) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (D) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन

३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

३४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
- (D) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

३५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) भाषा
- (B) पृष्ठभूमि
- (C) काल
- (D) आश्रय

३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल नाम-स्मरण

३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) समानान्तर दृष्टि — केवल रेल-यात्रा
- (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) लोकधारा — केवल खेल-कूद

३८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

३९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (C) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (D) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार

४०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास

४१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब

४२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (D) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण

४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

४४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
- (D) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

४५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) पोथी
- (B) स्रोत
- (C) भाषा
- (D) इतिहास-दृष्टि

४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) भाषिक संक्रमण — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) लोकधारा — केवल खेल-कूद
- (D) भाषिक संक्रमण — केवल रेल-यात्रा

४८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

४९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (B) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (C) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा

५०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (B) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग

५१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (D) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार

५२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (D) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र

५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन

५४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
- (C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

५५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) भाषा
- (B) स्रोत
- (C) विषय-सीमा
- (D) इतिहास-दृष्टि

५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) लोकधारा — केवल खेल-कूद
- (B) मिथिला विद्या-परम्परा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) भाषिक संक्रमण — केवल रेल-यात्रा
- (D) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता

५८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

५९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (D) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार

६०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (C) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब

६१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (D) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल

६२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (D) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण

६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन

६४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।

६५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) काल
- (B) भाषा
- (C) पोथी
- (D) आश्रय

६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल पन्ना-गिनती

६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) पूर्व विद्यापति साहित्य — केवल रेल-यात्रा
- (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (C) प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) लोकधारा — केवल खेल-कूद

६८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

६९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (C) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (D) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार

७०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र

७१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (C) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (D) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता

७२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (B) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब

७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

७४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।

७५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) लोक
- (B) भाषा
- (C) पोथी
- (D) काल

७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) लोकधारा — केवल खेल-कूद
- (B) भाषिक संक्रमण — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) मिथिला विद्या-परम्परा — केवल रेल-यात्रा
- (D) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता

७८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

७९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (D) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन

८०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (D) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम

८१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (C) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (D) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार

८२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (D) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र

८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

८४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

८५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) स्रोत
- (B) भाषा
- (C) पोथी
- (D) विषय-सीमा

८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — केवल रेल-यात्रा
- (C) लोकधारा — केवल खेल-कूद
- (D) काल-सीमा — असम्बद्ध बाजार-दर

८८. “दरबारी आश्रय” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब

८९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (B) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा

९०. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (D) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री

९१. “पूर्व विद्यापति साहित्य” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (D) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन

९२. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “काल-सीमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (B) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (D) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन

९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन

९४. “सांस्कृतिक पृष्ठभूमि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
- (D) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

९५. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिक अध्ययनमे कोन बात “भाषिक संक्रमण” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) विद्या
- (B) इतिहास-दृष्टि
- (C) आश्रय
- (D) भाषा

९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “मिथिला विद्या-परम्परा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) लोकधारा — केवल खेल-कूद
- (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (C) मिथिला विद्या-परम्परा — केवल रेल-यात्रा
- (D) समानान्तर दृष्टि — असम्बद्ध बाजार-दर

९८. “दरबारी आश्रय” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

९९. विषय-सीमा आ काल-पृष्ठभूमिमे “पाण्डुलिपि-संरक्षण” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (B) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा

१००. “समानान्तर दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (B) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (D) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा

s2

१०१. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (C) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल

१०२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (B) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया
- (C) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (D) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास

१०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

१०४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

१०५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) ध्वनि
- (B) आदि-रूप
- (C) भाषिक धरातल
- (D) लोकशब्द

१०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

१०७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) आरम्भिक मैथिली — केवल रेल-यात्रा
- (B) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (C) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद
- (D) देशज शब्द — असम्बद्ध बाजार-दर

१०८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

१०९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया
- (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (C) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल

११०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णायक परम्परा
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

१११. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (B) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (C) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (D) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप

११२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (B) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (C) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि

११३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

११४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- (D) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

११५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) द्विभाषिकता
- (B) आदि-रूप
- (C) भाषा
- (D) ध्वनि

११६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

११७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) रूप-रचना — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) अवहट्ट — केवल रेल-यात्रा
- (C) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (D) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद

११८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

११९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (B) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (C) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (D) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द

१२०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (B) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (C) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (D) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत

१२१. “अपभ्रंश” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (D) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द

१२२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (B) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (D) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल

१२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

१२४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।

१२५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) द्विभाषिकता
- (B) ध्वनि
- (C) परिवार
- (D) शब्द

१२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

१२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद
- (B) पूर्वी आर्य भाषा-परिवार — केवल रेल-यात्रा
- (C) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (D) तत्सम शब्द — असम्बद्ध बाजार-दर

१२८. “तत्सम शब्द” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

१२९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया
- (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (C) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (D) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल

१३०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (C) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (D) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द

१३१. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (C) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (D) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द

१३२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (C) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (D) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप

१३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

१३४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।

१३५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) परिवार
- (B) शब्द
- (C) ध्वनि
- (D) भाषिक धरातल

१३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

१३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) रूप-रचना — केवल रेल-यात्रा
- (C) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (D) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद

१३८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

१३९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया
- (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (C) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (D) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास

१४०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (B) पाण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (D) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल

१४१. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (B) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (C) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (D) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास

१४२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (B) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल

१४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

१४४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

१४५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) व्याकरण
- (B) द्विभाषिकता
- (C) ध्वनि
- (D) लोकशब्द

१४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

१४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) अपभ्रंश — केवल रेल-यात्रा
- (B) तत्सम शब्द — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद
- (D) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप

१४८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

१४९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (B) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (C) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल

१५०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (B) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (C) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल

१५१. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (B) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया
- (C) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि

१५२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (B) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (C) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि

१५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

१५४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।

१५५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) व्याकरण
- (B) ध्वनि
- (C) भाषिक धरातल
- (D) परिवार

१५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

१५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) रूप-रचना — केवल रेल-यात्रा
- (B) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद

१५८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

१५९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया
- (B) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (C) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (D) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल

१६०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास

१६१. “अपभ्रंश” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (B) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (C) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (D) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व

१६२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) संस्कृतक संग स्थानीय भाषिक रूपक सह-अस्तित्व
- (B) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (C) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि

१६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

१६४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- (D) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

१६५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) व्याकरण
- (B) भाषा
- (C) ध्वनि
- (D) लोकशब्द

१६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

१६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (B) देशज शब्द — केवल रेल-यात्रा
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद

१६८. “तत्सम शब्द” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब

१६९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (B) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया

१७०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (B) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (C) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

१७१. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (C) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (D) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल

१७२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (B) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (D) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया

१७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

१७४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।

१७५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) द्विभाषिकता
- (B) भाषिक धरातल
- (C) शब्द
- (D) ध्वनि

१७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

१७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (B) देशज शब्द — केवल रेल-यात्रा
- (C) ध्वनि-परिवर्तन — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद

१७८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

१७९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया

१८०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

१८१. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (D) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया

१८२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (C) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल

१८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल

१८४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।

१८५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) एहि प्रसंगसँ सीधा सम्बन्ध नहि
- (B) भाषिक धरातल
- (C) शब्द
- (D) ध्वनि

१८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

१८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद
- (B) तत्सम शब्द — केवल रेल-यात्रा
- (C) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (D) पूर्वी आर्य भाषा-परिवार — असम्बद्ध बाजार-दर

१८८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

१८९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (B) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (C) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि

१९०. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (C) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (D) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया

१९१. “अपभ्रंश” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (C) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल

१९२. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “अवहट्ट” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (C) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि

१९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पूर्वी आर्य भाषा-परिवार” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

१९४. “लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- (C) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

१९५. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीक अध्ययनमे कोन बात “ध्वनि-परिवर्तन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) परिवार
- (B) लोकशब्द
- (C) ध्वनि
- (D) भाषा

१९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “रूप-रचना” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

१९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) लोकभाषा आ पाण्डित्यभाषा — केवल रेल-यात्रा
- (B) तत्सम शब्द — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) तद्भव शब्द — केवल खेल-कूद
- (D) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप

१९८. “तत्सम शब्द” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

१९९. भाषिक धरातल: अपभ्रंश, अवहट्ट आ आरम्भिक मैथिलीमे “देशज शब्द” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप
- (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (C) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ कारक-चिह्नक क्रमिक विकास
- (D) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल

२००. “आरम्भिक मैथिली” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (B) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (C) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल

२०१. “सिद्ध परम्परा” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमें कोन रूपमें बुझल जाएत?

- (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति
- (B) गायनयोग्य रूपमें विचारक प्रसार
- (C) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२०२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमें “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि
- (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (C) साधना-रहस्य के प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमें राखब
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमें “चर्या परम्परा” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

२०४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (B) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

२०५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमें कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) साधना
- (B) संकेत
- (C) सम्बन्ध
- (D) भाव

२०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

२०७. निम्नमें सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (B) सिद्ध परम्परा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) सिद्ध परम्परा — केवल रेल-यात्रा
- (D) मौखिकता — केवल खेल-कूद

२०८. “रहस्यवाद” के कालक्रममें राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

२०९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (B) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि
- (C) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२१०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (D) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात

२११. “सिद्ध परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (B) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२१२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (C) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा

२१४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (B) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

२१५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) प्रतीक
- (B) चर्या
- (C) सम्बन्ध
- (D) मौखिक

२१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

२१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) पूर्वी भाषिक संकेत — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) देशी बिम्ब — केवल रेल-यात्रा
- (C) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (D) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

२१८. “रहस्यवाद” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

२१९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (C) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (D) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि

२२०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (C) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक

२२१. “सिद्ध परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति
- (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा

२२२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (C) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

२२४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।

२२५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) प्रतीक
- (B) साधना
- (C) सम्बन्ध
- (D) चर्या

२२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल नाम-स्मरण

२२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (B) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (C) सांकेतिक भाषा — केवल रेल-यात्रा
- (D) लोकधुन — असम्बद्ध बाजार-दर

२२८. “रहस्यवाद” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

२२९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार
- (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (C) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२३०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (B) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (C) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (D) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल

२३१. “सिद्ध परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (B) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२३२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (B) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (C) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (D) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा

२३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

२३४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (C) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

२३५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) योग
- (B) बिम्ब
- (C) साधना
- (D) सम्बन्ध

२३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

२३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (B) चर्या परम्परा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (D) गुरु-शिष्य भाव — केवल रेल-यात्रा

२३८. “रहस्यवाद” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

२३९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (B) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (C) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२४०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (B) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (C) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (D) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब

२४१. “सिद्ध परम्परा” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) साधना-रहस्य के प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (B) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (C) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२४२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (B) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (C) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार

२४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

२४४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (B) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

२४५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) चर्या
- (B) सम्बन्ध
- (C) भाव
- (D) योग

२४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

२४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) देशी बिम्ब — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) लोकधुन — केवल रेल-यात्रा
- (C) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (D) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

२४८. “रहस्यवाद” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

२४९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (B) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (C) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२५०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (C) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (D) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण

२५१. “सिद्ध परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति
- (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (C) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक

२५२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (B) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (C) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (D) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार

२५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

२५४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (C) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

२५५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) चर्या
- (B) सम्बन्ध
- (C) बिम्ब
- (D) भाव

२५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

२५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) सिद्ध परम्परा — केवल रेल-यात्रा
- (B) पूर्वी भाषिक संकेत — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (D) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

२५८. “रहस्यवाद” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

२५९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (B) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (C) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि
- (D) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

२६०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (B) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र

२६१. “सिद्ध परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (B) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (C) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२६२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा

२६४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (B) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

२६५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) भाव
- (B) संकेत
- (C) साधना
- (D) सम्बन्ध

२६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

२६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) पूर्वी भाषिक संकेत — केवल रेल-यात्रा
- (B) नाथ परम्परा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (D) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

२६८. “रहस्यवाद” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

२६९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (B) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (C) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२७०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (C) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार

२७१. “सिद्ध परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (B) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (C) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२७२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि
- (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (C) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार

२७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

२७४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (B) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

२७५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) चर्या
- (B) मौखिक
- (C) सम्बन्ध
- (D) संकेत

२७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

२७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (B) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (C) पूर्वी भाषिक संकेत — केवल रेल-यात्रा
- (D) पूर्वी भाषिक संकेत — असम्बद्ध बाजार-दर

२७८. “रहस्यवाद” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

२७९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (C) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति

२८०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (C) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक

२८१. “सिद्ध परम्परा” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति
- (B) साधना-रहस्य के प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार

२८२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (B) साधना-रहस्य के प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (C) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक

२८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

२८४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- (B) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

२८५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) योग
- (B) सम्बन्ध
- (C) चर्या
- (D) बिम्ब

२८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

२८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) रहस्यवाद — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (C) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (D) चर्या परम्परा — केवल रेल-यात्रा

२८८. “रहस्यवाद” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

२८९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार
- (B) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (C) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

२९०. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (B) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत

२९१. “सिद्ध परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति
- (B) बाह्य कथा भीतरक साधना-अर्थ दिस संकेत करैत अछि
- (C) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार
- (D) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

२९२. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “नाथ परम्परा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (C) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (D) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब

२९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “चर्या परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

२९४. “सांकेतिक भाषा” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) सांकेतिक भाषा केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) सांकेतिक भाषाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) सांकेतिक भाषा केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।

२९५. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात “गुरु-शिष्य भाव” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) प्रतीक
- (B) सम्बन्ध
- (C) चर्या
- (D) भाव

२९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकधुन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

२९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा
- (B) लोकधुन — केवल रेल-यात्रा
- (C) मौखिकता — केवल खेल-कूद
- (D) लोकधुन — असम्बद्ध बाजार-दर

२९८. “रहस्यवाद” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

२९९. सिद्ध, नाथ, चर्या आ पूर्वी लोकभाषिक संकेतमे “देशी बिम्ब” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक
- (B) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (C) अनुभवक हस्तान्तरण आ मौखिक परम्परा
- (D) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

३००. “पूर्वी भाषिक संकेत” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (B) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (C) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक

s4

३०१. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (B) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (C) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास

३०२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (B) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

३०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

३०४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।

३०५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) विवाद
- (B) संस्कृत
- (C) मीमांसा
- (D) शिक्षा

३०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

३०७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (B) संस्कृत पाण्डित्य — केवल रेल-यात्रा
- (C) शास्त्रार्थ — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद

३०८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

३०९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (B) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

३१०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक
- (D) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति

३११. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (C) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

३१२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (B) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (C) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

३१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव

३१४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (C) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

३१५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) न्याय
- (B) विवाद
- (C) शिक्षा
- (D) विद्या-केंद्र

३१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

३१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद
- (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (C) तन्त्र-परम्परा — केवल रेल-यात्रा
- (D) मिथिला विद्या-केंद्र — असम्बद्ध बाजार-दर

३१८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

३१९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा
- (B) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र
- (C) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (D) राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान

३२०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) एहि प्रसंगसँ सीधा सम्बन्ध नहि
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

३२१. “न्याय-परम्परा” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (B) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (D) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क

३२२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (D) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा

३२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

३२४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (C) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

३२५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) विवाद
- (B) शिक्षा
- (C) विद्या-केंद्र
- (D) आचार

३२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल नाम-स्मरण

३२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद
- (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (C) न्याय-परम्परा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) शास्त्रार्थ — केवल रेल-यात्रा

३२८. “धर्मशास्त्र” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

३२९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास

३३०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (C) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (D) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द

३३१. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र

३३२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (B) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (C) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र
- (D) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन

३३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

३३४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (C) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

३३५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) शिक्षा
- (B) आचार
- (C) तन्त्र
- (D) विद्या-केंद्र

३३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

३३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद
- (B) मीमांसा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (D) पुराणक प्रसार — केवल रेल-यात्रा

३३८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

३३९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास

३४०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन

३४१. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (B) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास

३४२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

३४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

३४४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (B) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

३४५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) आचार
- (B) मीमांसा
- (C) कथा
- (D) शिक्षा

३४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

३४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) मिथिला विद्या-केंद्र — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद
- (C) पाठशाला — केवल रेल-यात्रा
- (D) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान

३४८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

३४९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (D) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र

३५०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

३५१. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (B) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (C) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (D) राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान

३५२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (B) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (D) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा

३५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

३५४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (C) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

३५५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) तन्त्र
- (B) आश्रय
- (C) शिक्षा
- (D) आचार

३५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

३५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) पाठशाला — केवल रेल-यात्रा
- (B) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद
- (C) संस्कृत पाण्डित्य — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान

३५८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

३५९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (D) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत

३६०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास

३६१. “न्याय-परम्परा” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (C) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

३६२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (B) राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

३६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

३६४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (D) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

३६५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) संस्कृत
- (B) कथा
- (C) शिक्षा
- (D) आश्रय

३६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

३६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद
- (B) धर्मशास्त्र — केवल रेल-यात्रा
- (C) न्याय-परम्परा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान

३६८. “धर्मशास्त्र” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

३६९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (B) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (C) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

३७०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (B) गायनयोग्य रूपमे विचारक प्रसार
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार

३७१. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (B) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (D) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र

३७२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र
- (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (C) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

३७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव

३७४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (B) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

३७५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) विवाद
- (B) संस्कृत
- (C) शिक्षा
- (D) मीमांसा

३७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल पन्ना-गिनती

३७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) मीमांसा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (C) पाठशाला — केवल रेल-यात्रा
- (D) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद

३७८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

३७९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास

३८०. “मिथिला विद्या-केन्द्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (B) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु

३८१. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (B) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (C) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र
- (D) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा

३८२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (D) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा

३८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

३८४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
- (D) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

३८५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) आश्रय
- (B) शिक्षा
- (C) संस्कृत
- (D) विद्या-केंद्र

३८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल नाम-स्मरण

३८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) मिथिला विद्या-केंद्र — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (C) मिथिला विद्या-केंद्र — केवल रेल-यात्रा
- (D) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद

३८८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

३८९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (B) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा
- (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (D) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत

३९०. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम
- (D) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा

३९१. “न्याय-परम्परा” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (B) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (D) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव

३९२. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “मीमांसा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (C) राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

३९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “तन्त्र-परम्परा” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

३९४. “संस्कृत पाण्डित्य” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) संस्कृत पाण्डित्य केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) संस्कृत पाण्डित्यक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) संस्कृत पाण्डित्य केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।

३९५. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “पाठशाला” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) आचार
- (B) न्याय
- (C) शिक्षा
- (D) तन्त्र

३९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “शास्त्रार्थ” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल पन्ना-गिनती

३९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) मिथिला विद्या-केंद्र — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान
- (C) विद्वानक आश्रय — केवल खेल-कूद
- (D) पाठशाला — केवल रेल-यात्रा

३९८. “धर्मशास्त्र” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

३९९. मिथिलाक पाण्डित्य, शास्त्र आ संस्कृत परम्परामे “पुराणक प्रसार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (C) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

४००. “मिथिला विद्या-केंद्र” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति
- (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (C) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

४०१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि
- (B) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

४०२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (B) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (C) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

४०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

४०४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) नगर-वर्णन साहित्यिक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (B) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

४०५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) पूर्वकाल
- (B) पात्र
- (C) नायिका
- (D) नगर

४०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

४०७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) कल्लोल — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) नायक-वर्णन — केवल रेल-यात्रा
- (C) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद
- (D) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल

४०८. “पुरातन मैथिली गद्य” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

४०९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (D) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग

४१०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (B) अपभ्रंश, अवहट्ठ, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (D) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क

४११. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (B) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि
- (D) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम

४१२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (B) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (C) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (D) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि

४१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

४१४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (B) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

४१५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) पात्र
- (B) शैली
- (C) पूर्वकाल
- (D) ग्रन्थ

४१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

४१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद
- (B) पुरातन मैथिली गद्य — केवल रेल-यात्रा
- (C) नायक-वर्णन — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल

४१८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

४१९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (B) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

४२०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

४२१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (B) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

४२२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (C) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (D) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण

४२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

४२४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (C) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

४२५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) समाज
- (B) पात्र
- (C) शैली
- (D) विन्यास

४२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

४२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद
- (B) वर्णरत्नाकर — केवल रेल-यात्रा
- (C) विद्यापति-पूर्व महत्त्व — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल

४२८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

४२९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (D) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री

४३०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल
- (B) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (C) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (D) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार

४३१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि

४३२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (C) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (D) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक

४३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

४३४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू! (34)

- (A) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (D) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

४३५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) शैली
- (B) पात्र
- (C) गद्य
- (D) ज्योतिरीश्वर

४३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

४३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) नगर-वर्णन — केवल रेल-यात्रा
- (B) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद
- (C) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (D) वर्णरत्नाकर — असम्बद्ध बाजार-दर

४३८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

४३९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (B) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (C) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (D) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र

४४०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (D) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र

४४१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि
- (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (C) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (D) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति

४४२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (C) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (D) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि

४४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

४४४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।

४४५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) पात्र
- (B) ग्रन्थ
- (C) पूर्वकाल
- (D) समाज

४४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

४४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) नायक-वर्णन — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — केवल रेल-यात्रा
- (D) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद

४४८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

४४९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि
- (D) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति

४५०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (D) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल

४५१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (D) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम

४५२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (B) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (C) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (D) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि

४५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

४५४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (C) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

४५५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) शैली
- (B) पात्र
- (C) समाज
- (D) ज्योतिरीश्वर

४५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

४५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) समाज-दस्तावेज — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद
- (C) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (D) नगर-वर्णन — केवल रेल-यात्रा

४५८. “पुरातन मैथिली गद्य” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब

४५९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी कें कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (D) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम

४६०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा
- (C) साधना-रहस्य कें प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत

४६१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (B) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (D) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक

४६२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (C) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (D) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम

४६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

४६४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (D) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

४६५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) पात्र
- (B) ग्रन्थ
- (C) पूर्वकाल
- (D) गद्य

४६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

४६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) नगर-वर्णन — केवल रेल-यात्रा
- (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) समाज-दस्तावेज — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद

४६८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

४६९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

४७०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (B) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (D) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति

४७१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (C) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (D) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक

४७२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि
- (C) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (D) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति

४७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग

४७४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।

४७५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) पात्र
- (B) गद्य
- (C) समाज
- (D) ग्रन्थ

४७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल पन्ना-गिनती

४७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) नायक-वर्णन — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) नायिका-वर्णन — केवल रेल-यात्रा
- (D) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद

४७८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) लोकधारारकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

४७९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री

४८०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (D) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

४८१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

४८२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (C) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि
- (D) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल

४८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

४८४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) नगर-वर्णन साहित्यिक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (C) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

४८५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) शैली
- (B) पात्र
- (C) विन्यास
- (D) ग्रन्थ

४८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

४८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद
- (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (C) कल्लोल — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — केवल रेल-यात्रा

४८८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

४८९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

४९०. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (C) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार

४९१. “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (B) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (D) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि

४९२. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “वर्णरत्नाकर” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (C) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (D) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र

४९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कल्लोल” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

४९४. “नगर-वर्णन” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) नगर-वर्णनक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) नगर-वर्णन केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
- (D) नगर-वर्णन केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

४९५. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरक अध्ययनमे कोन बात “नायक-वर्णन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) नायिका
- (B) पात्र
- (C) विन्यास
- (D) समाज

४९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “नायिका-वर्णन” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

४९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (B) नगर-वर्णन — केवल रेल-यात्रा
- (C) वर्णन-कला — केवल खेल-कूद
- (D) विद्यापति-पूर्व महत्त्व — असम्बद्ध बाजार-दर

४९८. “पुरातन मैथिली गद्य” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

४९९. ज्योतिरीश्वर ठाकुर आ वर्णरत्नाकरमे “समाज-दस्तावेज” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (C) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (D) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग

५००. “विद्यापति-पूर्व महत्त्व” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (C) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक
- (D) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत

s6

५०१. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) पढ़ैत समय आँखिक आगाँ चित्र बनब

५०२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (B) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल
- (C) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (D) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब

५०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

५०४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (C) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

५०५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) शब्द
- (B) अर्थ
- (C) अलंकार
- (D) एहि प्रसंगसँ सीधा सम्बन्ध नहि

५०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

५०७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (B) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) शब्द-सम्पदा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) रूपक — केवल रेल-यात्रा

५०८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

५०९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (B) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (C) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (D) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब

५१०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात

५११. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (C) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (D) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल

५१२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) पढ़ैत समय आँखिक आगाँ चित्र बनब
- (B) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (D) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल

५१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

५१४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (B) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

५१५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) लोक
- (B) शब्द
- (C) अलंकार
- (D) एहि प्रसंगसँ सीधा सम्बन्ध नहि

५१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

५१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (B) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (C) सूची-वर्णन — केवल रेल-यात्रा
- (D) लोकवस्तु — असम्बद्ध बाजार-दर

५१८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

५१९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (B) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (C) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग

५२०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (B) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (C) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

५२१. “सूची-वर्णन” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (B) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (C) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल
- (D) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात

५२२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग

५२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

५२४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (D) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

५२५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) अर्थ
- (B) अलंकार
- (C) शैली
- (D) शब्द

५२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

५२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (B) दृश्यात्मकता — केवल रेल-यात्रा
- (C) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (D) सूची-वर्णन — असम्बद्ध बाजार-दर

५२८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

५२९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल
- (B) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग

५३०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान

५३१. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (B) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (C) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल
- (D) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब

५३२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (C) पढ़ैत समय आँखिक आगाँ चित्र बनब
- (D) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात

५३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

५३४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (D) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

५३५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) अलंकार
- (B) दृश्य
- (C) रस
- (D) शब्द

५३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

५३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (B) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) दृश्यात्मकता — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) उपमा — केवल रेल-यात्रा

५३८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

५३९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

५४०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (C) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप
- (D) एहि प्रसंगसँ सीधा सम्बन्ध नहि

५४१. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पढ़ैत समय आँखिक आगाँ चित्र बनब
- (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (C) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (D) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब

५४२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (C) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (D) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल

५४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

५४४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (D) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

५४५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) रस
- (B) अलंकार
- (C) शब्द
- (D) दृश्य

५४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल पन्ना-गिनती

५४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) वाक्य-विन्यास — केवल रेल-यात्रा
- (B) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (D) लोकवस्तु — असम्बद्ध बाजार-दर

५४८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

५४९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (B) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (D) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन

५५०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा

५५१. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) पढ़ैत समय आँखिक आगाँ चित्र बनब
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन

५५२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (C) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (D) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब

५५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

५५४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (C) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

५५५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) रस
- (B) अलंकार
- (C) लोक
- (D) शब्द

५५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

५५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (B) दृश्यात्मकता — केवल रेल-यात्रा
- (C) शब्द-सम्पदा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद

५५८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

५५९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (B) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (C) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

५६०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) ग्रन्थक खण्ड वा तरंग-सदृश विभाग
- (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (C) विचारक सार्वजनिक परीक्षा आ तर्क-वितर्क
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

५६१. “सूची-वर्णन” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल
- (C) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

५६२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (D) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन

५६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग

५६४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (D) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

५६५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) अलंकार
- (B) एहि प्रसंगसँ सीधा सम्बन्ध नहि
- (C) अर्थ
- (D) शब्द

५६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

५६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) वाक्य-विन्यास — केवल रेल-यात्रा
- (B) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (C) गद्यक सौन्दर्य — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन

५६८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

५६९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल

५७०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (B) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (C) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (D) छन्द-मुक्त वर्णनात्मक भाषा रूप

५७१. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब

५७२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति

५७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

५७४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (B) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

५७५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) शैली
- (B) गद्य
- (C) रस
- (D) शब्द

५७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

५७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (B) गद्यक सौन्दर्य — केवल रेल-यात्रा
- (C) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (D) उपमा — असम्बद्ध बाजार-दर

५७८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

५७९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (B) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल
- (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग

५८०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (B) पोथीक अन्तक सूचना
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार

५८१. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

५८२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) पढ़ैत समय आँखिक आगाँ चित्र बनब
- (B) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

५८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग

५८४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
- (B) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

५८५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) लोक
- (B) शब्द
- (C) अलंकार
- (D) शैली

५८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

५८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (B) वाक्य-विन्यास — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) रूपक — केवल रेल-यात्रा
- (D) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद

५८८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

५८९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (C) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग

५९०. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण
- (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (C) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल
- (D) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया

५९१. “सूची-वर्णन” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (B) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल
- (C) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (D) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति

५९२. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “उपमा” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (B) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (D) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब

५९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “रूपक” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

५९४. “दृश्यात्मकता” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) दृश्यात्मकताक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) दृश्यात्मकता केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) दृश्यात्मकता केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।

५९५. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदाक अध्ययनमे कोन बात “शब्द-सम्पदा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) वाक्य
- (B) शब्द
- (C) शैली
- (D) अलंकार

५९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “वाक्य-विन्यास” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

५९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) रस-दृष्टि — केवल खेल-कूद
- (B) उपमा — केवल रेल-यात्रा
- (C) सूची-वर्णन — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन

५९८. “लोकवस्तु” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

५९९. आरम्भिक गद्य, वर्णन-शैली आ शब्द-सम्पदामे “अभिधा-लक्षणा” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) संस्कृत, तद्भव, देशज आ लोकशब्दक मेल

६००. “गद्यक सौन्दर्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (B) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (C) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब

६०१. “संस्कार-गीत” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (C) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत

६०२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (B) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (C) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत

६०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

६०४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (B) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

६०५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) कथा
- (B) पर्व
- (C) विवाह
- (D) कहावत

६०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल पन्ना-गिनती

६०७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) लोककथा — केवल रेल-यात्रा
- (B) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (C) कहावत — केवल खेल-कूद
- (D) संस्कार-गीत — असम्बद्ध बाजार-दर

६०८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

६०९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (B) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान

६१०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (C) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (D) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब

६११. “संस्कार-गीत” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (C) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान

६१२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (C) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (D) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान

६१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

६१४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (D) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

६१५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) पहेली
- (B) कथा
- (C) गाथा
- (D) विवाह

६१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

६१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) पर्व-गीत — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (C) कहावत — केवल खेल-कूद
- (D) लोकनाट्य — केवल रेल-यात्रा

६१८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

६१९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान

६२०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (B) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (C) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग

६२१. “संस्कार-गीत” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (C) अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत

६२२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (C) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत

६२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

६२४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (D) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

६२५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) पहेली
- (B) गीत
- (C) श्रम
- (D) कथा

६२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

६२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) श्रमगीत — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) कहावत — केवल खेल-कूद
- (C) पहेली — केवल रेल-यात्रा
- (D) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य

६२८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

६२९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (C) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान

६३०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि
- (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग

६३१. “संस्कार-गीत” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (B) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (C) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (D) अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य

६३२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत

६३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

६३४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (C) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

६३५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) गाथा
- (B) विवाह
- (C) कहावत
- (D) कथा

६३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

६३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) पहेली — केवल रेल-यात्रा
- (B) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (C) कहावत — केवल खेल-कूद
- (D) विवाह-गीत — असम्बद्ध बाजार-दर

६३८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

६३९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (C) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (D) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला

६४०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) साधना-रहस्य केँ प्रतीक, उलटबाँसी आ रूपकमे राखब
- (B) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (C) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास

६४१. “संस्कार-गीत” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (C) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (D) अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य

६४२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (B) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (C) अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (D) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन

६४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन

६४४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) श्रमगीत कामक बोझ कें लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (D) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

६४५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) पहेली
- (B) कहावत
- (C) गीत
- (D) कथा

६४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

६४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) श्रमगीत — केवल रेल-यात्रा
- (B) कहावत — केवल खेल-कूद
- (C) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (D) कथावाचन — असम्बद्ध बाजार-दर

६४८. “पहेली” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब

६४९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (B) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (C) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान

६५०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा

६५१. “संस्कार-गीत” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (B) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (C) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग

६५२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (B) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत

६५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

६५४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (D) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

६५५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) कथन
- (B) कथा
- (C) विवाह
- (D) नाट्य

६५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

६५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) पर्व-गीत — केवल रेल-यात्रा
- (B) संस्कार-गीत — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) कहावत — केवल खेल-कूद
- (D) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य

६५८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

६५९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (D) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन

६६०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति
- (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब
- (D) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल

६६१. “संस्कार-गीत” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (B) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (C) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान

६६२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत

६६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन

६६४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।

६६५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) कथा
- (B) गीत
- (C) विवाह
- (D) कथन

६६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

६६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (B) पर्व-गीत — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) कथावाचन — केवल रेल-यात्रा
- (D) कहावत — केवल खेल-कूद

६६८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

६६९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (D) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला

६७०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) अपभ्रंश, अवहट्ठ, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (B) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग

६७१. “संस्कार-गीत” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत

६७२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (B) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (C) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (D) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला

६७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

६७४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (B) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

६७५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) गाथा
- (B) पहेली
- (C) गीत
- (D) कथा

६७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

६७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) कहावत — केवल खेल-कूद
- (B) पहेली — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (D) कथावाचन — केवल रेल-यात्रा

६७८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

६७९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (B) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला

६८०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब
- (D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास

६८१. “संस्कार-गीत” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान
- (B) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (C) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत

६८२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (C) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान

६८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन

६८४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) श्रमगीत कामक बोझ कें लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (C) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

६८५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) पहेली
- (B) नाट्य
- (C) श्रम
- (D) कथा

६८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

६८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) लोकगाथा — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) कहावत — केवल खेल-कूद
- (C) कथावाचन — केवल रेल-यात्रा
- (D) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य

६८८. “पहेली” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब
- (B) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

६८९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (C) अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (D) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत

६९०. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (C) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

६९१. “संस्कार-गीत” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (B) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत
- (C) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत

६९२. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “विवाह-गीत” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (C) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत
- (D) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत

६९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पर्व-गीत” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन

६९४. “श्रमगीत” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) श्रमगीत केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) श्रमगीतक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
- (D) श्रमगीत केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

६९५. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्पराक अध्ययनमे कोन बात “लोककथा” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) कथा
- (B) पर्व
- (C) कथन
- (D) गीत

६९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “लोकगाथा” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

६९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) कहावत — केवल खेल-कूद
- (B) कथावाचन — केवल रेल-यात्रा
- (C) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य
- (D) विवाह-गीत — असम्बद्ध बाजार-दर

६९८. “पहेली” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

६९९. लोकसाहित्य, गीत, कथा आ संस्कार-परम्परामे “कथावाचन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (B) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (D) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल

७००. “लोकनाट्य” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (B) रहस्यात्मक पद आ सांकेतिक भाषा
- (C) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब
- (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग

s8

७०१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (B) हाथसँ लिखल पोथी
- (C) पोथीक अन्तक सूचना
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

७०२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) पोथीक अन्तक सूचना
- (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (C) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) हाथसँ लिखल पोथी

७०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

७०४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (D) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

७०५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) लिपिकर
- (B) सूचना
- (C) पञ्जी
- (D) पाठ

७०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

७०७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) अभिलेख — केवल खेल-कूद
- (B) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) पञ्जी — केवल रेल-यात्रा
- (D) नकलकर्ता — असम्बद्ध बाजार-दर

७०८. “नकलकर्ता” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

७०९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) पोथीक अन्तक सूचना
- (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (C) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

७१०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) बुद्धि-परीक्षा आ भाषा-खेल
- (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया

७११. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (B) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) पोथीक अन्तक सूचना
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

७१२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (C) पोथीक अन्तक सूचना
- (D) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति

७१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

७१४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (C) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

७१५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) सूचना
- (B) पाठ
- (C) प्रमाण
- (D) संग्रह

७१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

७१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) पञ्जी — केवल रेल-यात्रा
- (B) अभिलेख — केवल खेल-कूद
- (C) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) पञ्जी — असम्बद्ध बाजार-दर

७१८. “नकलकर्ता” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

७१९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (B) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (C) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (D) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया

७२०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (B) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (C) हाथसँ लिखल पोथी
- (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र

७२१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पोथीक अन्तक सूचना
- (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (C) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

७२२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (B) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (C) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (D) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति

७२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) हाथसँ लिखल पोथी

७२४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (D) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

७२५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) पञ्जी
- (B) लिपि
- (C) सूचना
- (D) लिपि-परिवर्तन

७२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

७२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (B) नकलकर्ता — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) अभिलेखन — केवल रेल-यात्रा
- (D) अभिलेख — केवल खेल-कूद

७२८. “नकलकर्ता” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

७२९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (B) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (C) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (D) पोथीक अन्तक सूचना

७३०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (B) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा
- (C) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (D) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा

७३१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (C) हाथसँ लिखल पोथी
- (D) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति

७३२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (C) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा

७३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

७३४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।

७३५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) लिपि
- (B) सूचना
- (C) लिपि-परिवर्तन
- (D) पोथी

७३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

७३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) सम्पादन — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) अभिलेख — केवल खेल-कूद
- (D) अभिलेखन — केवल रेल-यात्रा

७३८. “नकलकर्ता” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

७३९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (B) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति

७४०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (B) भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन
- (C) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप

७४१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (B) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (C) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

७४२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (B) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (D) हाथसँ लिखल पोथी

७४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) हाथसँ लिखल पोथी
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

७४४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।

७४५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) पञ्जी
- (B) सूचना
- (C) पोथी
- (D) प्रमाण

७४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

७४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) पञ्जी — केवल रेल-यात्रा
- (B) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) देवनागरीक आधुनिक प्रसार — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) अभिलेख — केवल खेल-कूद

७४८. “नकलकर्ता” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

७४९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (B) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (C) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

७५०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (B) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) मगही, मैथिली, बाङ्ला, असमिया, उड़िया आदि संग साझा प्राचीन धरातल

७५१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (C) पोथीक अन्तक सूचना
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

७५२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (B) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

७५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) हाथसँ लिखल पोथी
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

७५४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (C) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

७५५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) सूचना
- (B) संग्रह
- (C) लिपि
- (D) प्रमाण

७५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

७५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (B) पाण्डुलिपि — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) अभिलेख — केवल खेल-कूद
- (D) पञ्जी — केवल रेल-यात्रा

७५८. “नकलकर्ता” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

७५९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (B) पोथीक अन्तक सूचना
- (C) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति

७६०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (B) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार

७६१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (B) सामग्री के सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (C) पोथीक अन्तक सूचना
- (D) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति

७६२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (C) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (D) सामग्री के सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया

७६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

७६४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (C) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

७६५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) पोथी
- (B) सूचना
- (C) पाठ
- (D) लिपि-परिवर्तन

७६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

७६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) देवनागरीक आधुनिक प्रसार — केवल रेल-यात्रा
- (B) तिरहुता/मिथिलाक्षर — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) अभिलेख — केवल खेल-कूद

७६८. “नकलकर्ता” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

७६९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (B) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (D) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग

७७०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग
- (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) संस्कृतसँ कम परिवर्तन सहित आयल शब्द

७७१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (B) पोथीक अन्तक सूचना
- (C) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (D) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति

७७२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (B) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (C) हाथसँ लिखल पोथी
- (D) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग

७७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

७७४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (B) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

७७५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) सूचना
- (B) लिपि
- (C) संग्रह
- (D) सम्पादन

७७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

७७७. निम्नमें सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) पञ्जी — केवल रेल-यात्रा
- (B) अभिलेख — केवल खेल-कूद
- (C) नकलकर्ता — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण

७७८. “नकलकर्ता” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

७७९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी कें कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (C) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (D) सामग्री कें सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया

७८०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) शास्त्र, काव्य, दर्शन आ विधिक उच्च लेखन-भाषा
- (B) सामग्री कें सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास
- (D) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति

७८१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (B) पोथीक अन्तक सूचना
- (C) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि
- (D) हाथसँ लिखल पोथी

७८२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (B) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

७८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) हाथसँ लिखल पोथी
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

७८४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (B) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

७८५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) सूचना
- (B) संग्रह
- (C) पोथी
- (D) प्रमाण

७८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

७८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) कोलाफोन — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) सम्पादन — केवल रेल-यात्रा
- (C) अभिलेख — केवल खेल-कूद
- (D) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण

७८८. “नकलकर्ता” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

७८९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) हाथसँ लिखल पोथी
- (B) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (C) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

७९०. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन
- (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग
- (C) पुरान शैलीक क्रम, विस्तार आ बलाघात
- (D) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया

७९१. “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल
- (B) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

७९२. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “देवनागरीक आधुनिक प्रसार” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग
- (C) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

७९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “पाण्डुलिपि” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) हाथसँ लिखल पोथी
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

७९४. “पाठभेद” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
- (B) पाठभेदक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) पाठभेद केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पाठभेद केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

७९५. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखक अध्ययनमे कोन बात “कोलाफोन” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) सूचना
- (B) लिपि
- (C) प्रमाण
- (D) सम्पादन

७९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “पञ्जी” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

७९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) नकलकर्ता — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) देवनागरीक आधुनिक प्रसार — केवल रेल-यात्रा
- (C) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (D) अभिलेख — केवल खेल-कूद

७९८. “नकलकर्ता” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

७९९. लिपि, पाण्डुलिपि, पञ्जी आ अभिलेखमे “सम्पादन” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण
- (B) नकल-दर-नकल बदलल शब्द वा पंक्ति
- (C) पोथी उतारि सुरक्षित रखनिहार व्यक्ति
- (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल

८००. “अभिलेखन” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्टसँ आरम्भिक मैथिली धरि क्रमिक विकास
- (B) वंश, सम्बन्ध आ सामाजिक अभिलेखक परम्परा
- (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया
- (D) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान

८०१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमें कोन रूपमें बुझल जाएत?

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (D) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल

८०२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमें “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार

८०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमें “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना

८०४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) पुरान वर्णनमें पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।

८०५. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिक अध्ययनमें कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) धर्म
- (B) राजनीति
- (C) संस्कार
- (D) स्त्री

८०६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (6)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

८०७. निम्नमें सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) स्त्री-स्वर — केवल रेल-यात्रा
- (B) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद
- (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) त्योहार आ संस्कार — असम्बद्ध बाजार-दर

८०८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममें राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

८०९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (C) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (D) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व

८१०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (B) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (C) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (D) लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा

८११. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (B) धान, गहुँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (C) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (D) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व

८१२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (B) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (C) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (D) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल

८१३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) धान, गहुँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

८१४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

८१५. समाज, धर्म, अर्थ आ सांस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) संस्कार
- (B) स्त्री
- (C) मेल
- (D) राजनीति

८१६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (16)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

८१७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) कृषि-अर्थव्यवस्था — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) ग्रामजीवन — केवल रेल-यात्रा
- (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद

८१८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

८१९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (C) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (D) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार

८२०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (B) सौन्दर्य, भाव, शृङ्गार आ समाजक स्त्री-दृष्टि
- (C) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (D) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग

८२१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (C) धान, गहुँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (D) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल

८२२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (B) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (D) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण

८२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) धान, गहुँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

८२४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (B) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

८२५. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) स्त्री
- (B) उपासना
- (C) मेल
- (D) धर्म

८२६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (26)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

८२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद
- (B) जाति-पेशा संरचना — केवल रेल-यात्रा
- (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) त्योहार आ संस्कार — असम्बद्ध बाजार-दर

८२८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

८२९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (B) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (C) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व

८३०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) शास्त्रार्थ, न्याय, मीमांसा, तन्त्र आ पाण्डित्यक वातावरण
- (B) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (C) राजाश्रय, विद्वान-सम्मेलन आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक केन्द्र
- (D) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार

८३१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (B) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (C) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (D) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व

८३२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (C) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (D) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन

८३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) धान, गहुँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

८३४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

८३५. समाज, धर्म, अर्थ आ सांस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) संस्कार
- (B) मेल
- (C) उपासना
- (D) स्त्री

८३६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (36)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

८३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) जाति-पेशा संरचना — केवल रेल-यात्रा
- (B) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद
- (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि — असम्बद्ध बाजार-दर

८३८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

८३९. समाज, धर्म, अर्थ आ सांस्कृतिकमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (C) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (D) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल

८४०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (C) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति
- (D) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव

८४१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” के पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (B) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (C) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (D) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार

८४२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (B) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (D) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार

८४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” के कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना

८४४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

८४५. समाज, धर्म, अर्थ आ सांस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) समाज
- (B) राजनीति
- (C) धर्म
- (D) स्त्री

८४६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (46)

- (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (B) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

८४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) त्योहार आ संस्कार — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद
- (D) भक्ति-भाव — केवल रेल-यात्रा

८४८. “नगर आ बाजार” के कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

८४९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (C) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व

८५०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (C) रोपनी, कटनी, पीसनी, चरवाहा वा नाव-सम्बन्धी सामूहिक गीत
- (D) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु

८५१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (C) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (D) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार

८५२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (D) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना

८५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

८५४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

८५५. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) धर्म
- (B) स्त्री
- (C) उपासना
- (D) मेल

८५६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (56)

- (A) केवल पन्ना-गिनती
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची

८५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) भक्ति-भाव — केवल रेल-यात्रा
- (B) त्योहार आ संस्कार — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद
- (D) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व

८५८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

८५९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (B) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (C) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (D) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल

८६०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (C) पुरान रूपसँ नव उच्चारण आ शब्दरूप बनबाक प्रक्रिया
- (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व

८६१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व

८६२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व

८६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना

८६४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (C) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

८६५. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) राजनीति
- (B) मेल
- (C) गाम
- (D) स्त्री

८६६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (66)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) केवल पन्ना-गिनती

८६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) ज्ञान आ लोकक मेल — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि — केवल रेल-यात्रा
- (D) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद

८६८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

८६९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (C) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व

८७०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल
- (C) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (D) कपड़ा, गहना, घर, बाजार, पेशा, भोजन आ रीति

८७१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (B) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (C) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (D) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन

८७२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (D) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना

८७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना

८७४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (B) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

८७५. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) नगर
- (B) स्त्री
- (C) संस्कार
- (D) गाम

८७६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (76)

- (A) केवल नाम-स्मरण
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि

८७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद
- (C) ग्रामजीवन — केवल रेल-यात्रा
- (D) ज्ञान आ लोकक मेल — असम्बद्ध बाजार-दर

८७८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

८७९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व

८८०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) जे पाठ, पोथी, उद्धरण वा वर्णन उपलब्ध अछि, तकर सावधान अध्ययन
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार

८८१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” के पूर्व विद्यापति साहित्यिक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (D) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल

८८२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (B) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (D) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार

८८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

८८४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।

८८५. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) गाम
- (B) मेल
- (C) स्त्री
- (D) अर्थ

८८६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (86)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (C) केवल पन्ना-गिनती
- (D) केवल नाम-स्मरण

८८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) नगर आ बाजार — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद
- (D) कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि — केवल रेल-यात्रा

८८८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

८८९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (B) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (C) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (D) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति

८९०. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (C) ऋतु, देवता, व्रत आ सामुदायिक उत्सवक गायन
- (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा

८९१. “कर्णाट-कालीन पृष्ठभूमि” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (D) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति

८९२. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “ग्रामजीवन” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) गीत, संस्कार, लोककथा आ गृहजीवनमे स्त्रीक सक्रिय उपस्थिति
- (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन
- (C) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (D) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय

८९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “कृषि-अर्थव्यवस्था” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) धान, गहूँ, मखान, बारी आ श्रमक जीवन-संरचना

८९४. “जाति-पेशा संरचना” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) जाति-पेशा संरचनाक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
- (C) जाति-पेशा संरचना केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) जाति-पेशा संरचना केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

८९५. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिक अध्ययनमे कोन बात “स्त्री-स्वर” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) नगर
- (B) स्त्री
- (C) मेल
- (D) उपासना

८९६. पूर्व विद्यापति साहित्य बुझबा लेल “भक्ति-भाव” क संग कोन दृष्टि जोड़ब उचित अछि? (96)

- (A) केवल आधुनिक पुरस्कार-सूची
- (B) केवल पन्ना-गिनती
- (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

८९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) जाति-पेशा संरचना — केवल रेल-यात्रा
- (C) भक्ति-भाव — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — केवल खेल-कूद

८९८. “नगर आ बाजार” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

८९९. समाज, धर्म, अर्थ आ संस्कृतिमे “त्योहार आ संस्कार” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व
- (B) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार
- (C) व्यापार, शिल्प, पेशा, वस्तु आ सांस्कृतिक मेल
- (D) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार

९००. “ज्ञान आ लोकक मेल” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व
- (B) आकृति, स्वभाव, शृङ्गार आ पात्र-दृष्टिक सामग्री
- (C) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र
- (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक

s10

९०१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (C) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब
- (D) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा

९०२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (2)

- (A) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब
- (B) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (C) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र

९०३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

९०४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (4)

- (A) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।

१०५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (5)

- (A) पद
- (B) विधा
- (C) ग्रन्थ
- (D) निष्कर्ष

१०६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू! (1)

- (A) विद्यापति पदावली → ज्योतिरीश्वर-गद्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → संस्कृत पाण्डित्य
- (B) ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली → संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल
- (C) संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली
- (D) अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → संस्कृत पाण्डित्य → विद्यापति पदावली → ज्योतिरीश्वर-गद्य

१०७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (7)

- (A) भाषा-मान — केवल रेल-यात्रा
- (B) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (C) भाषा-मान — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब

१०८. “ग्रन्थ-पहिचान” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (8)

- (A) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

१०९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी कें कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (9)

- (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब
- (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (C) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (D) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार

११०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (10)

- (A) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (C) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब

१११. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (B) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (D) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकें सावधानीसँ पढ़ब

११२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (12)

- (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (B) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकें सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (C) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र

११३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

११४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (14)

- (A) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) विद्यापति-पूर्व साहित्यिक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

११५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (15)

- (A) भाषा
- (B) विधा
- (C) तुलना
- (D) निष्कर्ष

११६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (2)

- (A) वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग → लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत
- (B) लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत → वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग
- (C) विद्यापति युग → वर्णरत्नाकर → आरम्भिक मैथिली संकेत → लोकगीत-मौखिकता
- (D) आरम्भिक मैथिली संकेत → लोकगीत-मौखिकता → विद्यापति युग → वर्णरत्नाकर

११७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (17)

- (A) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (B) मुख्य निष्कर्ष — केवल रेल-यात्रा
- (C) स्रोत-परीक्षण — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब

११८. “ग्रन्थ-पहिचान” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (18)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

११९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (19)

- (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (C) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (D) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु

१२०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (20)

- (A) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार
- (B) देवता, व्रत, पूजा, कथा आ गीतक भाव-संसार
- (C) एहि प्रसंगसँ सीधा सम्बन्ध नहि
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब

१२१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (C) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब

१२२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (22)

- (A) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (C) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब

१२३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा

१२४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (24)

- (A) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (D) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।

१२५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (25)

- (A) सेतु
- (B) निष्कर्ष
- (C) विधा
- (D) परीक्षा

१२६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (3)

- (A) अवहट्ट → पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष → पुरातन मैथिली गद्य
- (B) पुरातन मैथिली गद्य → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष → पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → अवहट्ट
- (C) मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष → पुरातन मैथिली गद्य → अवहट्ट → पूर्वी आर्य भाषिक धरातल
- (D) पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → अवहट्ट → पुरातन मैथिली गद्य → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष

१२७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (27)

- (A) भाषा-मान — असम्बद्ध बाजार-दर
- (B) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (D) मुख्य निष्कर्ष — केवल रेल-यात्रा

१२८. “ग्रन्थ-पहिचान” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (28)

- (A) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब

९२९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (29)

- (A) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब
- (B) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (C) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र

९३०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (30)

- (A) सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल
- (B) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (C) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि

९३१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (C) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (D) अपभ्रंश, अवहट्ठ, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब

९३२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (32)

- (A) अपभ्रंश, अवहट्ठ, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (B) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (C) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब
- (D) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार

९३३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा

९३४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (34)

- (A) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (C) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
- (D) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।

९३५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (35)

- (A) पद
- (B) भाषा
- (C) विधा
- (D) परीक्षा

९३६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (4)

- (A) वर्णनात्मक गद्य → मिथिला विद्या-परम्परा → विद्यापति → भक्ति-गीतक तैयारी
- (B) विद्यापति → भक्ति-गीतक तैयारी → वर्णनात्मक गद्य → मिथिला विद्या-परम्परा
- (C) मिथिला विद्या-परम्परा → वर्णनात्मक गद्य → भक्ति-गीतक तैयारी → विद्यापति
- (D) भक्ति-गीतक तैयारी → विद्यापति → मिथिला विद्या-परम्परा → वर्णनात्मक गद्य

९३७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (37)

- (A) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (B) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) स्रोत-परीक्षण — केवल रेल-यात्रा
- (D) पुनरावृत्ति-दृष्टि — असम्बद्ध बाजार-दर

९३८. “ग्रन्थ-पहिचान” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (38)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब

९३९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी कें कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (39)

- (A) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकें सावधानीसँ पढ़ब
- (B) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (C) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (D) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा

९४०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (40)

- (A) लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता
- (B) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब

९४१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकें सावधानीसँ पढ़ब
- (C) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (D) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब

९४२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (42)

- (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (B) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकें सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (C) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (D) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार

९४३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

९४४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (44)

- (A) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

१४५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (45)

- (A) संक्रमण
- (B) परीक्षा
- (C) विधा
- (D) अभ्यास

१४६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (5)

- (A) ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली → संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल
- (B) संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली
- (C) अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → संस्कृत पाण्डित्य → विद्यापति पदावली → ज्योतिरीश्वर-गद्य
- (D) विद्यापति पदावली → ज्योतिरीश्वर-गद्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → संस्कृत पाण्डित्य

१४७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (47)

- (A) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (B) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (C) भाषा-मान — असम्बद्ध बाजार-दर
- (D) पदावलीक पृष्ठभूमि — केवल रेल-यात्रा

१४८. “ग्रन्थ-पहिचान” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (48)

- (A) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब
- (B) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब

१४९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी कें कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (49)

- (A) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकें सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (B) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब
- (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र

१५०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (50)

- (A) देवी-उपासना, मंत्र, यंत्र आ आचारक सांस्कृतिक प्रभाव
- (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द
- (C) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब

१५१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (B) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकें सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (C) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब
- (D) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय

१५२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (52)

- (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (B) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकें सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (C) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकें सावधानीसँ पढ़ब
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब

९५३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग

९५४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (54)

- (A) विद्यापति-पूर्व साहित्यिक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

९५५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (55)

- (A) सेतु
- (B) संक्रमण
- (C) निष्कर्ष
- (D) विधा

९५६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (6)

- (A) विद्यापति युग → वर्णरत्नाकर → आरम्भिक मैथिली संकेत → लोकगीत-मौखिकता
- (B) आरम्भिक मैथिली संकेत → लोकगीत-मौखिकता → विद्यापति युग → वर्णरत्नाकर
- (C) लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत → वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग
- (D) वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग → लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत

९५७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (57)

- (A) ग्रन्थ-पहिचान — केवल रेल-यात्रा
- (B) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (C) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ठ, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (D) लोकसँ शास्त्र धरि — असम्बद्ध बाजार-दर

९५८. “ग्रन्थ-पहिचान” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (58)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

९५९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (59)

- (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (B) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (C) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (D) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार

९६०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (60)

- (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (B) आचार, विधि, संस्कार आ सामाजिक नियमक विवेचन
- (C) विद्या-संस्कार आ शास्त्र-शिक्षाक केन्द्र
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

९६१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (C) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब
- (D) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब

९६२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (62)

- (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (C) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (D) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब

९६३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” कें कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (B) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (C) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

९६४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (64)

- (A) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।

९६५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (65)

- (A) विधा
- (B) परीक्षा
- (C) पद
- (D) सेतु

९६६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (7)

- (A) पुरातन मैथिली गद्य → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष → पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → अवहट्ट
- (B) मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष → पुरातन मैथिली गद्य → अवहट्ट → पूर्वी आर्य भाषिक धरातल
- (C) अवहट्ट → पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष → पुरातन मैथिली गद्य
- (D) पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → अवहट्ट → पुरातन मैथिली गद्य → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष

९६७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (67)

- (A) मुख्य निष्कर्ष — केवल रेल-यात्रा
- (B) मुख्य निष्कर्ष — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (D) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद

९६८. “ग्रन्थ-पहिचान” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (68)

- (A) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

९६९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (69)

- (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (B) अपभ्रंश, अवहट्ठ, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (D) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा

९७०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (70)

- (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (B) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा
- (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब
- (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम

९७१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (B) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब
- (C) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (D) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय

९७२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (72)

- (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (B) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (C) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (D) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा

९७३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

९७४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (74)

- (A) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (C) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
- (D) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

९७५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (75)

- (A) अभ्यास
- (B) विद्या
- (C) निष्कर्ष
- (D) संक्रमण

९७६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (8)

- (A) भक्ति-गीतक तैयारी → विद्यापति → मिथिला विद्या-परम्परा → वर्णनात्मक गद्य
- (B) मिथिला विद्या-परम्परा → वर्णनात्मक गद्य → भक्ति-गीतक तैयारी → विद्यापति
- (C) वर्णनात्मक गद्य → मिथिला विद्या-परम्परा → विद्यापति → भक्ति-गीतक तैयारी
- (D) विद्यापति → भक्ति-गीतक तैयारी → वर्णनात्मक गद्य → मिथिला विद्या-परम्परा

९७७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (77)

- (A) मुख्य निष्कर्ष — केवल रेल-यात्रा
- (B) गद्यसँ पद्य धरि — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (D) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब

९७८. “ग्रन्थ-पहिचान” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (78)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब

९७९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (79)

- (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (B) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (C) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र

९८०. “पुराणवृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (80)

- (A) समाज, बाजार, शिल्प, पेशा आ लोकजीवनक चित्र
- (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (C) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति
- (D) कथ्य आ बिम्बकेँ एकाकार करबाक अलंकारिक ढंग

९८१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” केँ पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकेँ सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (C) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (D) कहियो मिश्रित वा विवादित सामग्रीकेँ सावधानीसँ पढ़ब

९८२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (82)

- (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (B) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (C) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (D) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय

९८३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत

९८४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (84)

- (A) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (B) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (D) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।

१८५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (85)

- (A) अभ्यास
- (B) सेतु
- (C) विधा
- (D) तुलना

१८६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (9)

- (A) अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → संस्कृत पाण्डित्य → विद्यापति पदावली → ज्योतिरीश्वर-गद्य
- (B) विद्यापति पदावली → ज्योतिरीश्वर-गद्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → संस्कृत पाण्डित्य
- (C) संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली
- (D) ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली → संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल

१८७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (87)

- (A) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (B) भाषा-मान — असम्बद्ध बाजार-दर
- (C) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (D) मुख्य निष्कर्ष — केवल रेल-यात्रा

१८८. “ग्रन्थ-पहिचान” कें कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (88)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) लोकधाराकें साहित्यसँ अलग फेकब
- (D) सभ पुरान शब्दकें एकहि शताब्दीक मानब

१८९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी कें कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (89)

- (A) वर्णरत्नाकर सन कृतिसभकें सही काल-सन्दर्भमे राखब
- (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (C) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु
- (D) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा

१९०. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (90)

- (A) समाजक काम-विभाजन आ पारम्परिक व्यवसाय
- (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब
- (C) पढ़ैत समय आँखिक आगाँ चित्र बनब
- (D) वीर, प्रेम, संघर्ष वा लोकनायकक दीर्घ आख्यान

१९१. “विद्यापतिक पूर्व-तैयारी” कें पूर्व विद्यापति साहित्यक अध्ययनमे कोन रूपमे बुझल जाएत?

- (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय
- (C) वर्णनात्मक गद्य आ गीतात्मक काव्य दुनूक विकास-रेखा
- (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब

१९२. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “पदावलीक पृष्ठभूमि” क मुख्य महत्त्व की अछि? (92)

- (A) अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (C) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (D) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा

९९३. पूर्व विद्यापति सन्दर्भमे “भाषा-मान” केँ कोन असंगत ढंगसँ नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग
- (D) इतिहास-पाठक सहायक प्रमाण

९९४. “लोकसँ शास्त्र धरि” पर प्रश्न बनाओल गेल अछि। सही कथन चुनू। (94)

- (A) लोकसँ शास्त्र धरि केवल आधुनिक विद्यालयक नाम अछि।
- (B) लोकसँ शास्त्र धरि केवल मुद्रित विज्ञापन अछि।
- (C) लोकसँ शास्त्र धरिक एहि विषयसँ कोनो सम्बन्ध नहि।
- (D) विद्यापति-पूर्व साहित्यिक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।

९९५. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासक अध्ययनमे कोन बात “गद्यसँ पद्य धरि” सँ सभसँ बेसी जुड़ैत अछि? (95)

- (A) परीक्षा
- (B) अभ्यास
- (C) विधा
- (D) भाषा

९९६. पूर्व विद्यापति सँ विद्यापति युग धरि विकासक सही क्रम चुनू। (10)

- (A) लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत → वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग
- (B) वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग → लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत
- (C) विद्यापति युग → वर्णरत्नाकर → आरम्भिक मैथिली संकेत → लोकगीत-मौखिकता
- (D) आरम्भिक मैथिली संकेत → लोकगीत-मौखिकता → विद्यापति युग → वर्णरत्नाकर

९९७. निम्नमे सँ कोन जोड़ी पूर्व विद्यापति अध्ययन लेल उचित अछि? (97)

- (A) गद्यसँ पद्य धरि — केवल रेल-यात्रा
- (B) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ठ, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब
- (C) तुलनात्मक प्रश्न — केवल खेल-कूद
- (D) मुख्य निष्कर्ष — असम्बद्ध बाजार-दर

९९८. “ग्रन्थ-पहिचान” केँ कालक्रममे राखैत काल कोन सावधानी रखबाक चाही? (98)

- (A) केवल नाम सुनि निष्कर्ष निकालब
- (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब
- (C) सभ पुरान शब्दकेँ एकहि शताब्दीक मानब
- (D) लोकधाराकेँ साहित्यसँ अलग फेकब

९९९. विद्यापति युगक पूर्व-तैयारी आ परीक्षा-अभ्यासमे “मुख्य निष्कर्ष” सँ विद्यार्थी केँ कोन मूल शिक्षा भेटैत अछि? (99)

- (A) साहित्यिक प्रयोगसँ लोकभाषाक प्रतिष्ठा
- (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र
- (C) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार
- (D) जनभाषा आ विद्वत् संस्कृति बीच सेतु

१०००. “पुनरावृत्ति-दृष्टि” पर आधारित प्रश्नक सही उत्तर कोन अछि? (100)

- (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (B) धर्म, लोकाचार, शिक्षा, दरबार आ ग्रामजीवनक सम्मिलित आधार
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाओल आख्यान
- (D) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय

१. (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
२. (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकें केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४. (D) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
५. (C) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७. (A) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकें सँजोने रहल।
८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
९. (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्वपूर्ण अछि।
१०. (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य कें केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
११. (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
१२. (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकें केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
१३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१४. (A) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
१५. (D) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
१६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१७. (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकें सँजोने रहल।
१८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१९. (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्वपूर्ण अछि।
२०. (D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य कें केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
२१. (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।

२२. (A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकेँ केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
२३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२४. (A) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
२५. (B) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
२६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२७. (C) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकेँ सँजोने रहल।
२८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२९. (B) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्वपूर्ण अछि।
३०. (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
३१. (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
३२. (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकेँ केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
३३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३४. (C) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
३५. (A) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
३६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३७. (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकेँ सँजोने रहल।
३८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३९. (C) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्वपूर्ण अछि।
४०. (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
४१. (C) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
४२. (A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकेँ केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
४३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।

४४. (C) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
४५. (C) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
४६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४७. (A) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकें सँजोने रहल।
४८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४९. (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।
५०. (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
५१. (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
५२. (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकें केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
५३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५४. (B) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
५५. (A) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
५६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५७. (D) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकें सँजोने रहल।
५८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५९. (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।
६०. (D) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
६१. (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
६२. (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकें केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
६३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
६४. (D) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
६५. (B) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।

६६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६७. (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकें सँजोने रहल।
६८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६९. (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।
७०. (A) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
७१. (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
७२. (A) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकें केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
७३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७४. (D) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
७५. (B) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
७६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७७. (D) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकें सँजोने रहल।
७८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७९. (A) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।
८०. (B) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
८१. (B) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
८२. (B) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकें केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
८३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८४. (A) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
८५. (B) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
८६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८७. (A) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकें सँजोने रहल।

८८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८९. (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।
९०. (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
९१. (D) विद्यापति सँ पहिनुक भाषिक, सांस्कृतिक, लोक आ गद्य-परम्पराक अध्ययन — पूर्व विद्यापति अध्ययनमे प्रत्यक्ष मैथिली पाठक संग ओहि पृष्ठभूमिक चर्चा होइत अछि जाहिसँ विद्यापति-युगक भाषा, भाव आ साहित्यिक रूप तैयार भेल।
९२. (C) विद्यापति सँ पूर्वक आरम्भिक आ संक्रमणकालीन साहित्यिक धरातल — एहि कालकेँ केवल एक वर्षसँ नहि, भाषा-रूप, पाण्डित्य, लोकजीवन आ उपलब्ध पाठक आधार पर बुझल जाइत अछि।
९३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — प्रत्यक्ष साहित्यिक प्रमाण केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
९४. (C) साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि। — साहित्य एकाकी नहि बनैत; समाज, संस्कार, विद्या आ भाषा-संपर्क ओकर आधार होइत अछि।
९५. (D) भाषा — मैथिली अचानक प्रकट नहि भेल; पूर्वी आर्य भाषिक प्रवाहमे ओकर रूप विकसित भेल।
९६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — मिथिला विद्या-परम्परा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
९७. (B) लोकधारा — लोकगीत, लोककथा, संस्कार-गीत आ कथावाचनक मौखिक निरन्तरता — लिखित साहित्यसँ पहिने लोकधारा समाजक स्मृति आ भावनाकेँ सँजोने रहल।
९८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
९९. (D) हस्तलिखित पोथी, नकल, पाठभेद आ संरक्षणक परम्परा — पूर्वकालक साहित्य बुझबा लेल पाण्डुलिपि-परम्परा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।
१००. (C) राजकीय इतिहासक संग लोक, भाषा, स्त्री-स्वर, कला आ विधाक विकास देखब — पूर्व विद्यापति साहित्य केँ केवल राज-नाम तक सीमित नहि राखि लोक-स्रोत आ भाषिक संकेतसँ जोड़ल जाएत।
१०१. (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
१०२. (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि — अवहट्टक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्त्वपूर्ण संकेत अछि।
१०३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१०४. (A) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल। — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
१०५. (A) ध्वनि — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
१०६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१०७. (B) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
१०८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१०९. (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
११०. (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
१११. (C) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।

- ११२. (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि** — अवहट्ठक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्त्वपूर्ण संकेत अछि।
- ११३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग** — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
- ११४. (C) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।** — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- ११५. (D) ध्वनि** — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
- ११६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि** — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
- ११७. (C) तद्भव शब्द** — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
- ११८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब** — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
- ११९. (D) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द** — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
- १२०. (C) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल** — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
- १२१. (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल** — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
- १२२. (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि** — अवहट्ठक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्त्वपूर्ण संकेत अछि।
- १२३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग** — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
- १२४. (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।** — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- १२५. (B) ध्वनि** — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
- १२६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि** — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
- १२७. (C) तद्भव शब्द** — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
- १२८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब** — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
- १२९. (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द** — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
- १३०. (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल** — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
- १३१. (C) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल** — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
- १३२. (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि** — अवहट्ठक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्त्वपूर्ण संकेत अछि।
- १३३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग** — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
- १३४. (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।** — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
- १३५. (C) ध्वनि** — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
- १३६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि** — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।

१३७. (C) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
१३८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१३९. (C) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
१४०. (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
१४१. (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
१४२. (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि — अवहट्टक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्वपूर्ण संकेत अछि।
१४३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१४४. (B) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल। — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
१४५. (C) ध्वनि — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
१४६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१४७. (D) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
१४८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१४९. (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
१५०. (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
१५१. (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
१५२. (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि — अवहट्टक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्वपूर्ण संकेत अछि।
१५३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१५४. (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल। — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
१५५. (B) ध्वनि — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
१५६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१५७. (B) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
१५८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१५९. (C) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
१६०. (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
१६१. (A) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
१६२. (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि — अवहट्टक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्वपूर्ण संकेत अछि।

१६३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१६४. (C) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल। — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
१६५. (C) ध्वनि — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
१६६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१६७. (A) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
१६८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१६९. (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
१७०. (A) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
१७१. (D) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
१७२. (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि — अवहट्ठक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्त्वपूर्ण संकेत अछि।
१७३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१७४. (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल। — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
१७५. (D) ध्वनि — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
१७६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१७७. (A) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
१७८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१७९. (A) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
१८०. (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
१८१. (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
१८२. (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि — अवहट्ठक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्त्वपूर्ण संकेत अछि।
१८३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१८४. (D) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल। — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
१८५. (D) ध्वनि — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
१८६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१८७. (C) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।

१८८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१८९. (C) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
१९०. (B) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
१९१. (B) प्राकृतोत्तर लोकभाषिक रूप, जे नव आर्य भाषासभक पृष्ठभूमि बनल — अपभ्रंशसँ पूर्वी आर्य भाषासभक संक्रमण बुझबाक बाट खुलैत अछि।
१९२. (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण-रूप, जाहिसँ आरम्भिक मैथिली-सदृश अभिव्यक्ति बुझल जाइत अछि — अवहट्टक प्रयोग पूर्व-मैथिली साहित्यिक रूपान्तरणक महत्वपूर्ण संकेत अछि।
१९३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पूर्वी आर्य भाषा-परिवार केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१९४. (B) पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल। — पूर्वकालमे संस्कृत उच्च विद्या-भाषा रहल, मुदा लोकजीवनमे स्थानीय भाषा सशक्त छल।
१९५. (C) ध्वनि — भाषाक कालक्रममे ध्वनि, रूप, शब्द आ वाक्य धीरे-धीरे बदलैत अछि।
१९६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — रूप-रचना सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
१९७. (D) तद्भव शब्द — जन-प्रयोगमे बदलल पुरान शब्दरूप — तद्भव शब्द लोकभाषाक जीवित प्रवाहक परिचायक अछि।
१९८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१९९. (B) स्थानीय जीवन, पेशा, खेती, रीति आ परिवारसँ जुड़ल शब्द — देशज शब्द साहित्यकेँ मिथिलाक जमीनसँ जोड़ैत अछि।
२००. (D) लोकभाषाक ओ रूप जे बादमे साहित्यिक प्रतिष्ठा पाबि विकसित भेल — पूर्व विद्यापति समय भाषा-साहित्यक तैयारीक काल छल।
२०१. (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
२०२. (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
२०३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२०४. (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि। — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
२०५. (C) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२०६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२०७. (A) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्वपूर्ण स्रोत अछि।
२०८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२०९. (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकेँ जनसुलभ बनबैत अछि।
२१०. (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
२११. (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
२१२. (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।

२१३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२१४. (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि। — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
२१५. (C) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२१६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२१७. (D) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।
२१८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२१९. (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकेँ जनसुलभ बनबैत अछि।
२२०. (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
२२१. (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
२२२. (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
२२३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२२४. (D) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि। — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
२२५. (C) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२२६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२२७. (A) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।
२२८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२२९. (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकेँ जनसुलभ बनबैत अछि।
२३०. (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
२३१. (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
२३२. (C) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
२३३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२३४. (B) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि। — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
२३५. (D) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२३६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।

२३७. (C) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्वपूर्ण स्रोत अछि।
२३८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२३९. (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकें जनसुलभ बनबैत अछि।
२४०. (B) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
२४१. (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
२४२. (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
२४३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२४४. (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि। — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
२४५. (B) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२४६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२४७. (D) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्वपूर्ण स्रोत अछि।
२४८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२४९. (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकें जनसुलभ बनबैत अछि।
२५०. (A) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
२५१. (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
२५२. (C) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
२५३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२५४. (B) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि। — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
२५५. (B) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२५६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२५७. (D) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्वपूर्ण स्रोत अछि।
२५८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२५९. (A) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकें जनसुलभ बनबैत अछि।
२६०. (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।

- २६१. (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति** — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
- २६२. (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार** — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
- २६३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग** — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
- २६४. (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।** — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- २६५. (D) सम्बन्ध** — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
- २६६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि** — लोकधुन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
- २६७. (D) मौखिकता** — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।
- २६८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब** — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
- २६९. (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक** — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकेँ जनसुलभ बनबैत अछि।
- २७०. (B) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक** — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
- २७१. (D) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति** — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
- २७२. (D) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार** — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
- २७३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग** — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
- २७४. (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।** — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
- २७५. (C) सम्बन्ध** — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
- २७६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि** — लोकधुन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
- २७७. (A) मौखिकता** — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।
- २७८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब** — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
- २७९. (B) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक** — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकेँ जनसुलभ बनबैत अछि।
- २८०. (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक** — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
- २८१. (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति** — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
- २८२. (A) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार** — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
- २८३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग** — चर्या परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
- २८४. (A) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।** — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।

२८५. (B) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२८६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२८७. (B) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्वपूर्ण स्रोत अछि।
२८८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२८९. (D) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकें जनसुलभ बनबैत अछि।
२९०. (C) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
२९१. (A) साधना, अनुभव आ गूढ़ भावक लोकभाषिक अभिव्यक्ति — सिद्ध परम्पराक भाषा पूर्ण मैथिली नहि मानल जाए, मुदा पूर्वी लोकभाषिक धरातल बुझबामे सहायक अछि।
२९२. (B) योग, देह-साधना, गुरु-शिष्य संवाद आ लोकप्रसार — नाथ-संबंधित रचनासभ लोकभाषा, गीत आ साधनात्मक प्रतीकक प्रसार देखबैत अछि।
२९३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — चर्या परम्परा कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
२९४. (D) सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि। — सिद्ध-नाथ परम्परामे प्रत्यक्ष अर्थक नीचा गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ रहैत अछि।
२९५. (B) सम्बन्ध — पूर्वकालीन साधना-रचनामे गुरु-शिष्य सम्बन्ध ज्ञानक मुख्य सेतु बनैत अछि।
२९६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकधुन सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
२९७. (A) मौखिकता — लिखित पोथीसँ पहिने स्मरण, गायन आ कथनक परम्परा — पूर्व विद्यापति काल बुझबा लेल मौखिक परम्परा महत्वपूर्ण स्रोत अछि।
२९८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
२९९. (A) देह, नाव, नदी, खेत, घर, बाट आ साधारण जीवनक रूपक — लोकजीवनक बिम्ब गूढ़ भावकें जनसुलभ बनबैत अछि।
३००. (D) मैथिली सहित पूर्वी भाषासभक आरम्भिक साझा रूपक झलक — एहि संकेतसभसँ क्षेत्रीय भाषिक विकासक पृष्ठभूमि बुझल जाएत।
३०१. (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३०२. (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३०३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३०४. (D) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३०५. (D) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३०६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३०७. (A) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३०८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३०९. (A) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३१०. (B) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३११. (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।

३१२. (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३१३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३१४. (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३१५. (C) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३१६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३१७. (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३१८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३१९. (C) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३२०. (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३२१. (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३२२. (A) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३२३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३२४. (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३२५. (B) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३२६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३२७. (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३२८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३२९. (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३३०. (A) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३३१. (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३३२. (B) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३३३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३३४. (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३३५. (A) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३३६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३३७. (C) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३३८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३३९. (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३४०. (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।

३४१. (D) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३४२. (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३४३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३४४. (A) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३४५. (D) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३४६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३४७. (D) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३४८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३४९. (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३५०. (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३५१. (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३५२. (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३५३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३५४. (B) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३५५. (C) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३५६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३५७. (D) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३५८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३५९. (D) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३६०. (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३६१. (B) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३६२. (C) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३६३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३६४. (C) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३६५. (C) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३६६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३६७. (D) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३६८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३६९. (C) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।

३७०. (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यिक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३७१. (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३७२. (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३७३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३७४. (A) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३७५. (C) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३७६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३७७. (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३७८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३७९. (B) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३८०. (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यिक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३८१. (A) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३८२. (A) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३८३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३८४. (C) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३८५. (B) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३८६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३८७. (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३८८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
३८९. (D) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
३९०. (C) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यिक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
३९१. (C) तर्क, प्रमाण आ शास्त्रार्थक दृढ़ अभ्यास — मिथिलाक न्याय-परम्परा बौद्धिक अनुशासन आ विश्लेषण-क्षमता बढ़बैत रहल।
३९२. (D) वेद-वाक्य, कर्मकाण्ड आ अर्थनिर्णयक परम्परा — मीमांसा-चिन्तन भाषिक सूक्ष्मता आ पाठ-व्याख्याक पृष्ठभूमि बनैत अछि।
३९३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — तन्त्र-परम्परा केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
३९४. (D) पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल। — पूर्वकालमे संस्कृत विद्वत् संवादक मुख्य माध्यम रहल।
३९५. (C) शिक्षा — पाठशाला आ गुरुकुल परम्परा साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना बनबैत अछि।
३९६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — शास्त्रार्थ सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
३९७. (B) विद्वानक आश्रय — राजा, दरबार आ समाजद्वारा पण्डितक सम्मान — आश्रय बिनु दीर्घकालीन पोथी-रचना आ विद्या-संरक्षण कठिन छल।
३९८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।

४९९. (C) कथा, आख्यान आ भक्ति-बिम्बक स्रोत — पुराणक कथा लोककथा, गीत आ नाटक धरि पहुँचैत अछि।
४००. (D) ज्ञान, तर्क, संस्कार आ पाण्डुलिपिक संगम — पूर्व विद्यापति साहित्यक पृष्ठभूमि मिथिलाक सुदृढ़ विद्या-परम्परा मे खोजल जाएत।
४०१. (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४०२. (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४०३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४०४. (A) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४०५. (B) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४०६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४०७. (D) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४०८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४०९. (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४१०. (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४११. (D) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४१२. (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४१३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४१४. (A) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४१५. (A) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४१६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४१७. (D) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४१८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४१९. (C) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४२०. (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४२१. (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४२२. (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।

४२३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४२४. (B) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४२५. (B) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्वपूर्ण अछि।
४२६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४२७. (D) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४२८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४२९. (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४३०. (B) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४३१. (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४३२. (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४३३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४३४. (C) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४३५. (B) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्वपूर्ण अछि।
४३६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४३७. (C) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४३८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४३९. (C) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४४०. (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४४१. (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४४२. (A) पुरान मैथिली गद्यक महत्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४४३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४४४. (D) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४४५. (A) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्वपूर्ण अछि।
४४६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।

४४७. (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४४८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४४९. (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४५०. (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४५१. (D) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४५२. (C) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४५३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४५४. (B) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४५५. (B) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४५६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४५७. (C) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४५८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४५९. (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४६०. (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४६१. (A) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४६२. (C) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४६३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४६४. (C) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४६५. (A) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४६६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४६७. (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४६८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४६९. (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४७०. (B) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४७१. (B) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।

४७२. (D) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४७३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४७४. (D) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४७५. (A) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४७६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४७७. (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४७८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४७९. (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४८०. (C) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४८१. (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४८२. (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४८३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४८४. (B) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४८५. (B) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४८६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४८७. (B) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४८८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४८९. (B) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
४९०. (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
४९१. (C) मैथिली गद्यक आरम्भिक गौरवसँ जुड़ल प्रमुख नाम — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक स्मरण वर्णरत्नाकर आ आरम्भिक गद्य-वर्णनक कारण विशेष होइत अछि।
४९२. (B) पुरान मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण वर्णनात्मक कृति — वर्णरत्नाकरमे समाज, शहर, नायक-नायिका, ऋतु, रूप, पेशा आदि अनेक विषयक वर्णन भेटैत अछि।
४९३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कल्लोल केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
४९४. (C) नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि। — नगर-वर्णन साहित्यक संग सामाजिक इतिहासक संकेत सेहो दैत अछि।
४९५. (B) पात्र — आरम्भिक गद्यमे नायक-वर्णन अलंकारिक आ सांस्कृतिक दुनू दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण अछि।

४९६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — नायिका-वर्णन सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
४९७. (A) वर्णन-कला — सूची, उपमा, रूपक, पुनरुक्ति आ दृश्यांकनक कौशल — वर्णरत्नाकरक शक्ति ओकर व्यापक विवरणात्मक भाषा मे अछि।
४९८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
४९९. (C) साहित्यिक कृति सँ सामाजिक जीवनक झलक — ग्रन्थमे पेशा, नगर, संबंध, वस्तु आ रीति सभक संकेत भेटैत अछि।
५००. (A) विद्यापति सँ पहिने मैथिली गद्यक सशक्त उदाहरण — वर्णरत्नाकर पूर्व विद्यापति साहित्यक केन्द्रमे राखल जाए योग्य कृति अछि।
५०१. (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमे सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५०२. (D) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५०३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५०४. (B) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
५०५. (A) शब्द — पूर्वकालीन गद्य मे विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५०६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५०७. (B) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमे शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५०८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५०९. (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५१०. (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमे देखाइत अछि।
५११. (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमे सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५१२. (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५१३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५१४. (A) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
५१५. (B) शब्द — पूर्वकालीन गद्य मे विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५१६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५१७. (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमे शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५१८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५१९. (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५२०. (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमे देखाइत अछि।
५२१. (B) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमे सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५२२. (A) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५२३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५२४. (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।

५२५. (D) शब्द — पूर्वकालीन गद्य मे विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५२६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५२७. (C) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमे शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५२८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५२९. (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५३०. (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमे देखाइत अछि।
५३१. (B) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमे सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५३२. (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५३३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५३४. (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
५३५. (D) शब्द — पूर्वकालीन गद्य मे विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५३६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५३७. (B) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमे शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५३८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५३९. (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५४०. (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमे देखाइत अछि।
५४१. (D) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमे सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५४२. (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५४३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५४४. (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
५४५. (C) शब्द — पूर्वकालीन गद्य मे विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५४६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५४७. (B) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमे शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५४८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५४९. (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५५०. (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमे देखाइत अछि।
५५१. (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमे सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५५२. (D) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५५३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।

५५४. (B) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता में देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता में देखल जाएत।
५५५. (D) शब्द — पूर्वकालीन गद्य में विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५५६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५५७. (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमें शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५५८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमें तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५५९. (A) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५६०. (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमें देखाइत अछि।
५६१. (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमें सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५६२. (A) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५६३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमें देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५६४. (C) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता में देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता में देखल जाएत।
५६५. (D) शब्द — पूर्वकालीन गद्य में विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५६६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५६७. (D) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमें शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५६८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमें तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५६९. (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५७०. (A) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमें देखाइत अछि।
५७१. (D) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमें सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५७२. (B) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५७३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमें देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५७४. (A) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता में देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता में देखल जाएत।
५७५. (D) शब्द — पूर्वकालीन गद्य में विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५७६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५७७. (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमें शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५७८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमें तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५७९. (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५८०. (C) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमें देखाइत अछि।
५८१. (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमें सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५८२. (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।

५८३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५८४. (A) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
५८५. (B) शब्द — पूर्वकालीन गद्य मे विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५८६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५८७. (A) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमे शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५८८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५८९. (D) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
५९०. (B) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमे देखाइत अछि।
५९१. (A) एकहि विषयक अनेक रूप, वस्तु वा बिम्ब क्रमसँ देब — आरम्भिक गद्यमे सूची-वर्णन स्मृति, ज्ञान आ दृश्य-निर्माणक साधन अछि।
५९२. (C) एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ मिलाकऽ अर्थ उजागर करब — उपमा पुरान वर्णनक प्रिय उपकरण अछि।
५९३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — रूपक केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
५९४. (D) वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत। — वर्णनात्मक गद्यक सफलता दृश्यात्मकता मे देखल जाएत।
५९५. (B) शब्द — पूर्वकालीन गद्य मे विभिन्न स्रोतक शब्द सभ मिलि भाषा समृद्ध करैत अछि।
५९६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — वाक्य-विन्यास सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
५९७. (D) रस-दृष्टि — भावक सौन्दर्यपूर्ण संगठन — पूर्वकालीन वर्णनमे शृङ्गार, हास्य, अद्भुत आदि भावक संकेत मिलैत अछि।
५९८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
५९९. (B) सीधा अर्थ आ संकेतार्थक प्रयोग — पुरान पाठ पढ़ैत काल शब्दक अनेक स्तर देखब आवश्यक अछि।
६००. (D) छन्दहीन होइतो लय, अनुक्रम आ चित्रात्मकता राखब — गद्य साहित्यक स्वतन्त्र विधा बनबाक प्रक्रिया पूर्वकालमे देखाइत अछि।
६०१. (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६०२. (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६०३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
६०४. (A) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६०५. (A) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६०६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६०७. (B) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६०८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६०९. (B) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६१०. (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६११. (B) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।

६१२. (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६१३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानव असंगत अछि।
६१४. (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६१५. (B) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६१६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६१७. (B) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६१८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६१९. (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६२०. (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६२१. (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६२२. (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६२३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानव असंगत अछि।
६२४. (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६२५. (D) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६२६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६२७. (D) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६२८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६२९. (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६३०. (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६३१. (A) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६३२. (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६३३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानव असंगत अछि।
६३४. (B) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६३५. (D) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६३६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६३७. (B) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६३८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६३९. (D) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६४०. (C) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।

६४१. (A) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६४२. (A) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६४३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानव असंगत अछि।
६४४. (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६४५. (D) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६४६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६४७. (C) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६४८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६४९. (A) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६५०. (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६५१. (C) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६५२. (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६५३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानव असंगत अछि।
६५४. (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६५५. (B) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६५६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६५७. (D) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६५८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६५९. (C) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६६०. (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६६१. (A) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६६२. (D) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६६३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानव असंगत अछि।
६६४. (D) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६६५. (A) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६६६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६६७. (A) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६६८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६६९. (D) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।

६७०. (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६७१. (D) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६७२. (C) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६७३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
६७४. (A) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६७५. (D) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६७६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६७७. (C) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६७८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६७९. (D) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६८०. (B) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६८१. (B) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६८२. (B) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६८३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
६८४. (B) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६८५. (D) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६८६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६८७. (D) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६८८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
६८९. (B) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
६९०. (A) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
६९१. (B) जन्म, उपनयन, विवाह, मृत्यु आदि जीवन-चक्रक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवनक भाव, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित राखैत अछि।
६९२. (C) नारी-स्वर, हास्य, वेदना, रीति आ मंगलक गीत — विवाह-गीत मैथिली लोकसाहित्यक अत्यन्त समृद्ध धारा अछि।
६९३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पर्व-गीत केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
६९४. (C) श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि। — श्रमगीत कामक बोझ केँ लय आ सामुदायिकता दैत अछि।
६९५. (A) कथा — लोककथामे नीति, चतुराई, भय, हास्य आ लोकविश्वास बसैत अछि।
६९६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — लोकगाथा सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
६९७. (C) कहावत — अनुभवक संक्षिप्त लोक-वाक्य — कहावत समाजक व्यवहारिक बुद्धि आ व्यंग्यक सघन रूप अछि।
६९८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।

६९९. (B) मौखिक रूपमे कथा सुनबाक आ सुनएबाक कला — पूर्वकालमे कथावाचन साहित्य प्रसारक मुख्य माध्यम छल।
७००. (D) गीत, संवाद, अभिनय आ सामुदायिक रंग-प्रयोग — लोकनाट्य लिखित नाटक पूर्वक मंचीय लोक-संस्कार बुझबामे सहायक अछि।
७०१. (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७०२. (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७०३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७०४. (C) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७०५. (B) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७०६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७०७. (B) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७०८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७०९. (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७१०. (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७११. (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७१२. (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७१३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७१४. (B) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७१५. (A) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७१६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७१७. (C) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७१८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७१९. (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७२०. (A) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७२१. (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७२२. (C) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७२३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७२४. (C) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७२५. (C) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।

७२६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७२७. (A) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७२८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७२९. (B) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७३०. (A) सामग्री कें सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७३१. (B) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७३२. (A) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७३३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७३४. (D) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७३५. (B) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७३६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७३७. (B) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७३८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७३९. (B) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७४०. (A) सामग्री कें सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७४१. (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७४२. (C) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७४३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७४४. (D) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७४५. (B) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७४६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७४७. (B) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७४८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७४९. (C) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७५०. (C) सामग्री कें सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७५१. (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७५२. (C) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।

७५३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७५४. (B) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७५५. (A) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७५६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७५७. (A) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७५८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७५९. (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७६०. (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७६१. (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७६२. (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७६३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७६४. (B) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७६५. (B) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७६६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७६७. (C) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७६८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७६९. (C) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७७०. (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करबाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७७१. (A) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७७२. (D) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७७३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७७४. (A) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७७५. (A) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७७६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७७७. (D) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७७८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७७९. (A) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।

७८०. (B) सामग्री के सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करवाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७८१. (C) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७८२. (A) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७८३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७८४. (A) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७८५. (A) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७८६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७८७. (D) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७८८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७८९. (B) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
७९०. (D) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करवाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
७९१. (D) मैथिली लेखन आ पाण्डुलिपि परम्परासँ जुड़ल लिपि — लिपिक अध्ययन बिनु पुरान मैथिली पाठक इतिहास अधूरा रहैत अछि।
७९२. (B) बहुत बादक मानकीकृत छपाइ आ आधुनिक प्रयोग — पूर्वकालीन पाठ बुझबा लेल तिरहुता आ पाण्डुलिपि परम्परा अलग सँ देखबाक चाही।
७९३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — पाण्डुलिपि केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
७९४. (A) पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि। — पुरान साहित्यक सम्पादनमे पाठभेदक सावधान परीक्षण आवश्यक अछि।
७९५. (A) सूचना — लेखक, नकलकर्ता, तिथि वा स्थानक सूचना कखनहुँ कोलाफोनमे भेटैत अछि।
७९६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — पञ्जी सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
७९७. (C) अभिलेख — शिला, ताम्रपत्र, दानपत्र वा अन्य लिखित प्रमाण — अभिलेख इतिहासक बाह्य प्रमाण दैत अछि।
७९८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
७९९. (D) विभिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ बनाओल — पुरान साहित्यक अध्ययनमे आलोचनात्मक सम्पादन आवश्यक अछि।
८००. (C) सामग्री केँ सुरक्षित, वर्गीकृत आ उपलब्ध करवाक प्रक्रिया — पूर्वकालीन साहित्यक पुनर्पाठ लेल अभिलेखन महत्वपूर्ण अछि।
८०१. (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओइनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८०२. (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८०३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८०४. (D) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८०५. (D) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्वपूर्ण अछि।
८०६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।

८०७. (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८०८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८०९. (C) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८१०. (B) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८११. (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८१२. (A) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८१३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८१४. (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८१५. (B) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्त्वपूर्ण अछि।
८१६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८१७. (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८१८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८१९. (D) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८२०. (C) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८२१. (B) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८२२. (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८२३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८२४. (A) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८२५. (A) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्त्वपूर्ण अछि।
८२६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८२७. (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८२८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८२९. (B) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८३०. (B) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८३१. (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८३२. (D) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।

८३३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८३४. (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८३५. (D) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्वपूर्ण अछि।
८३६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८३७. (C) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८३८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८३९. (B) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८४०. (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८४१. (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८४२. (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८४३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८४४. (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८४५. (D) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्वपूर्ण अछि।
८४६. (A) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८४७. (B) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८४८. (A) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८४९. (C) समुदायकेँ जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८५०. (B) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८५१. (B) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८५२. (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८५३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८५४. (C) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८५५. (B) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्वपूर्ण अछि।
८५६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकेँ भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८५७. (D) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।

८५८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८५९. (B) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८६०. (D) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८६१. (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८६२. (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८६३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८६४. (B) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८६५. (D) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्वपूर्ण अछि।
८६६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८६७. (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८६८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८६९. (B) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८७०. (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८७१. (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८७२. (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८७३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८७४. (A) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८७५. (B) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्वपूर्ण अछि।
८७६. (D) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८७७. (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८७८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८७९. (C) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८८०. (C) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८८१. (C) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८८२. (C) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८८३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।

८८४. (D) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८८५. (C) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्त्वपूर्ण अछि।
८८६. (B) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८८७. (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८८८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८८९. (A) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
८९०. (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
८९१. (A) दरबार, पाण्डित्य आ सांस्कृतिक उभारक वातावरण — पूर्व विद्यापति साहित्यक कई संकेत कर्णाट-ओड़िनिवार संक्रमणक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।
८९२. (B) खेती, पशुपालन, नदी, पोखरि आ परिवारक जीवन — मैथिली साहित्यक लोक-आधार ग्रामजीवनसँ पोषित भेल।
८९३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — कृषि-अर्थव्यवस्था कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
८९४. (B) पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि। — पुरान वर्णनमे पेशा आ सामाजिक स्तरक संकेत इतिहास-सामग्री बनैत अछि।
८९५. (B) स्त्री — लोकसाहित्य पूर्वकालीन स्त्री-अनुभव बुझबामे महत्त्वपूर्ण अछि।
८९६. (C) भाषा, समाज, लोकधारा आ प्रमाणक संयुक्त दृष्टि — भक्ति-भाव सन विषयकें भाषा, समाज, लोकधारा, पोथी आ इतिहासक संग पढ़लासँ अर्थ स्पष्ट होइत अछि।
८९७. (A) शैव-शाक्त-वैष्णव प्रभाव — विभिन्न उपासना-धाराक सह-अस्तित्व — मिथिलाक धार्मिक जीवन बहुधर्मी भाव-स्रोतसँ भरल रहल।
८९८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
८९९. (B) समुदायकें जोड़निहार सांस्कृतिक व्यवहार — त्योहार आ संस्कार लोकगीत आ कथावाचनक आधार बनैत अछि।
९००. (A) पण्डित-परम्परा आ जनभाषा दुनूक सह-अस्तित्व — पूर्व विद्यापति साहित्यक विशेषता पाण्डित्य आ लोकजीवनक साझा धरातल अछि।
९०१. (A) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
९०२. (B) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकें पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
९०३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
९०४. (D) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि।
९०५. (B) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
९०६. (C) संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
९०७. (D) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
९०८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
९०९. (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।

११०. (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१११. (C) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
११२. (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकेँ पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
११३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
११४. (B) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
११५. (B) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
११६. (B) लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत → वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
११७. (D) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
११८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
११९. (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१२०. (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१२१. (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
१२२. (C) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकेँ पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१२३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१२४. (D) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
१२५. (C) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
१२६. (D) पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → अवहट्ट → पुरातन मैथिली गद्य → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
१२७. (B) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१२८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१२९. (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१३०. (C) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१३१. (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
१३२. (D) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकेँ पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१३३. (B) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१३४. (C) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
१३५. (C) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।

१३६. (C) मिथिला विद्या-परम्परा → वर्णनात्मक गद्य → भक्ति-गीतक तैयारी → विद्यापति — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
१३७. (B) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१३८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१३९. (C) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१४०. (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१४१. (C) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
१४२. (D) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकें पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१४३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१४४. (A) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि।
१४५. (C) विद्या — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
१४६. (B) संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
१४७. (A) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१४८. (D) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१४९. (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१५०. (D) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१५१. (D) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
१५२. (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकें पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१५३. (D) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान कें ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१५४. (A) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकें चिन्हैत अछि।
१५५. (D) विद्या — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
१५६. (C) लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत → वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
१५७. (C) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१५८. (C) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१५९. (A) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१६०. (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकें जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१६१. (A) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।

१६२. (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकेँ पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१६३. (A) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१६४. (A) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
१६५. (A) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
१६६. (D) पूर्वी आर्य भाषिक धरातल → अवहट्ट → पुरातन मैथिली गद्य → मध्यकालीन काव्य-उत्कर्ष — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
१६७. (C) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१६८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१६९. (C) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१७०. (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१७१. (D) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
१७२. (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकेँ पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१७३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१७४. (C) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
१७५. (B) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
१७६. (B) मिथिला विद्या-परम्परा → वर्णनात्मक गद्य → भक्ति-गीतक तैयारी → विद्यापति — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
१७७. (D) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१७८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१७९. (D) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१८०. (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१८१. (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
१८२. (A) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकेँ पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१८३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१८४. (B) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
१८५. (C) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
१८६. (C) संस्कृत पाण्डित्य → अपभ्रंश/अवहट्ट धरातल → ज्योतिरीश्वर-गद्य → विद्यापति पदावली — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।

१८७. (A) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१८८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१८९. (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१९०. (B) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।
१९१. (B) भाषा, गीत, छन्द, लोकधारा आ पाण्डित्यक पूर्वसंचय — विद्यापतिक काव्य-उत्कर्ष अकारण नहि; ओकरा पहिने दीर्घ सांस्कृतिक तैयारी छल।
१९२. (C) लोकगायन, भक्ति, प्रेम आ छन्द-रचनाक पुरान आधार — विद्यापतिक पदावलीकेँ पूर्वक गीत-परम्परा आ सांस्कृतिक भावभूमिसँ जोड़ि बुझल जाएत।
१९३. (C) केवल बहुत बादक छापाखाना-प्रसंग — भाषा-मान केँ ओकर अपन ऐतिहासिक धरातलमे देखबाक चाही; एकरा बादक छापाखाना-प्रसंग मात्र मानब असंगत अछि।
१९४. (D) विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि। — विद्यापति-पूर्व साहित्यक अध्ययन एहि सेतुकेँ चिन्हैत अछि।
१९५. (C) विधा — पूर्व विद्यापति कालमे गद्य-वर्णन आ लोक-गीत दुनू धारा सक्रिय छल।
१९६. (A) लोकगीत-मौखिकता → आरम्भिक मैथिली संकेत → वर्णरत्नाकर → विद्यापति युग — भाषिक-सांस्कृतिक धरातल पहिने बनैत अछि; तखन गद्य, लोकगीत, भक्ति आ काव्य-उत्कर्षक क्रम स्पष्ट होइत अछि।
१९७. (B) तुलनात्मक प्रश्न — अपभ्रंश, अवहट्ट, आरम्भिक मैथिली आ संस्कृतक अन्तर बुझब — परीक्षामे भाषिक चरणक भेद आ सम्बन्ध दुनू पूछल जा सकैत अछि।
१९८. (B) स्रोत, भाषा-रूप, समाज-सन्दर्भ आ पाठ-परम्पराक मिलान करब — पूर्वकालीन साहित्यमे तिथि, पाठ, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भक सावधान मिलान जरूरी अछि।
१९९. (B) पूर्व विद्यापति साहित्य तैयारी, संक्रमण आ बहुस्तरीय स्रोतक क्षेत्र — एहि कालक महत्त्व ओकर जटिल पृष्ठभूमि आ स्रोत-विविधतामे अछि।
१०००. (A) काल, भाषा, ग्रन्थ, लोकधारा आ समाज—सभकेँ जोड़ि पढ़ब — अलग-अलग तथ्य रटबाक बदला परस्पर सम्बन्ध बुझब आवश्यक अछि।

अध्याय ३ : मैथिली साहित्यक कालक्रम — विदेह क्विज

s1

१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “प्राचीन विदेह-जनक परम्परा” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) आधुनिक संवेदना
- (B) आधुनिक व्यंग्य
- (C) प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- (D) आधुनिक गद्य-विनोद

२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “कीर्तिलता आ कीर्तिपताका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका
- (B) संस्थागत मान्यता
- (C) संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली
- (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर

३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (3)

- (A) केवल छपाइक रंग देखब
- (B) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (D) केवल राजाक नाम याद करब

४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (4)

- (A) केवल पुस्तकक आकार
- (B) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (C) केवल लेखकक उमर
- (D) केवल कागजक रंग

५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (5)

- (A) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (B) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (C) केवल राजदरबारक आदेश
- (D) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल

६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “विद्यापति” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) मध्यकालीन/उत्तर-मध्यकालीन विस्तार
- (B) मध्यकालीन नाट्य परम्परा
- (C) प्राचीनसँ मध्यकाल धरि
- (D) मध्यकालीन उत्कर्ष

७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) राजकमल चौधरी
- (B) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका
- (C) मणिपद्म
- (D) मिथिला मिहिर

८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (8)

- (A) केवल राजाक नाम याद करब
- (B) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (D) केवल छपाइक रंग देखब

९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (9)

- (A) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (B) केवल लेखकक उमर
- (C) केवल पुस्तकक आकार
- (D) केवल कागजक रंग

१०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (10)

- (A) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (C) केवल राजदरबारक आदेश
- (D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

११. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “लोकगीत आ लोककथा” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) दीर्घ लोक-परम्परा
- (B) मध्यकालीनसँ आधुनिक संक्रमण
- (C) मध्यकालीन/उत्तर-मध्यकालीन विस्तार
- (D) समकालीन वेब-युग

१२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “मुद्रण आ पत्र-पत्रिका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) अवहट्ट-अपभ्रंशसँ मैथिली अभिव्यक्ति
- (B) मणिपद्म
- (C) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा
- (D) अंकिया नट

१३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (13)

- (A) केवल छपाइक रंग देखब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल राजाक नाम याद करब
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

१४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (14)

- (A) केवल लेखकक उमर
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) केवल पुस्तकक आकार
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

१५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (15)

- (A) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (B) केवल राजदरबारक आदेश
- (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (D) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक

१६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “हरिमोहन झा” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) आधुनिक नवजागरण
- (B) आधुनिक गद्य-विनोद
- (C) आधुनिक उपन्यास
- (D) समकालीन वेब-युग

१७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) कीर्तनिया नाटक
- (B) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा
- (C) मणिपद्म
- (D) संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली

१८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (18)

- (A) केवल छपाइक रंग देखब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल राजाक नाम याद करब
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

१९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (19)

- (A) केवल लेखकक उमर
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (D) केवल कागजक रंग

२०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (20)

- (A) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (C) केवल राजदरबारक आदेश
- (D) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक

२१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “संस्थागत मान्यता” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- (B) प्राचीनसँ मध्यकाल धरि
- (C) आधुनिक संस्था-काल
- (D) आधुनिक पत्रिका-परम्परा

२२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “राजकमल चौधरी” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) हरिमोहन झा
- (B) खट्टर ककाक तरंग
- (C) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका
- (D) मिथिला मिहिर

२३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (23)

- (A) केवल छपाइक रंग देखब
- (B) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (C) केवल राजाक नाम याद करब
- (D) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास

२४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (24)

- (A) केवल पुस्तकक आकार
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (D) केवल लेखकक उमर

२५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (25)

- (A) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (B) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (D) केवल राजदरबारक आदेश

२६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “मिथिला विद्या-परम्परा” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (B) बीसम शताब्दी आरम्भक पत्रकारिता
- (C) आधुनिक संस्था-काल
- (D) प्राचीनसँ मध्यकाल धरि

२७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “अंकिया नट” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) अंकिया नट
- (B) कीर्तनिया नाटक
- (C) हरिमोहन झा
- (D) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका

२८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (28)

- (A) केवल छपाइक रंग देखब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल राजाक नाम याद करब
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

२९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (29)

- (A) केवल लेखकक उमर
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

३०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (30)

- (A) केवल राजदरबारक आदेश
- (B) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (D) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक

३१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “कीर्तिलता आ कीर्तिपताका” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (B) आधुनिक गद्य-विनोद
- (C) आधुनिक संस्था-काल
- (D) आधुनिक नवजागरण

३२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “विदेह ई-पत्रिका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) मुद्रण आ पत्र-पत्रिका
- (B) संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली
- (C) वर्णरत्नाकर
- (D) राजकमल चौधरी

३३. “समानान्तर इतिहास” पढ़ाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (33)

- (A) केवल राजाक नाम याद करब
- (B) केवल छपाइक रंग देखब
- (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

३४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (34)

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (D) केवल लेखकक उमर

३५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (35)

- (A) केवल राजदरबारक आदेश
- (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (C) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

३६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “पञ्जी-पोथी परम्परा” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) प्राचीनसँ मध्यकाल धरि
- (B) आधुनिक पत्रिका-परम्परा
- (C) आरम्भिक गद्यकाल
- (D) मध्यकालीनसँ आधुनिक संक्रमण

३७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “हरिमोहन झा” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) मुद्रण आ पत्र-पत्रिका
- (B) मैथिल हित साधन
- (C) कीर्तनिया नाटक
- (D) विदेह ई-पत्रिका

३८. “समानान्तर इतिहास” पढ़ाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (38)

- (A) केवल राजाक नाम याद करब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल छपाइक रंग देखब
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

३९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (39)

- (A) केवल लेखकक उमर
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

४०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (40)

- (A) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (C) केवल राजदरबारक आदेश
- (D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

४१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “कन्यादान” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- (B) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (C) मध्यकालीन/उत्तर-मध्यकालीन विस्तार
- (D) आधुनिक उपन्यास

४२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “कीर्तिलता आ कीर्तिपताका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) नेपालक मल्ल-दरबारमे मैथिली नाटक
- (B) हरिमोहन झा
- (C) मिथिला विद्या-परम्परा
- (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर

४३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (43)

- (A) केवल राजाक नाम याद करब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल छपाइक रंग देखब
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

४४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (44)

- (A) केवल पुस्तकक आकार
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) केवल लेखकक उमर
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

४५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (45)

- (A) केवल राजदरबारक आदेश
- (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (C) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

४६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) आधुनिक मान्यता
- (B) प्राचीनसँ मध्यकाल धरि
- (C) आधुनिक संवेदना
- (D) प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

४७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा
- (B) संस्थागत मान्यता
- (C) मिथिला विद्या-परम्परा
- (D) राजकमल चौधरी

४८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (48)

- (A) केवल छपाइक रंग देखब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल राजाक नाम याद करब
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

४९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (49)

- (A) केवल पुस्तकक आकार
- (B) केवल लेखकक उमर
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

५०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (50)

- (A) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (C) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (D) केवल राजदरबारक आदेश

५१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “अवहट्ट-अपभ्रंशसँ मैथिली अभिव्यक्ति” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) मध्यकालीनसँ आधुनिक संक्रमण
- (B) समकालीन वेब-युग
- (C) आरम्भिक भाषा-धरातल
- (D) मध्यकालीन उत्कर्ष

५२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “मुद्रण आ पत्र-पत्रिका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) अवहट्ट-अपभ्रंशसँ मैथिली अभिव्यक्ति
- (B) अंकिया नट
- (C) मिथिला मिहिर
- (D) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा

५३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (53)

- (A) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल राजाक नाम याद करब
- (D) केवल छपाइक रंग देखब

५४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (54)

- (A) केवल लेखकक उमर
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

५५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (55)

- (A) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (B) केवल राजदरबारक आदेश
- (C) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (D) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल

५६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “कीर्तनिया नाटक” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) मध्यकालीन नाट्य परम्परा
- (B) बीसम शताब्दी आरम्भिक पत्रकारिता
- (C) मध्यकालीनसँ आधुनिक संक्रमण
- (D) समकालीन वेब-युग

५७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर
- (B) खट्टर ककाक तरंग
- (C) राजकमल चौधरी
- (D) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा

५८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (58)

- (A) केवल राजाक नाम याद करब
- (B) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (D) केवल छपाइक रंग देखब

५९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (59)

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल लेखकक उमर
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

६०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (60)

- (A) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (B) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (D) केवल राजदरबारक आदेश

६१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “मुद्रण आ पत्र-पत्रिका” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) समकालीन डिजिटल युग
- (B) आधुनिक नवजागरण
- (C) आरम्भिक मैथिली गद्य
- (D) वैष्णव नाट्य-परम्परा

६२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “राजकमल चौधरी” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) डिजिटल ई-पत्रिका आ वेब-अभिलेख
- (B) लोकगीत आ लोककथा
- (C) हरिमोहन झा
- (D) मिथिला मिहिर

६३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (63)

- (A) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (B) केवल राजाक नाम याद करब
- (C) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (D) केवल छपाइक रंग देखब

६४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (64)

- (A) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) केवल पुस्तकक आकार
- (D) केवल लेखकक उमर

६५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (65)

- (A) केवल राजदरबारक आदेश
- (B) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (D) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक

६६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “खट्टर ककाक तरंग” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) दीर्घ लोक-परम्परा
- (B) आधुनिक कथा-उपन्यास
- (C) आधुनिक व्यंग्य
- (D) मध्यकालीन नाट्य परम्परा

६७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “अंकिया नट” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) मुद्रण आ पत्र-पत्रिका
- (B) मिथिला विद्या-परम्परा
- (C) कन्यादान
- (D) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका

६८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (68)

- (A) केवल छपाइक रंग देखब
- (B) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (C) केवल राजाक नाम याद करब
- (D) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास

६९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (69)

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल लेखकक उमर
- (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (D) केवल पुस्तकक आकार

७०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (70)

- (A) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (B) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (C) केवल राजदरबारक आदेश
- (D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

७१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “डिजिटल ई-पत्रिका आ वेब-अभिलेख” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) दीर्घ लोक-परम्परा
- (B) समकालीन डिजिटल युग
- (C) आधुनिक मान्यता
- (D) समकालीन वेब-युग

७२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “विदेह ई-पत्रिका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) मणिपद्म
- (B) मिथिला विद्या-परम्परा
- (C) नेपालक मल्ल-दरबारमे मैथिली नाटक
- (D) संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली

७३. “समानान्तर इतिहास” पढ़ाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (73)
- (A) केवल छपाइक रंग देखब
(B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
(C) केवल राजाक नाम याद करब
(D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
७४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (74)
- (A) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
(B) केवल पुस्तकक आकार
(C) केवल कागजक रंग
(D) केवल लेखकक उमर
७५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (75)
- (A) केवल राजदरबारक आदेश
(B) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
(C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
(D) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
७६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?
- (A) मध्यकालीन उत्कर्ष
(B) प्राचीनसँ मध्यकाल धरि
(C) मध्यकालीन/उत्तर-मध्यकालीन विस्तार
(D) आरम्भिक गद्यकाल
७७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “हरिमोहन झा” सँ पहिने राखल जाएत?
- (A) संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली
(B) पञ्जी-पोथी परम्परा
(C) राजकमल चौधरी
(D) मुद्रण आ पत्र-पत्रिका
७८. “समानान्तर इतिहास” पढ़ाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (78)
- (A) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
(B) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
(C) केवल छपाइक रंग देखब
(D) केवल राजाक नाम याद करब
७९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (79)
- (A) केवल कागजक रंग
(B) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
(C) केवल पुस्तकक आकार
(D) केवल लेखकक उमर
८०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (80)
- (A) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
(B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
(C) केवल राजदरबारक आदेश
(D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

८१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “नेपालक मल्ल-दरबारमे मैथिली नाटक” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) मध्यकालीन उत्कर्ष
- (B) मध्यकालीन/उत्तर-मध्यकालीन विस्तार
- (C) वैष्णव नाट्य-परम्परा
- (D) मध्यकालीन नाट्य परम्परा

८२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “कीर्तिलता आ कीर्तिपताका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) नेपालक मल्ल-दरबारमे मैथिली नाटक
- (B) विदेह ई-पत्रिका
- (C) मैथिल हित साधन
- (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर

८३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (83)

- (A) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (B) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (C) केवल छपाइक रंग देखब
- (D) केवल राजाक नाम याद करब

८४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (84)

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (C) केवल पुस्तकक आकार
- (D) केवल लेखकक उमर

८५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (85)

- (A) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (B) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (C) केवल राजदरबारक आदेश
- (D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

८६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “मैथिल हित साधन” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) आधुनिक मान्यता
- (B) दीर्घ लोक-परम्परा
- (C) बीसम शताब्दी आरम्भक पत्रकारिता
- (D) आधुनिक गद्य-विनोद

८७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) मुद्रण आ पत्र-पत्रिका
- (B) कीर्तनिया नाटक
- (C) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका
- (D) राजकमल चौधरी

८८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (88)

- (A) केवल राजाक नाम याद करब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल छपाइक रंग देखब
- (D) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब

८९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (89)

- (A) केवल लेखकक उमर
- (B) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) केवल पुस्तकक आकार

९०. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (90)

- (A) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (B) केवल राजदरबारक आदेश
- (C) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (D) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल

९१. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “राजकमल चौधरी” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) आधुनिक व्यंग्य
- (B) बीसम शताब्दी आरम्भक पत्रकारिता
- (C) आधुनिक संवेदना
- (D) मध्यकालीन/उत्तर-मध्यकालीन विस्तार

९२. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “मुद्रण आ पत्र-पत्रिका” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) अंकिया नट
- (B) मिथिला विद्या-परम्परा
- (C) मिथिला मिहिर
- (D) अवहट्ठ-अपभ्रंशसँ मैथिली अभिव्यक्ति

९३. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (93)

- (A) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (C) केवल छपाइक रंग देखब
- (D) केवल राजाक नाम याद करब

९४. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (94)

- (A) केवल पुस्तकक आकार
- (B) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन
- (C) केवल लेखकक उमर
- (D) केवल कागजक रंग

९५. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (95)

- (A) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (B) केवल राजदरबारक आदेश
- (C) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (D) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक

९६. मैथिली साहित्यक कालक्रम बनबैत काल “विदेह ई-पत्रिका” केँ मुख्य रूपेँ कोन रूपमे देखल जाएत?

- (A) समकालीन वेब-युग
- (B) मध्यकालीन उत्कर्ष
- (C) आधुनिक व्यंग्य
- (D) आधुनिक संस्था-काल

९७. कालक्रमक दृष्टिसँ निम्नमे कोन प्रवृत्ति “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” सँ पहिने राखल जाएत?

- (A) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा
- (B) लोकगीत आ लोककथा
- (C) कीर्तनिया नाटक
- (D) संस्थागत मान्यता

९८. “समानान्तर इतिहास” पढ़बाक समय केवल वर्ष-तिथि नहि, आर कोन बात पर ध्यान देबाक चाही? (98)

- (A) केवल प्रश्नक क्रमांक देखब
- (B) केवल राजाक नाम याद करब
- (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास
- (D) केवल छपाइक रंग देखब

९९. मैथिली साहित्यक आवधिक विभाजनमे “प्रारम्भिक, मध्य, आधुनिक” काजक आधार मुख्यतः की अछि? (99)

- (A) केवल लेखकक उमर
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) केवल पुस्तकक आकार
- (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन

१००. मैथिली साहित्यक कालक्रममे “लोकसाहित्य” केँ कोना देखब उचित अछि? (100)

- (A) केवल बीसम शताब्दीक छपल पुस्तक
- (B) केवल राजदरबारक आदेश
- (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल
- (D) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद

s2

१०१. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) जन-सम्पर्कक भाषा
- (B) लिखित संरक्षण
- (C) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (D) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति

१०२. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा
- (D) केवल पन्नाक रंग

१०३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) बौद्धिक धरातल
- (D) भाषा-सांस्कृतिक स्रोत

१०४. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ट” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

१०५. कालक्रमक दृष्टिसँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (5)

- (A) लिपि-परम्परा
- (B) बौद्धिक धरातल
- (C) साहित्यिक आश्रय
- (D) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल

१०६. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (B) मौखिक साहित्य
- (C) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (D) लिखित संरक्षण

१०७. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (7)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ

१०८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१०९. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

११०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (10)

- (A) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (B) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति

१११. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (B) साहित्यिक आश्रय
- (C) लिखित संरक्षण
- (D) विद्यापति-पूर्व धरातल

११२. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा

११३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) बौद्धिक धरातल

११४. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ट” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

११५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (15)

- (A) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (B) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (C) लिपि-परम्परा
- (D) बौद्धिक धरातल

११६. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (B) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (C) लिखित संरक्षण
- (D) साहित्यिक आश्रय

११७. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (17)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (D) केवल पन्नाक रंग

११८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

११९. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

१२०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (20)

- (A) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (B) साहित्यिक आश्रय
- (C) लिखित संरक्षण
- (D) विद्यापति-पूर्व धरातल

१२१. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक आश्रय
- (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (C) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (D) विद्यापति-पूर्व धरातल

१२२. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा

१२३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) बौद्धिक धरातल
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

१२४. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ट” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) रेल-किराया
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

१२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (B) लिपि-परम्परा
- (C) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (D) दार्शनिक पृष्ठभूमि

१२६. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (B) बौद्धिक धरातल
- (C) लिखित संरक्षण
- (D) साहित्यिक आश्रय

१२७. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (27)

- (A) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

१२८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) जन-सम्पर्कक भाषा
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

१२९. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

१३०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) मौखिक साहित्य
- (B) साहित्यिक आश्रय
- (C) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (D) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति

१३१. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (C) मौखिक साहित्य
- (D) साहित्यिक आश्रय

१३२. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (32)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा
- (D) केवल पन्नाक रंग

१३३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) बौद्धिक धरातल
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१३४. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ठ” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

१३५. कालक्रमक दृष्टिसँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) लिपि-परम्परा
- (C) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (D) लिखित संरक्षण

१३६. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) साहित्यिक आश्रय
- (C) लिखित संरक्षण
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१३७. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

१३८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

१३९. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

१४०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) लिखित संरक्षण
- (C) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (D) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति

१४१. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक आश्रय
- (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (C) लिपि-परम्परा
- (D) विद्यापति-पूर्व धरातल

१४२. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा

१४३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) बौद्धिक धरातल

१४४. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ट” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

१४५. कालक्रमक दृष्टिसँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) लिपि-परम्परा
- (B) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (C) साहित्यिक आश्रय
- (D) दार्शनिक पृष्ठभूमि

१४६. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) लिखित संरक्षण
- (B) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (C) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१४७. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ

१४८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१४९. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

१५०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (B) लिपि-परम्परा
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) विद्यापति-पूर्व धरातल

१५१. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) जन-सम्पर्कक भाषा
- (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (C) मौखिक साहित्य
- (D) बौद्धिक धरातल

१५२. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल आवरणक चमक

१५३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) बौद्धिक धरातल
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१५४. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ठ” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

१५५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) लिपि-परम्परा
- (B) मौखिक साहित्य
- (C) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (D) लिखित संरक्षण

१५६. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) जन-सम्पर्कक भाषा
- (B) लिखित संरक्षण
- (C) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (D) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति

१५७. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

१५८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

१५९. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१६०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (B) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (C) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१६१. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (B) बौद्धिक धरातल
- (C) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१६२. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा

१६३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) बौद्धिक धरातल
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

१६४. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ट” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) लिपि-परम्परा
- (B) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (C) साहित्यिक आश्रय
- (D) दार्शनिक पृष्ठभूमि

१६६. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) लिपि-परम्परा
- (B) लिखित संरक्षण
- (C) मौखिक साहित्य
- (D) साहित्यिक आश्रय

१६७. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (67)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

१६८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१६९. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

१७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) जन-सम्पर्कक भाषा
- (C) मौखिक साहित्य
- (D) लिपि-परम्परा

१७१. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) बौद्धिक धरातल
- (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (C) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (D) लिपि-परम्परा

१७२. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा

१७३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) बौद्धिक धरातल
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१७४. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ट” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (C) लिखित संरक्षण
- (D) लिपि-परम्परा

१७६. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) लिखित संरक्षण
- (B) साहित्यिक आश्रय
- (C) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (D) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल

१७७. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (D) केवल छपाइक आकार

१७८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१७९. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) मौखिक साहित्य
- (B) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (C) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१८१. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (C) साहित्यिक आश्रय
- (D) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल

१८२. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

१८३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) बौद्धिक धरातल
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

१८४. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ट” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१८५. कालक्रमक दृष्टिसँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) मौखिक साहित्य
- (B) लिपि-परम्परा
- (C) जन-सम्पर्कक भाषा
- (D) विद्यापति-पूर्व धरातल

१८६. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (C) लिपि-परम्परा
- (D) लिखित संरक्षण

१८७. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

१८८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) जन-सम्पर्कक भाषा
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१८९. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

१९०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) लिखित संरक्षण
- (C) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (D) बौद्धिक धरातल

१९१. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि मे “विदेह-जनक परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) लिपि-परम्परा
- (B) मौखिक साहित्य
- (C) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति
- (D) लिखित संरक्षण

१९२. आरम्भिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा
- (D) केवल पन्नाक रंग

१९३. “मिथिला न्याय-मीमांसा” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) बौद्धिक धरातल
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१९४. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “अवहट्ठ” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

१९५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “तिरहुता/मिथिलाक्षर” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) मैथिली-पूर्व भाषिक धरातल
- (B) लिपि-परम्परा
- (C) साहित्यिक आश्रय
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१९६. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि मे “पाण्डुलिपि परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापति-पूर्व धरातल
- (B) लिखित संरक्षण
- (C) बौद्धिक धरातल
- (D) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति

१९७. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (97)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

१९८. “लोकभाषाक उदय” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) जन-सम्पर्कक भाषा

१९९. आरम्भिक मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमिमे “संस्कार-गीतक परम्परा” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

२००. कालक्रमक दृष्टिसेँ “प्राक्-विद्यापति तैयारी” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) लिपि-परम्परा
- (B) साहित्यिक आश्रय
- (C) दार्शनिक पृष्ठभूमि
- (D) विद्यापति-पूर्व धरातल

२०१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (B) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (C) नायक-नायिका/शृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (D) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम

२०२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन

२०३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास

२०४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

२०५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (5)

- (A) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (C) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२०६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (C) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज

२०७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (7)

- (A) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

२०८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

२०९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

२१०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (10)

- (A) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (B) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (C) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२११. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (B) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (C) नायक-नायिका/शृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२१२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

२१३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

२१४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

२१५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (15)

- (A) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (B) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (C) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज

२१६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (B) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन

२१७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (17)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली

२१८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

२१९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

२२०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (20)

- (A) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (B) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (C) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (D) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार

२२१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (B) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (C) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (D) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार

२२२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

२२३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

२२४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

२२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (B) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन

२२६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (B) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास

२२७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (27)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

२२८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

२२९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

२३०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (B) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (C) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (D) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार

२३१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (B) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (C) नायक-नायिका / शृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२३२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (32)

- (A) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

२३३. “कल्लोल-विभाजन” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

२३४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

२३५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) नायक-नायिका/शृङ्गार-वर्णनसेँ जुड़ल भाग
- (B) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (C) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२३६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (B) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन

२३७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

२३८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

२३९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

२४०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (B) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (C) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज

२४१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (B) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (C) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (D) पुरातन मैथिली गद्यक रूप

२४२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन
- (D) केवल आवरणक चमक

२४३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

२४४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

२४५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (B) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२४६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (B) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२४७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली

२४८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

२४९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

२५०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (B) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (C) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२५१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (B) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (C) नायक-नायिका/शृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (D) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम

२५२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन

२५३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास

२५४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

२५५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (B) पुरातन मैथिली गद्यक रूप
- (C) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२५६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) नायक-नायिका/शृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (B) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (C) पुरातन मैथिली गद्यक रूप
- (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज

२५७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली
- (D) केवल छपाइक आकार

२५८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

२५९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

२६०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (B) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (C) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (D) पुरातन मैथिली गद्यक रूप

२६१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) नायक-नायिका/भृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (B) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (C) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज

२६२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

२६३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास

२६४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

२६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (B) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (C) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२६६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (B) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (C) पुरातन मैथिली गद्यक रूप
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२६७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (67)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली

२६८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२६९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

२७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) पुरातन मैथिली गद्यक रूप
- (B) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (C) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२७१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (B) पुरातन मैथिली गद्यक रूप
- (C) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (D) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन

२७२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन
- (D) केवल आवरणक चमक

२७३. “कल्लोल-विभाजन” कें कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास

२७४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

२७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” कें कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (C) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (D) वर्णनात्मक गद्य-कृति

२७६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (B) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम

२७७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

२७८. “वर्णन-परम्परा” कें कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

२७९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

२८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” कें कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (B) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (C) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (D) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास

२८१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (B) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन

२८२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन

२८३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

२८४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

२८५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (C) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२८६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (B) नायक-नायिका/शृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२८७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली

२८८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२८९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

२९०. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) पुरातन मैथिली गद्यक रूप
- (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (C) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज

२९१. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “ज्योतिरीश्वर ठाकुर” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (B) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (C) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (D) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास

२९२. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन

२९३. “कल्लोल-विभाजन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) कृतिक आन्तरिक खण्ड-विन्यास
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

२९४. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “द्वितीय कल्लोल” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

२९५. कालक्रमक दृष्टिसँ “गद्यक आरम्भिक रूप” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) वर्ग, पेशा, स्त्री-पुरुष आ लोकाचार
- (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (C) वर्णनात्मक गद्य-कृति
- (D) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण

२९६. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समय मे “नगर-वर्णन” क महत्त्व की अछि?

- (A) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज
- (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन
- (C) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम
- (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न

२९७. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (97)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

२९८. “वर्णन-परम्परा” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) सूची, रूपक, उपमा आ दृश्य-निर्माण
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

२९९. ज्योतिरीश्वर आ वर्णरत्नाकरक समयमे “समाजक झलक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

३००. कालक्रमक दृष्टिसँ “आलोचनात्मक महत्त्व” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) पुरातन मैथिली गद्यक रूप
- (B) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न
- (C) नायक-नायिका/भृङ्गार-वर्णनसँ जुड़ल भाग
- (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज

s4

३०१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (B) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (D) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य

३०२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता

३०३. “शृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाव-द्वैतक मिलन
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

३०४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

३०५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (5)

- (A) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (B) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध

३०६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (B) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (C) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (D) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य

३०७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (7)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) वैष्णव भाव आ गीत
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

३०८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध

३०९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

३१०. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (10)

- (A) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (C) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (D) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर

३११. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) गीतात्मक काव्य-परम्परा

३१२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

३१३. “श्रृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) भाव-द्वैतक मिलन

३१४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

३१५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (15)

- (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (B) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (C) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (D) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर

३१६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (C) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३१७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (17)

- (A) वैष्णव भाव आ गीत
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

३१८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

३१९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

३२०. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (20)

- (A) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (B) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (C) वैष्णव काव्य-संवेदना
- (D) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार

३२१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (C) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (D) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप

३२२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (D) केवल छपाइक आकार

३२३. “श्रृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) भाव-द्वैतक मिलन
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

३२४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

३२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध

३२६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३२७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (27)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) वैष्णव भाव आ गीत
- (D) केवल पन्नाक रंग

३२८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

३२९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

३३०. कालक्रमक दृष्टिँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (B) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (C) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (D) भाव-द्वैतक मिलन

३३१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (B) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर

३३२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (32)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

३३३. “शृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाव-द्वैतक मिलन
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

३३४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

३३५. कालक्रमक दृष्टिँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (B) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर

३३६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (B) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (C) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (D) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध

३३७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) वैष्णव भाव आ गीत

३३८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

३३९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

३४०. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) भाव-द्वैतक मिलन
- (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (C) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (D) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य

३४१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (C) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (D) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर

३४२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

३४३. “श्रृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) भाव-द्वैतक मिलन

३४४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

३४५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (B) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (C) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (D) वैष्णव काव्य-संवेदना

३४६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (B) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (C) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (D) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप

३४७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) वैष्णव भाव आ गीत
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल आवरणक चमक

३४८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

३४९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

३५०. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) भाव-द्वैतक मिलन
- (C) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (D) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर

३५१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (C) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३५२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (D) केवल छपाइक आकार

३५३. “शृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) भाव-द्वैतक मिलन
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

३५४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

३५५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (C) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (D) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर

३५६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (B) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (D) भाव-द्वैतक मिलन

३५७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) वैष्णव भाव आ गीत
- (D) केवल आवरणक चमक

३५८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध

३५९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

३६०. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (B) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) वैष्णव काव्य-संवेदना

३६१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) वैष्णव काव्य-संवेदना
- (B) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (D) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर

३६२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

३६३. “श्रृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाव-द्वैतक मिलन
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

३६४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

३६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) भाव-द्वैतक मिलन
- (B) वैष्णव काव्य-संवेदना
- (C) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३६६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३६७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (67)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) वैष्णव भाव आ गीत

३६८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

३६९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

३७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (B) वैष्णव काव्य-संवेदना
- (C) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (D) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर

३७१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) वैष्णव काव्य-संवेदना
- (B) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३७२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (D) केवल आवरणक चमक

३७३. “श्रृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) भाव-द्वैतक मिलन

३७४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

३७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (C) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (D) भाव-द्वैतक मिलन

३७६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (C) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (D) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध

३७७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) वैष्णव भाव आ गीत
- (D) केवल छपाइक आकार

३७८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

३७९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

३८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (B) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (C) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (D) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर

३८१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (B) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (C) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (D) वैष्णव काव्य-संवेदना

३८२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

३८३. “श्रृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) भाव-द्वैतक मिलन
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

३८४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

३८५. कालक्रमक दृष्टिँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (C) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३८६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (B) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (C) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (D) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य

३८७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) वैष्णव भाव आ गीत
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

३८८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

३८९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

३९०. कालक्रमक दृष्टिँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य
- (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (C) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (D) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप

३९१. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “विद्यापति” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (B) गीतात्मक काव्य-परम्परा
- (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

३९२. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

३९३. “शृंगार आ भक्ति” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) भाव-द्वैतक मिलन
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

३९४. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “कीर्तिलता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

३९५. कालक्रमक दृष्टिसँ “कीर्तिपताका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) वैष्णव काव्य-संवेदना
- (B) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (C) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप
- (D) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य

३९६. विद्यापति युग आ पदावली परम्परा मे “भाषाक मधुरता” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव
- (B) भाव-द्वैतक मिलन
- (C) वैष्णव काव्य-संवेदना
- (D) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप

३९७. विद्यापति युग आ पदावली परम्पराक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (97)

- (A) वैष्णव भाव आ गीत
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

३९८. “लोकगायन पर प्रभाव” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

३९९. विद्यापति युग आ पदावली परम्परामे “प्रेम-विरह” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

४००. कालक्रमक दृष्टिसँ “विद्यापति-उत्तर प्रभाव” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) मौखिक-संगीत परम्परासँ सम्बन्ध
- (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर
- (C) मानवीय भावक काव्यात्मक विस्तार
- (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव

४०१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) नाट्यक संगीत-आधार
- (D) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल

४०२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा

४०३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

४०४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

४०५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (5)

- (A) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (B) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) नाट्यक संगीत-आधार

४०६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) वैष्णव नाट्य-साहित्यिक मिश्रित भाषा-संसार
- (B) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) नाट्यक संगीत-आधार

४०७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (7)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

४०८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

४०९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

४१०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (10)

- (A) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (B) नाट्यक संगीत-आधार
- (C) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (D) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल

४११. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (C) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (D) नाट्यक संगीत-आधार

४१२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

४१३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

४१४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

४१५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (15)

- (A) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (B) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (C) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (D) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम

४१६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (B) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (C) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (D) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार

४१७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (17)

- (A) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

४१८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार

४१९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

४२०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (20)

- (A) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (D) नाट्यक संगीत-आधार

४२१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (C) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (D) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र

४२२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

४२३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

४२४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

४२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (B) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (C) नाट्यक संगीत-आधार
- (D) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र

४२६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) नाट्यक संगीत-आधार
- (C) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (D) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ

४२७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (27)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य

४२८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

४२९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

४३०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) नाट्यक संगीत-आधार
- (C) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (D) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति

४३१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (B) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (C) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप

४३२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (32)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

४३३. “पारिजातहरण” कै कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति

४३४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

४३५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” कै कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (C) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (D) वैष्णव नाट्य-साहित्यिक मिश्रित भाषा-संसार

४३६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) नाट्यक संगीत-आधार
- (B) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार

४३७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

४३८. “गीत-संवाद” कै कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

४३९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

४४०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” कै कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (C) नाट्यक संगीत-आधार
- (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप

४४१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (C) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (D) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार

४४२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

४४३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

४४४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) रेल-किराया
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

४४५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (B) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (C) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप

४४६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (B) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) नाट्यक संगीत-आधार

४४७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य

४४८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

४४९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

४५०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (C) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (D) नाट्यक संगीत-आधार

४५१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (B) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र
- (C) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (D) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल

४५२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

४५३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति

४५४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

४५५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (C) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (D) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार

४५६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (D) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ

४५७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

४५८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

४५९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

४६०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र
- (B) नाट्यक संगीत-आधार
- (C) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (D) वैष्णव नाट्य-साहित्यिक मिश्रित भाषा-संसार

४६१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (C) नाट्यक संगीत-आधार
- (D) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ

४६२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा

४६३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

४६४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

४६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (B) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र
- (C) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (D) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ

४६६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) नाट्यक संगीत-आधार
- (B) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (C) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (D) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र

४६७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (67)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य

४६८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

४६९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

४७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (B) नाट्यक संगीत-आधार
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप

४७१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (C) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र
- (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप

४७२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा

४७३. “पारिजातहरण” कैं कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

४७४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

४७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” कैं कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) वैष्णव नाट्य-साहित्यिक मिश्रित भाषा-संसार
- (B) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (C) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप

४७६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) वैष्णव नाट्य-साहित्यिक मिश्रित भाषा-संसार
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार

४७७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

४७८. “गीत-संवाद” कैं कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

४७९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

४८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” कैं कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) नाट्यक संगीत-आधार
- (B) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार

४८१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (B) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (C) नाट्यक संगीत-आधार
- (D) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम

४८२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

४८३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति

४८४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

४८५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप

४८६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (B) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (C) कीर्तनिया नाट्य-परम्परासँ जुड़ल नाम
- (D) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ

४८७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

४८८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार

४८९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

४९०. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार
- (B) नाट्यक संगीत-आधार
- (C) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (D) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार

४९१. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “कीर्तनिया नाटक” क महत्त्व की अछि?

- (A) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल
- (D) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ

४९२. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा

४९३. “पारिजातहरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

४९४. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “नेपालक मल्ल दरबार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

४९५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अंकिया नट” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार
- (B) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप
- (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (D) मैथिली नाटकक दरबारी विस्तार

४९६. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपाल मे “भाओना” क महत्त्व की अछि?

- (A) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ
- (B) वैष्णव नाट्य-साहित्यक मिश्रित भाषा-संसार
- (C) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (D) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार

४९७. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (97)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

४९८. “गीत-संवाद” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) मध्यकालीन नाटकक संरचनात्मक आधार

४९९. मध्यकालीन नाटक, कीर्तनिया, अंकिया आ नेपालमे “सूत्रधार” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

५००. कालक्रमक दृष्टिसँ “राग-ताल” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) वैष्णव नाट्य-साहित्यिक मिश्रित भाषा-संसार
- (B) कीर्तनिया नाटकक उल्लेखनीय कृति
- (C) नाट्यक संगीत-आधार
- (D) मंच-सम्पर्क आ कथा-परिचयक पात्र

s6

५०१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) मौखिक काव्य-परम्परा
- (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना

५०२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता

५०३. “लोकनाट्य” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

५०४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

५०५. कालक्रमक दृष्टिसे “पाण्डुलिपि” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (5)

- (A) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल

५०६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (D) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य

५०७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (7)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म

५०८. “कहावत” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

५०९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

५१०. कालक्रमक दृष्टिसे “स्त्री-स्वर” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (10)

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (C) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (D) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य

५११. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (D) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा

५१२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता
- (D) केवल आवरणक चमक

५१३. “लोकनाट्य” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

५१४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

५१५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “पाण्डुलिपि” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (15)

- (A) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (B) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५१६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (C) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना

५१७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (17)

- (A) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

५१८. “कहावत” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य

५१९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

५२०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “स्त्री-स्वर” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (20)

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना

५२१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (B) मौखिक काव्य-परम्परा
- (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (D) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा

५२२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता
- (D) केवल आवरणक चमक

५२३. “लोकनाट्य” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा

५२४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

५२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (D) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत

५२६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत

५२७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (27)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म

५२८. “कहावत” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

५२९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

५३०. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५३१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल

५३२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (32)

- (A) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल आवरणक चमक

५३३. “लोकनाट्य” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

५३४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

५३५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना

५३६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (C) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (D) मौखिक काव्य-परम्परा

५३७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

५३८. “कहावत” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

५३९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

५४०. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (B) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत

५४१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (B) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (C) मौखिक काव्य-परम्परा
- (D) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा

५४२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता

५४३. “लोकनाट्य” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

५४४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

५४५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५४६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (B) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत

५४७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

५४८. “कहावत” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

५४९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

५५०. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना

५५१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (D) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य

५५२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता

५५३. “लोकनाट्य” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

५५४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

५५५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” के कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (B) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५५६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (B) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत

५५७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म

५५८. “कहावत” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

५५९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

५६०. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” के कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (B) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) मौखिक काव्य-परम्परा

५६१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५६२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता

५६३. “लोकनाट्य” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

५६४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

५६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख

५६६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (B) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत

५६७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (67)

- (A) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

५६८. “कहावत” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

५६९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

५७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (B) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (C) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५७१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५७२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता

५७३. “लोकनाट्य” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

५७४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

५७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (B) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (C) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना

५७६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) मौखिक काव्य-परम्परा
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (D) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत

५७७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

५७८. “कहावत” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

५७९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

५८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (C) ऋतु आ पूजा-संस्कृतिक गीत
- (D) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत

५८१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (B) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (D) मौखिक काव्य-परम्परा

५८२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

५८३. “लोकनाट्य” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा

५८४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

५८५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत

५८६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत

५८७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

५८८. “कहावत” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

५८९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

५९०. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (C) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (D) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख

५९१. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “लोकगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) पुरान पाठक लिखित संरक्षण
- (B) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (C) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (D) मौखिक काव्य-परम्परा

५९२. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता
- (D) केवल छपाइक आकार

५९३. “लोकनाट्य” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) गामक सामुदायिक अभिनय-परम्परा
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

५९४. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पञ्जी” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

५९५. कालक्रमक दृष्टिसँ “पाण्डुलिपि” के कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (B) लोक-बुद्धि आ भाषा-खेल
- (C) मौखिक काव्य-परम्परा
- (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण

५९६. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाज मे “संस्कार-गीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत
- (B) वंशावली आ सामाजिक अभिलेख
- (C) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत
- (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना

५९७. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (97)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म
- (D) केवल आवरणक चमक

५९८. “कहावत” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

५९९. लोकसाहित्य, पञ्जी, पाण्डुलिपि आ समाजमे “पहेली” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

६००. कालक्रमक दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” के कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त वाक्य
- (C) मौखिक काव्य-परम्परा
- (D) लोक-ज्ञान आ मनोरंजनक कथा-स्रोत

६०१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) विचार-निर्माणक मंच
- (B) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार
- (C) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (D) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण

६०२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)

- (A) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

६०३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका

६०४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

६०५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (5)

- (A) विचार-निर्माणक मंच
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार

६०६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (B) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार
- (C) विचार-निर्माणक मंच
- (D) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता

६०७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (7)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (D) केवल आवरणक चमक

६०८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

६०९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

६१०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (10)

- (A) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (B) आधुनिक चेतनाक अंग
- (C) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (D) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण

६११. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) नव पाठक-समाज
- (B) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण

६१२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (D) केवल पन्नाक रंग

६१३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

६१४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

६१५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (15)

- (A) आधुनिक चेतनाक अंग
- (B) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (C) भौगोलिक विस्तार
- (D) विचार-निर्माणक मंच

६१६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता
- (B) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (C) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (D) विचार-निर्माणक मंच

६१७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (17)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

६१८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख

६१९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

६२०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (20)

- (A) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) आधुनिक चेतनाक अंग
- (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार

६२१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (B) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता
- (C) नव पाठक-समाज
- (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार

६२२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

६२३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

६२४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

६२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार
- (B) भौगोलिक विस्तार
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण

६२६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (B) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (C) विचार-निर्माणक मंच
- (D) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता

६२७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (27)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

६२८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

६२९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

६३०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) आधुनिक चेतनाक अंग
- (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार

६३१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) नव पाठक-समाज
- (B) आधुनिक चेतनाक अंग
- (C) भौगोलिक विस्तार
- (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार

६३२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (32)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव

६३३. “मिथिला मिहिर” कें कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

६३४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

६३५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” कें कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) विचार-निर्माणक मंच
- (B) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) भौगोलिक विस्तार

६३६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) आधुनिक चेतनाक अंग
- (B) विचार-निर्माणक मंच
- (C) भौगोलिक विस्तार
- (D) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार

६३७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

६३८. “पत्रिका-विशेषांक” कें कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

६३९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

६४०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” कें कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता
- (D) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख

६४१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (B) विचार-निर्माणक मंच
- (C) भौगोलिक विस्तार
- (D) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार

६४२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव

६४३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका

६४४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

६४५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) भौगोलिक विस्तार
- (B) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (C) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (D) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता

६४६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विचार-निर्माणक मंच
- (B) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (C) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (D) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण

६४७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल आवरणक चमक

६४८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख

६४९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

६५०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) आधुनिक चेतनाक अंग
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) विचार-निर्माणक मंच
- (D) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण

६५१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार
- (B) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (C) विचार-निर्माणक मंच
- (D) भौगोलिक विस्तार

६५२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

६५३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका

६५४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

६५५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) आधुनिक चेतनाक अंग
- (B) नव पाठक-समाज
- (C) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार
- (D) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण

६५६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विचार-निर्माणक मंच
- (B) आधुनिक चेतनाक अंग
- (C) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार
- (D) भौगोलिक विस्तार

६५७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) शिक्षा आ पाठक-समाज

६५८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

६५९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

६६०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (B) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (C) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (D) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख

६६१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता
- (B) विचार-निर्माणक मंच
- (C) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (D) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका

६६२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

६६३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

६६४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) रेल-किराया
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

६६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) विचार-निर्माणक मंच

६६६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) नव पाठक-समाज
- (B) विचार-निर्माणक मंच
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) भौगोलिक विस्तार

६६७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (67)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

६६८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

६६९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) रेल-किराया
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

६७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) भौगोलिक विस्तार
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) विचार-निर्माणक मंच
- (D) आधुनिक चेतनाक अंग

६७१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) आधुनिक चेतनाक अंग
- (D) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका

६७२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (D) केवल छपाइक आकार

६७३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका

६७४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

६७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) विचार-निर्माणक मंच
- (B) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) आधुनिक चेतनाक अंग

६७६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (B) विचार-निर्माणक मंच
- (C) भौगोलिक विस्तार
- (D) नव पाठक-समाज

६७७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

६७८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख

६७९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

६८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) विचार-निर्माणक मंच
- (D) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार

६८१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता
- (B) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (C) नव पाठक-समाज
- (D) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार

६८२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (D) केवल आवरणक चमक

६८३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

६८४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

६८५. कालक्रमक दृष्टिसँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (B) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (C) आधुनिक चेतनाक अंग
- (D) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता

६८६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) भौगोलिक विस्तार
- (B) विचार-निर्माणक मंच
- (C) नव पाठक-समाज
- (D) आधुनिक चेतनाक अंग

६८७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (D) केवल छपाइक आकार

६८८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

६८९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

६९०. कालक्रमक दृष्टिँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (B) आरम्भिक मैथिली पत्रकारिता
- (C) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (D) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार

६९१. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “मुद्रणक आगमन” क महत्त्व की अछि?

- (A) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (B) विचार-निर्माणक मंच
- (C) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (D) भौगोलिक विस्तार

६९२. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव
- (D) केवल पन्नाक रंग

६९३. “मिथिला मिहिर” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) प्रभावशाली आधुनिक पत्रिका

६९४. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “समाज-सुधार लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

६९५. कालक्रमक दृष्टिँ “भाषा-आन्दोलन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) भौगोलिक विस्तार
- (B) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (D) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण

६९६. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिका मे “सम्पादकीय परम्परा” क महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण
- (B) आधुनिक चेतनाक अंग
- (C) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (D) विचार-निर्माणक मंच

६९७. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकाक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (97)

- (A) शिक्षा आ पाठक-समाज
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

६९८. “पत्रिका-विशेषांक” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख

६९९. नवजागरण, मुद्रण आ पत्र-पत्रिकामे “प्रवासी मैथिल लेखन” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

७००. कालक्रमक दृष्टिसँ “ई-पत्रिका” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) विषय-केन्द्रित साहित्यिक अभिलेख
- (B) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार
- (C) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण
- (D) नव पाठक-समाज

s8

७०१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (B) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (C) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (D) आधुनिक सामाजिक उपन्यास

७०२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

७०३. “द्विरागमन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७०४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

७०५. कालक्रमक दृष्टिसे “राजकमल चौधरी” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (5)

- (A) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (D) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप

७०६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (B) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (C) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (D) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि

७०७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (7)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत
- (D) केवल आवरणक चमक

७०८. “निबंध” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

७०९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

७१०. कालक्रमक दृष्टिसे “कथा-परम्परा” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (10)

- (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (B) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (C) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (D) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप

७११. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (B) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (C) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (D) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप

७१२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल आवरणक चमक

७१३. “द्विरागमन” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७१४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

७१५. कालक्रमक दृष्टिसे “राजकमल चौधरी” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (15)

- (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (C) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (D) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि

७१६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७१७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (17)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत
- (D) केवल छपाइक आकार

७१८. “निबंध” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य

७१९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

७२०. कालक्रमक दृष्टिसे “कथा-परम्परा” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (20)

- (A) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७२१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (B) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (C) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (D) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप

७२२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

७२३. “द्विरागमन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७२४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

७२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (C) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७२६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (C) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७२७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (27)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत

७२८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

७२९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) रेल-किराया
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

७३०. कालक्रमक दृष्टिसँ “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (B) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (C) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७३१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (B) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (C) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (D) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि

७३२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (32)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न

७३३. “द्विरागमन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

७३४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

७३५. कालक्रमक दृष्टिसँ “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (B) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (C) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (D) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि

७३६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (C) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (D) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य

७३७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

७३८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

७३९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

७४०. कालक्रमक दृष्टिसँ “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (C) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (D) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य

७४१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (C) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७४२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल आवरणक चमक

७४३. “द्विरागमन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७४४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

७४५. कालक्रमक दृष्टिसे “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (B) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (C) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (D) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य

७४६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (B) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (C) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (D) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि

७४७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत

७४८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

७४९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

७५०. कालक्रमक दृष्टिसे “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) आधुनिक सामाजिक उपन्यास
- (B) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (C) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७५१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (B) आधुनिक सामाजिक उपन्यास
- (C) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७५२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न

७५३. “द्विरागमन” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७५४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

७५५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (C) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (D) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य

७५६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (C) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७५७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत
- (D) केवल छपाइक आकार

७५८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य

७५९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

७६०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (B) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (C) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (D) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य

७६१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (D) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप

७६२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

७६३. “द्विरागमन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

७६४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

७६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (B) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (C) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (D) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप

७६६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (C) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (D) आधुनिक सामाजिक उपन्यास

७६७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (67)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत

७६८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

७६९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

७७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (C) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

७७१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (D) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि

७७२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न
- (D) केवल पन्नाक रंग

७७३. “द्विरागमन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) सामाजिक गद्य-परम्परा

७७४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

७७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) आधुनिक सामाजिक उपन्यास
- (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (C) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (D) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य

७७६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (C) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (D) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य

७७७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

७७८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य

७७९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

७८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (D) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य

७८१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (B) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (C) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (D) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य

७८२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न

७८३. “द्विरागमन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

७८४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

७८५. कालक्रमक दृष्टिसे “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (B) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (C) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (D) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि

७८६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (C) संक्षिप्त आधुनिक कथा-रूप
- (D) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि

७८७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत
- (C) केवल छपाइक आकार
- (D) केवल पन्नाक रंग

७८८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

७८९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

७९०. कालक्रमक दृष्टिसे “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य
- (D) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप

७९१. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “हरिमोहन झा” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (B) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (C) आधुनिक सामाजिक उपन्यास
- (D) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य

७९२. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

७९३. “द्विरागमन” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

७९४. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “खट्टर ककाक तरंग” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) रेल-किराया
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

७९५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “राजकमल चौधरी” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) तर्कप्रधान हास्य-व्यंग्य
- (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (C) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (D) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप

७९६. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटक मे “मणिपद्म” क महत्त्व की अछि?

- (A) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि
- (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य
- (C) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार
- (D) आधुनिक सामाजिक उपन्यास

७९७. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (97)

- (A) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

७९८. “निबंध” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) विचार, समाज आ भाषा-चर्चाक गद्य

७९९. आधुनिक गद्य, कथा, उपन्यास आ नाटकमे “आधुनिक नाटक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

८००. कालक्रमक दृष्टिसेँ “कथा-परम्परा” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि
- (B) सामाजिक गद्य-परम्परा
- (C) सामाजिक समस्या आ मंचक नय रूप
- (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार

१. (C) प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — एहि धरातलमे विदेह, जनक, याज्ञवल्क्य, गार्गी-मैत्रेयी सन वैदिक-सांस्कृतिक स्मृति साहित्यक दूरस्थ आधार बनैत अछि।
२. (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — ज्योतिरीश्वर ठाकुर कालक्रममे कीर्तिलता आ कीर्तिपताका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
३. (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
४. (B) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
५. (D) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
६. (D) मध्यकालीन उत्कर्ष — विद्यापतिक पदावली मैथिली काव्य, गीत आ भाव-परम्पराक शिखर रूपमे देखल जाइत अछि।
७. (A) राजकमल चौधरी — राजकमल चौधरी कालक्रममे संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
८. (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
९. (A) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
१०. (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
११. (A) दीर्घ लोक-परम्परा — संस्कार, पर्व, श्रम, प्रेम आ लोक-नैतिकता लोकसाहित्यक आधार बनैत अछि।
१२. (D) अंकिया नट — अंकिया नट कालक्रममे मुद्रण आ पत्र-पत्रिका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
१३. (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
१४. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
१५. (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
१६. (B) आधुनिक गद्य-विनोद — हरिमोहन झा आधुनिक मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य आ उपन्यास-परम्पराक महत्त्वपूर्ण नाम छथि।
१७. (B) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा — प्राचीन विदेह-जनक परम्परा कालक्रममे ज्योतिरीश्वर ठाकुर सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
१८. (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
१९. (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
२०. (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
२१. (C) आधुनिक संस्था-काल — विद्यालय, विश्वविद्यालय, अकादेमी आ पाठ्यक्रम भाषा-साहित्यक सार्वजनिक प्रतिष्ठा बढ़बैत अछि।
२२. (A) हरिमोहन झा — हरिमोहन झा कालक्रममे राजकमल चौधरी सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
२३. (D) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।

२४. (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
२५. (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
२६. (D) प्राचीनसँ मध्यकाल धरि — न्याय, मीमांसा, तन्त्र, पाण्डित्य आ शास्त्रार्थ मिथिलाक बौद्धिक वातावरण बनौलनि।
२७. (D) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका — कीर्तिलता आ कीर्तिपताका कालक्रममे अंकिया नट सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
२८. (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
२९. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
३०. (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
३१. (A) ऐतिहासिक-प्रबन्धीय काव्य — विद्यापतिक एहि कृतिसभमे इतिहास, प्रशस्ति आ काव्यक संगम देखाइत अछि।
३२. (B) संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली — संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली कालक्रममे विदेह ई-पत्रिका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
३३. (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
३४. (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
३५. (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
३६. (D) मध्यकालीनसँ आधुनिक संक्रमण — पञ्जी, वंशावली आ पाण्डुलिपि सामाजिक इतिहास आ भाषिक सामग्रीक स्रोत अछि।
३७. (A) मुद्रण आ पत्र-पत्रिका — मुद्रण आ पत्र-पत्रिका कालक्रममे हरिमोहन झा सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
३८. (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
३९. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
४०. (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
४१. (D) आधुनिक उपन्यास — कन्यादान आधुनिक सामाजिक उपन्यास-दृष्टिक प्रमुख उदाहरण रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
४२. (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — ज्योतिरीश्वर ठाकुर कालक्रममे कीर्तिलता आ कीर्तिपताका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
४३. (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
४४. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
४५. (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
४६. (A) आधुनिक मान्यता — मैथिलीकें संवैधानिक मान्यता भेटब आधुनिक भाषा-इतिहासक महत्वपूर्ण पड़ाव अछि।
४७. (D) राजकमल चौधरी — राजकमल चौधरी कालक्रममे संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।

४८. (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
४९. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
५०. (B) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
५१. (C) आरम्भिक भाषा-धरातल — पूर्वी आर्य भाषिक विकासमे अवहट्ट/अपभ्रंशक छाया मैथिली रूप-संरचना बुझबाक सहायक अछि।
५२. (B) अंकिया नट — अंकिया नट कालक्रममे मुद्रण आ पत्र-पत्रिका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
५३. (B) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
५४. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
५५. (D) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
५६. (A) मध्यकालीन नाट्य परम्परा — कीर्तन, गायन, अभिनय आ भक्ति-रसक संयोगसँ मैथिली नाटकक खास धारा बनल।
५७. (D) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा — प्राचीन विदेह-जनक परम्परा कालक्रममे ज्योतिरीश्वर ठाकुर सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
५८. (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
५९. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
६०. (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
६१. (B) आधुनिक नवजागरण — छपाइ आ पत्रिका मैथिली साहित्य केँ सार्वजनिक पाठक-समाज दैत अछि।
६२. (C) हरिमोहन झा — हरिमोहन झा कालक्रममे राजकमल चौधरी सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
६३. (A) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
६४. (A) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
६५. (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
६६. (C) आधुनिक व्यंग्य — ई कृति तर्क, व्यंग्य आ सामाजिक आलोचनाक सशक्त नमूना अछि।
६७. (D) कीर्तिलता आ कीर्तिपताका — कीर्तिलता आ कीर्तिपताका कालक्रममे अंकिया नट सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
६८. (D) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
६९. (C) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
७०. (A) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
७१. (B) समकालीन डिजिटल युग — डिजिटल माध्यम साहित्य, पाठ, ध्वनि, चित्र आ अभिलेख केँ वैश्विक पहुँच दैत अछि।

७२. (D) **संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली** — संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली कालक्रममे विदेह ई-पत्रिका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
७३. (B) **समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास** — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
७४. (A) **भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन** — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
७५. (C) **दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल** — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
७६. (D) **आरम्भिक गद्यकाल** — ज्योतिरीश्वरक नाम मैथिली गद्यक प्राचीन गौरव आ वर्णनात्मक शैलीसँ जुड़ल अछि।
७७. (D) **मुद्रण आ पत्र-पत्रिका** — मुद्रण आ पत्र-पत्रिका कालक्रममे हरिमोहन झा सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
७८. (A) **समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास** — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
७९. (B) **भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन** — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
८०. (B) **दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल** — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
८१. (B) **मध्यकालीन/उत्तर-मध्यकालीन विस्तार** — नेपालक दरबारी-सांस्कृतिक वातावरणमे मैथिली नाट्य-लेखन आ मंचनक महत्वपूर्ण परम्परा भेटैत अछि।
८२. (D) **ज्योतिरीश्वर ठाकुर** — ज्योतिरीश्वर ठाकुर कालक्रममे कीर्तिलता आ कीर्तिपताका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
८३. (A) **समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास** — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
८४. (B) **भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन** — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
८५. (A) **दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल** — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
८६. (C) **बीसम शताब्दी आरम्भक पत्रकारिता** — ई मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ावक रूपमे स्मरण कएल जाइत अछि।
८७. (D) **राजकमल चौधरी** — राजकमल चौधरी कालक्रममे संविधानक अष्टम अनुसूचीमे मैथिली सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
८८. (B) **समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास** — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
८९. (B) **भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन** — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
९०. (D) **दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल** — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
९१. (C) **आधुनिक संवेदना** — राजकमल चौधरी आधुनिक मनोविज्ञान, नगरीय बेचैनी आ तीक्ष्ण कथा-कविता दृष्टिक लेल महत्वपूर्ण छथि।
९२. (A) **अंकिया नट** — अंकिया नट कालक्रममे मुद्रण आ पत्र-पत्रिका सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
९३. (B) **समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास** — समानान्तर इतिहासमे साहित्यक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
९४. (B) **भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन** — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
९५. (A) **दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यक संग समानान्तर चलैत रहल** — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।

१६. (A) समकालीन वेब-युग — विदेह ई-पत्रिका मैथिली साहित्यिक डिजिटल प्रसार, अभिलेखन आ समानान्तर इतिहास-दृष्टिक महत्त्वपूर्ण मंच अछि।
१७. (A) प्राचीन विदेह-जनक परम्परा — प्राचीन विदेह-जनक परम्परा कालक्रममे ज्योतिरीश्वर ठाकुर सँ पहिनुका धरातलसँ जुड़ैत अछि।
१८. (C) समाज, विधा, भाषा, संस्था आ लोक-परम्पराक संग-संग विकास — समानान्तर इतिहासमे साहित्यिक संग समाज, भाषा, लोकजीवन, मंच, संस्था आ अभिलेख एक संग देखल जाइत अछि।
१९. (D) भाषा-रूप, विधा, समाज, लेखन-संस्था आ पाठक-समाजक परिवर्तन — काल-विभाजन भाषिक रूप, साहित्यिक विधा, सामाजिक परिस्थिति आ संस्थागत बदलावक सहारे बुझल जाइत अछि।
१००. (C) दीर्घजीवी मौखिक परम्परा, जे लिखित साहित्यिक संग समानान्तर चलैत रहल — लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आ कहावत सभ लिखित साहित्यसँ पहिने आ संग-संग चलनिहार सांस्कृतिक स्रोत अछि।
१०१. (D) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यिक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।
१०२. (C) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा — शास्त्रार्थ आ ज्ञान-संवाद मिथिलाक पाण्डित्य-परम्पराक आरम्भिक प्रतीक बनैत अछि।
१०३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१०४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ट/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।
१०५. (A) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।
१०६. (D) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।
१०७. (D) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।
१०८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१०९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।
११०. (B) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।
१११. (A) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यिक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।
११२. (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा — शास्त्रार्थ आ ज्ञान-संवाद मिथिलाक पाण्डित्य-परम्पराक आरम्भिक प्रतीक बनैत अछि।
११३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
११४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ट/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।
११५. (C) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।
११६. (C) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।
११७. (C) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।
११८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
११९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।
१२०. (D) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।
१२१. (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यिक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।
१२२. (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा — शास्त्रार्थ आ ज्ञान-संवाद मिथिलाक पाण्डित्य-परम्पराक आरम्भिक प्रतीक बनैत अछि।
१२३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१२४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ट/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।
१२५. (B) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।
१२६. (C) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।

१२७. (A) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।

१२८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१२९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।

१३०. (C) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।

१३१. (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

૧૩૨. (C) જ્ઞાન-સંવાદ, શાસ્ત્રાર્થ આ મિથિલા વિદ્યા-પરમ્પરા — શાસ્ત્રાર્થ આ જ્ઞાન-સંવાદ મિથિલાક પાણ્ડિત્ય-પરમ્પરાક આરમ્ભિક પ્રતીક બનેત અછિ।

१३३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१३४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ट/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।

१३५. (B) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।

१३६. (C) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।

१३७. (B) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।

१३८. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१३९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।

१४०. (A) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।

१४१. (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

१४२. (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा — शास्त्रार्थ आ ज्ञान-संवाद मिथिलाक पाण्डित्य-परम्पराक आरम्भिक प्रतीक बनैत अछि।

१४३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१४४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ट/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।

१४५. (A) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।

१४६. (A) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।

१४७. (D) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।

१४८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१४९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।

१५०. (D) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।

१५१. (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

१५२. (A) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा — शास्त्रार्थ आ ज्ञान-संवाद मिथिलाक पाण्डित्य-परम्पराक आरम्भिक प्रतीक बनैत अछि।

१५३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१५४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ठ/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।

१५५. (A) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।

१५६. (B) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।

१५७. (A) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।

१५८. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१५९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।

१६०. (B) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।

१६१. (C) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

૧૬૨. (D) જ્ઞાન-સંવાદ, શાસ્ત્રાર્થ આ મિથિલા વિદ્યા-પરમ્પરા — શાસ્ત્રાર્થ આ જ્ઞાન-સંવાદ મિથિલાક પાણ્ડિત્ય-પરમ્પરાક આરમ્ભિક પ્રતીક બનૈત અછિ।

१६३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१६४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ट/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।

१६५. (A) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।

१६६. (B) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।

१६७. (B) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।

१६८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

૧૬૧. (A) ભાષા, સમાજ આ વિદ્યા કોના બદલલ — વિવાહ, જન્મ, પર્વ આ શ્રમસં જુદાં ગીત દીર્ઘ લોક-સ્મૃતિ બનૈત અછિ।

१७०. (A) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।

१७१. (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

१७२. (D) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा — शास्त्रार्थ आ ज्ञान-संवाद मिथिलाक पाण्डित्य-परम्पराक आरम्भिक प्रतीक बनैत अछि।

१७३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

૧૭૪. (D) ભાષા, સમાજ આ વિધા કોના બદલલ — અવહટ્ટ/અપભ્રંશ પૂર્વી આર્ય ભાષિક સંક્રમણ બુઝાબાક સંકેત દૈત અછિ।

१७५. (D) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।

१७६. (A) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।

१७७. (C) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।

१७८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१७९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।

१८०. (B) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।

१८१. (B) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

१८२. (A) ज्ञान-संवाद, शास्त्रार्थ आ मिथिला विद्या-परम्परा — शास्त्रार्थ आ ज्ञान-संवाद मिथिलाक पाण्डित्य-परम्पराक आरम्भिक प्रतीक बनैत अछि।

१८३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१८४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ठ/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।

१८५. (B) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।

१८६. (D) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।

१८७. (A) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।

१८८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

१८९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।

११०. (A) विद्यापति-पर्व धरातल — विद्यापति पर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।

१११. (C) सांस्कृतिक-वैदिक स्मृति — ई परम्परा मैथिली साहित्यक प्रत्यक्ष भाषा-रूप नहि, मुदा मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

૧૧૨. (C) જ્ઞાન-સંવાદ, શાસ્ત્રાર્થ આ મિથિલા વિદ્યા-પરમ્પરા — શાસ્ત્રાર્થ આ જ્ઞાન-સંવાદ મિથિલાક પાણ્ડિત્ય-પરમ્પરાક આરમ્ભિક પ્રતીક બનેત અછિ।

१९३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला न्याय-मीमांसा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१९४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अवहट्ट/अपभ्रंश पूर्वी आर्य भाषिक संक्रमण बुझबाक संकेत दैत अछि।
१९५. (B) लिपि-परम्परा — लिखित अभिलेख, पाण्डुलिपि आ पत्राचारमे तिरहुता लिपिक महत्त्व रहल।
१९६. (B) लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी पुरान पाठ आ भाषाक इतिहास सुरक्षित राखैत अछि।
१९७. (B) विद्या, आश्रय आ शास्त्रार्थ — विद्या आ आश्रयक संग आरम्भिक लेखन-संस्कृति बल पबैत अछि।
१९८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकभाषाक उदय साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१९९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — विवाह, जन्म, पर्व आ श्रमसँ जुड़ल गीत दीर्घ लोक-स्मृति बनबैत अछि।
२००. (D) विद्यापति-पूर्व धरातल — विद्यापति पूर्व भाषा, छन्द, लोकगीत आ पाण्डित्यक जमीन तैयार छल।
२०१. (D) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम — ज्योतिरीश्वरक संग वर्णनात्मक गद्य आ विद्वत् परम्परा जुड़ल अछि।
२०२. (D) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन — वर्णरत्नाकरमे समाज, नगर, नायिका, ऋतु, लोकदृश्य आदि वर्णनात्मक ढंगसँ अबैत अछि।
२०३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कल्लोल-विभाजन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
२०४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — द्वितीय कल्लोलक अध्ययनमे शृङ्गारिक सामग्री आ पात्र-विन्यासक चर्चा महत्त्वपूर्ण अछि।
२०५. (B) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन — आरम्भिक गद्यमे पाण्डित्य, सूची-वर्णन, रस आ सामाजिक बिम्ब संग-संग भेटैत अछि।
२०६. (D) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज — नगर, बाजार, पेशा, शोभा आ आचार-विचारक वर्णन इतिहास-बोध दैत अछि।
२०७. (A) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली — भाषा-शैलीसँ आरम्भिक मैथिली रूपक अध्ययन सम्भव होइत अछि।
२०८. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — वर्णन-परम्परा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
२०९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — कृति साहित्यिक संग सामाजिक इतिहासक सामग्री सेहो दैत अछि।
२१०. (D) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न — ई कृति आरम्भिक गद्य-इतिहासक एकटा ठोस पड़ाव मानल जाइत अछि।
२११. (A) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम — ज्योतिरीश्वरक संग वर्णनात्मक गद्य आ विद्वत् परम्परा जुड़ल अछि।
२१२. (B) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन — वर्णरत्नाकरमे समाज, नगर, नायिका, ऋतु, लोकदृश्य आदि वर्णनात्मक ढंगसँ अबैत अछि।
२१३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कल्लोल-विभाजन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
२१४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — द्वितीय कल्लोलक अध्ययनमे शृङ्गारिक सामग्री आ पात्र-विन्यासक चर्चा महत्त्वपूर्ण अछि।
२१५. (C) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन — आरम्भिक गद्यमे पाण्डित्य, सूची-वर्णन, रस आ सामाजिक बिम्ब संग-संग भेटैत अछि।
२१६. (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज — नगर, बाजार, पेशा, शोभा आ आचार-विचारक वर्णन इतिहास-बोध दैत अछि।
२१७. (D) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली — भाषा-शैलीसँ आरम्भिक मैथिली रूपक अध्ययन सम्भव होइत अछि।
२१८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — वर्णन-परम्परा साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
२१९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — कृति साहित्यिक संग सामाजिक इतिहासक सामग्री सेहो दैत अछि।
२२०. (C) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न — ई कृति आरम्भिक गद्य-इतिहासक एकटा ठोस पड़ाव मानल जाइत अछि।
२२१. (A) मैथिली गद्यक प्राचीन प्रतिष्ठित नाम — ज्योतिरीश्वरक संग वर्णनात्मक गद्य आ विद्वत् परम्परा जुड़ल अछि।
२२२. (B) आरम्भिक गद्य आ समाज-वर्णन — वर्णरत्नाकरमे समाज, नगर, नायिका, ऋतु, लोकदृश्य आदि वर्णनात्मक ढंगसँ अबैत अछि।
२२३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कल्लोल-विभाजन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
२२४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — द्वितीय कल्लोलक अध्ययनमे शृङ्गारिक सामग्री आ पात्र-विन्यासक चर्चा महत्त्वपूर्ण अछि।
२२५. (D) संस्कृत-पाण्डित्य आ लोकभाषाक मिलन — आरम्भिक गद्यमे पाण्डित्य, सूची-वर्णन, रस आ सामाजिक बिम्ब संग-संग भेटैत अछि।
२२६. (C) समाज-संस्कृतिक दस्तावेज — नगर, बाजार, पेशा, शोभा आ आचार-विचारक वर्णन इतिहास-बोध दैत अछि।
२२७. (B) पुरातन रूप, वाक्य आ पदावली — भाषा-शैलीसँ आरम्भिक मैथिली रूपक अध्ययन सम्भव होइत अछि।

- 398

- [illegible]

३००. (B) मैथिली गद्यक कालक्रममे आधार-चिह्न — ई कृति आरम्भिक गद्य-इतिहासक एकटा ठोस पड़ाव मानल जाइत अछि।
३०१. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर — विद्यापति मैथिली पदावली, श्रृंगार-भक्ति आ गीतिकाव्यक महान नाम छथि।
३०२. (D) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता — पदावली गेयता, भाव, राधा-कृष्ण प्रसंग आ लोक-संवेदना संग जुड़ल अछि।
३०३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — श्रृंगार आ भक्ति साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
३०४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति दरबारी-इतिहास आ काव्यक संगमक संकेत दैत अछि।
३०५. (B) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप — ई कृति कालक्रममे दरबारी-सांस्कृतिक सन्दर्भ बुझबाक स्रोत अछि।
३०६. (A) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव — विद्यापति-भाषा लोक-संवेदना, संगीत आ काव्य-रससँ भरल मानल जाइत अछि।
३०७. (B) वैष्णव भाव आ गीत — राधा-कृष्ण भाव विद्यापति पदावलीक प्रमुख आधारमे अछि।
३०८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकगायन पर प्रभाव साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
३०९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — प्रेम आ विरह विद्यापतिक काव्य-लोकक प्रमुख धुरी अछि।
३१०. (B) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर — विद्यापतिक प्रभाव मैथिली, बंग, असम आ वैष्णव काव्य-धारा धरि देखल जाइत अछि।
३११. (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर — विद्यापति मैथिली पदावली, श्रृंगार-भक्ति आ गीतिकाव्यक महान नाम छथि।
३१२. (B) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता — पदावली गेयता, भाव, राधा-कृष्ण प्रसंग आ लोक-संवेदना संग जुड़ल अछि।
३१३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — श्रृंगार आ भक्ति साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
३१४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति दरबारी-इतिहास आ काव्यक संगमक संकेत दैत अछि।
३१५. (C) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप — ई कृति कालक्रममे दरबारी-सांस्कृतिक सन्दर्भ बुझबाक स्रोत अछि।
३१६. (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव — विद्यापति-भाषा लोक-संवेदना, संगीत आ काव्य-रससँ भरल मानल जाइत अछि।
३१७. (A) वैष्णव भाव आ गीत — राधा-कृष्ण भाव विद्यापति पदावलीक प्रमुख आधारमे अछि।
३१८. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकगायन पर प्रभाव साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
३१९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — प्रेम आ विरह विद्यापतिक काव्य-लोकक प्रमुख धुरी अछि।
३२०. (A) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर — विद्यापतिक प्रभाव मैथिली, बंग, असम आ वैष्णव काव्य-धारा धरि देखल जाइत अछि।
३२१. (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर — विद्यापति मैथिली पदावली, श्रृंगार-भक्ति आ गीतिकाव्यक महान नाम छथि।
३२२. (C) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता — पदावली गेयता, भाव, राधा-कृष्ण प्रसंग आ लोक-संवेदना संग जुड़ल अछि।
३२३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — श्रृंगार आ भक्ति साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
३२४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति दरबारी-इतिहास आ काव्यक संगमक संकेत दैत अछि।
३२५. (A) प्रशस्ति आ इतिहासक काव्यरूप — ई कृति कालक्रममे दरबारी-सांस्कृतिक सन्दर्भ बुझबाक स्रोत अछि।
३२६. (D) मैथिली गीतिकाव्यक प्रभाव — विद्यापति-भाषा लोक-संवेदना, संगीत आ काव्य-रससँ भरल मानल जाइत अछि।
३२७. (C) वैष्णव भाव आ गीत — राधा-कृष्ण भाव विद्यापति पदावलीक प्रमुख आधारमे अछि।
३२८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकगायन पर प्रभाव साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
३२९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — प्रेम आ विरह विद्यापतिक काव्य-लोकक प्रमुख धुरी अछि।
३३०. (C) बादक कवि आ गीत-परम्परा पर असर — विद्यापतिक प्रभाव मैथिली, बंग, असम आ वैष्णव काव्य-धारा धरि देखल जाइत अछि।
३३१. (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यक शिखर — विद्यापति मैथिली पदावली, श्रृंगार-भक्ति आ गीतिकाव्यक महान नाम छथि।
३३२. (B) गेयता आ भाव-सूक्ष्मता — पदावली गेयता, भाव, राधा-कृष्ण प्रसंग आ लोक-संवेदना संग जुड़ल अछि।

- [illegible]

४७१. (B) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल — कीर्तनिया नाटकमे कथानक गीत, राग, मंच आ भक्ति-रससँ चलैत अछि।
४७२. (D) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा — उमापतिक नाम मैथिली कीर्तनिया नाटकक चर्चामे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
४७३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — पारिजातहरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
४७४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — नेपालमे मैथिली नाटकक लेखन-मंचनक महत्त्वपूर्ण परम्परा विकसित भेल।
४७५. (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप — अंकिया नटमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा सामुदायिक रूपेँ प्रस्तुत होइत अछि।
४७६. (C) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ — भाओना सामुदायिक धार्मिक-नाट्य प्रस्तुति रूपमे चिन्हल जाइत अछि।
४७७. (A) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य — अंकिया नाट्य परम्परासँ ब्रजावली भाषिक प्रसंग जुड़ैत अछि।
४७८. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — गीत-संवाद साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
४७९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — सूत्रधार दर्शक आ कथा बीच सेतु बनि सकैत अछि।
४८०. (A) नाट्यक संगीत-आधार — मध्यकालीन नाटकमे संगीत अभिनय आ भाव-प्रेषणक जरूरी अंग छल।
४८१. (A) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल — कीर्तनिया नाटकमे कथानक गीत, राग, मंच आ भक्ति-रससँ चलैत अछि।
४८२. (B) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा — उमापतिक नाम मैथिली कीर्तनिया नाटकक चर्चामे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
४८३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — पारिजातहरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
४८४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — नेपालमे मैथिली नाटकक लेखन-मंचनक महत्त्वपूर्ण परम्परा विकसित भेल।
४८५. (D) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप — अंकिया नटमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा सामुदायिक रूपेँ प्रस्तुत होइत अछि।
४८६. (D) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ — भाओना सामुदायिक धार्मिक-नाट्य प्रस्तुति रूपमे चिन्हल जाइत अछि।
४८७. (A) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य — अंकिया नाट्य परम्परासँ ब्रजावली भाषिक प्रसंग जुड़ैत अछि।
४८८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — गीत-संवाद साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
४८९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — सूत्रधार दर्शक आ कथा बीच सेतु बनि सकैत अछि।
४९०. (B) नाट्यक संगीत-आधार — मध्यकालीन नाटकमे संगीत अभिनय आ भाव-प्रेषणक जरूरी अंग छल।
४९१. (C) भक्ति-गीत, कीर्तन आ अभिनयक मेल — कीर्तनिया नाटकमे कथानक गीत, राग, मंच आ भक्ति-रससँ चलैत अछि।
४९२. (D) कीर्तनिया नाटकक लेखक-परम्परा — उमापतिक नाम मैथिली कीर्तनिया नाटकक चर्चामे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
४९३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — पारिजातहरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
४९४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — नेपालमे मैथिली नाटकक लेखन-मंचनक महत्त्वपूर्ण परम्परा विकसित भेल।
४९५. (B) वैष्णव भक्ति-आधारित नाट्य रूप — अंकिया नटमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा सामुदायिक रूपेँ प्रस्तुत होइत अछि।
४९६. (A) अंकिया परम्पराक प्रस्तुति-सन्दर्भ — भाओना सामुदायिक धार्मिक-नाट्य प्रस्तुति रूपमे चिन्हल जाइत अछि।
४९७. (B) भाषिक मिश्रण आ वैष्णव नाट्य — अंकिया नाट्य परम्परासँ ब्रजावली भाषिक प्रसंग जुड़ैत अछि।
४९८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — गीत-संवाद साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
४९९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — सूत्रधार दर्शक आ कथा बीच सेतु बनि सकैत अछि।
५००. (C) नाट्यक संगीत-आधार — मध्यकालीन नाटकमे संगीत अभिनय आ भाव-प्रेषणक जरूरी अंग छल।
५०१. (C) मौखिक काव्य-परम्परा — लोकगीत संस्कार, पर्व, ऋतु, श्रम, प्रेम आ विरहक सामुदायिक अभिव्यक्ति अछि।
५०२. (D) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता — लोककथा सामाजिक सीख, चातुरी, हास्य आ नैतिकता सँ भरल रहैत अछि।
५०३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकनाट्य साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
५०४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पञ्जी विवाह-सम्बन्ध, कुल-परम्परा आ समाजिक इतिहासक स्रोत अछि।
५०५. (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी साहित्यक कालक्रम बुझबाक मूल सामग्री दैत अछि।
५०६. (B) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवन आ समाजक रीति-नीति देखबैत अछि।

५०७. (D) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म — पर्व-गीत धार्मिक-सांस्कृतिक समयचक्रक स्मृति बनबैत अछि।

५०८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कहावत साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

५०९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पहली बाल आ वयस्क दुनूकेँ भाषा, रूपक आ कल्पनाक अभ्यास करबैत अछि।

५१०. (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना — विवाह, विदाई, पीड़ा, श्रम आ उत्सवमे स्त्री-स्वर लोकसाहित्यक केन्द्र बनैत अछि।

५११. (A) मौखिक काव्य-परम्परा — लोकगीत संस्कार, पर्व, ऋतु, श्रम, प्रेम आ विरहक सामुदायिक अभिव्यक्ति अछि।

५१२. (C) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता — लोककथा सामाजिक सीख, चातुरी, हास्य आ नैतिकता सँ भरल रहैत अछि।

५१३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकनाट्य साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

५१४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पज्जी विवाह-सम्बन्ध, कुल-परम्परा आ समाजिक इतिहासक स्रोत अछि।

५१५. (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी साहित्यक कालक्रम बुझबाक मूल सामग्री दैत अछि।

૫૧૬. (C) જન્મ-વિવાહ આદિ જીવન-ક્રમક ગીત — સંસ્કાર-ગીત લોકજીવન આ સમાજક રીતિ-નીતિ દેખાડે છે.

५१७. (A) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म — पर्व-गीत धार्मिक-सांस्कृतिक समयचक्रक स्मृति बनबैत अछि।

५१८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कहावत साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

५१९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पहेली बाल आ वयस्क दुनूकेँ भाषा, रूपक आ कल्पनाक अभ्यास करबैत अछि।

५२०. (D) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना — विवाह, विदाई, पीड़ा, श्रम आ उत्सवमे स्त्री-स्वर लोकसाहित्यक केन्द्र बनैत अछि।

५२१. (B) मौखिक काव्य-परम्परा — लोकगीत संस्कार, पर्व, ऋतु, श्रम, प्रेम आ विरहक सामुदायिक अभिव्यक्ति अछि।

५२२. (C) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता — लोककथा सामाजिक सीख, चातुरी, हास्य आ नैतिकता सँ भरल रहैत अछि।

५२३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकनाट्य साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

५२४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पञ्जी विवाह-सम्बन्ध, कुल-परम्परा आ समाजिक इतिहासक स्रोत अछि।

५२५. (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी साहित्यक कालक्रम बुझबाक मूल सामग्री दैत अछि।

૫૨૬. (D) જન્મ-વિવાહ આદિ જીવન-ક્રમક ગીત — સંસ્કાર-ગીત લોકજીવન આ સમાજક રીતિ-નીતિ દેખાડે છે.

५२७. (D) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म — पर्व-गीत धार्मिक-सांस्कृतिक समयचक्रक स्मृति बनबैत अछि।

५२८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कहावत साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

५२९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पहेली बाल आ वयस्क दुनूकेँ भाषा, रूपक आ कल्पनाक अभ्यास करबैत अछि।

५३०. (C) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना — विवाह, विदाई, पीड़ा, श्रम आ उत्सवमे स्त्री-स्वर लोकसाहित्यक केन्द्र बनैत अछि।

५३१. (A) मौखिक काव्य-परम्परा — लोकगीत संस्कार, पर्व, ऋतु, श्रम, प्रेम आ विरहक सामुदायिक अभिव्यक्ति अछि।

५३२. (A) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता — लोककथा सामाजिक सीख, चातुरी, हास्य आ नैतिकता सँ भरल रहैत अछि।

५३३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकनाट्य साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

५३४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पञ्जी विवाह-सम्बन्ध, कुल-परम्परा आ समाजिक इतिहासक स्रोत अछि।

५३५. (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी साहित्यक कालक्रम बुझबाक मूल सामग्री दैत अछि।

५३६. (B) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवन आ समाजक रीति-नीति देखबैत अछि।

५३७. (B) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म — पर्व-गीत धार्मिक-सांस्कृतिक समयचक्रक स्मृति बनबैत अछि।

५३८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कहावत साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

५३९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पहेली बाल आ वयस्क दुनूकेँ भाषा, रूपक आ कल्पनाक अभ्यास करबैत अछि।

५४०. (B) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना — विवाह, विदाई, पीड़ा, श्रम आ उत्सवमे स्त्री-स्वर लोकसाहित्यक केन्द्र बनैत अछि।

५४१. (C) मौखिक काव्य-परम्परा — लोकगीत संस्कार, पर्व, ऋतु, श्रम, प्रेम आ विरहक सामुदायिक अभिव्यक्ति अछि।

५४२. (D) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता — लोककथा सामाजिक सीख, चातुरी, हास्य आ नैतिकता सँ भरल रहैत अछि।

५७९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पहेली बाल आ वयस्क दुनूकें भाषा, रूपक आ कल्पनाक अभ्यास करबैत अछि।
५८०. (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना — विवाह, विदाई, पीड़ा, श्रम आ उत्सवमे स्त्री-स्वर लोकसाहित्यक केन्द्र बनैत अछि।
५८१. (D) मौखिक काव्य-परम्परा — लोकगीत संस्कार, पर्व, ऋतु, श्रम, प्रेम आ विरहक सामुदायिक अभिव्यक्ति अछि।
५८२. (A) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता — लोककथा सामाजिक सीख, चातुरी, हास्य आ नैतिकता सँ भरल रहैत अछि।
५८३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकनाट्य साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
५८४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पञ्जी विवाह-सम्बन्ध, कुल-परम्परा आ समाजिक इतिहासक स्रोत अछि।
५८५. (B) पुरान पाठक लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी साहित्यक कालक्रम बुझबाक मूल सामग्री दैत अछि।
५८६. (D) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवन आ समाजक रीति-नीति देखबैत अछि।
५८७. (B) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म — पर्व-गीत धार्मिक-सांस्कृतिक समयचक्रक स्मृति बनबैत अछि।
५८८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कहावत साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
५८९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पहेली बाल आ वयस्क दुनूकें भाषा, रूपक आ कल्पनाक अभ्यास करबैत अछि।
५९०. (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना — विवाह, विदाई, पीड़ा, श्रम आ उत्सवमे स्त्री-स्वर लोकसाहित्यक केन्द्र बनैत अछि।
५९१. (D) मौखिक काव्य-परम्परा — लोकगीत संस्कार, पर्व, ऋतु, श्रम, प्रेम आ विरहक सामुदायिक अभिव्यक्ति अछि।
५९२. (C) कथा-स्मृति आ लोक-नैतिकता — लोककथा सामाजिक सीख, चातुरी, हास्य आ नैतिकता सँ भरल रहैत अछि।
५९३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लोकनाट्य साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
५९४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पञ्जी विवाह-सम्बन्ध, कुल-परम्परा आ समाजिक इतिहासक स्रोत अछि।
५९५. (D) पुरान पाठक लिखित संरक्षण — हस्तलिखित पोथी साहित्यक कालक्रम बुझबाक मूल सामग्री दैत अछि।
५९६. (C) जन्म-विवाह आदि जीवन-क्रमक गीत — संस्कार-गीत लोकजीवन आ समाजक रीति-नीति देखबैत अछि।
५९७. (C) ऋतु, पूजा आ लोकधर्म — पर्व-गीत धार्मिक-सांस्कृतिक समयचक्रक स्मृति बनबैत अछि।
५९८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — कहावत साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
५९९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पहेली बाल आ वयस्क दुनूकें भाषा, रूपक आ कल्पनाक अभ्यास करबैत अछि।
६००. (A) लोकगीतक महत्त्वपूर्ण संवेदना — विवाह, विदाई, पीड़ा, श्रम आ उत्सवमे स्त्री-स्वर लोकसाहित्यक केन्द्र बनैत अछि।
६०१. (B) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार — छपाइ सँ पाठक-समाज, पत्रिका, पुस्तक आ बहसक विस्तार भेल।
६०२. (A) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव — ई मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक मील-पत्थर रूपमे स्मरणीय अछि।
६०३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला मिहिर साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
६०४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पत्रिका आ निबंध दहेज, शिक्षा, रूढ़ि आ समाज-सुधार पर विचार आनलक।
६०५. (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण — भाषा-आन्दोलन साहित्यकें सार्वजनिक अधिकार आ पहचानसँ जोड़लक।
६०६. (C) विचार-निर्माणक मंच — सम्पादक भाषा, शैली, विषय आ बहसक दिशा तय करबामे भूमिका निभबैत छथि।
६०७. (C) शिक्षा आ पाठक-समाज — आधुनिक शिक्षासँ नव पाठक, लेखक आ पत्रिका-समाज तैयार भेल।
६०८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — पत्रिका-विशेषांक साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
६०९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — प्रवासमे पत्रिका आ संस्था मैथिली साहित्यक पहुँच बढ़बैत अछि।
६१०. (A) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण — वेब माध्यम पाठ, ध्वनि, चित्र आ अभिलेखक नयका युगक संकेत दैत अछि।
६११. (B) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार — छपाइ सँ पाठक-समाज, पत्रिका, पुस्तक आ बहसक विस्तार भेल।
६१२. (C) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव — ई मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक मील-पत्थर रूपमे स्मरणीय अछि।
६१३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला मिहिर साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
६१४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पत्रिका आ निबंध दहेज, शिक्षा, रूढ़ि आ समाज-सुधार पर विचार आनलक।

- [illegible]

- [illegible]

६८७. (C) शिक्षा आ पाठक-समाज — आधुनिक शिक्षासँ नव पाठक, लेखक आ पत्रिका-समाज तैयार भेल।
६८८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — पत्रिका-विशेषांक साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
६८९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — प्रवासमे पत्रिका आ संस्था मैथिली साहित्यक पहुँच बढ़बैत अछि।
६९०. (A) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण — वेब माध्यम पाठ, ध्वनि, चित्र आ अभिलेखक नयका युगक संकेत दैत अछि।
६९१. (C) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार — छपाइ सँ पाठक-समाज, पत्रिका, पुस्तक आ बहसक विस्तार भेल।
६९२. (C) पत्रकारिताक आरम्भिक पड़ाव — ई मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक मील-पत्थर रूपमे स्मरणीय अछि।
६९३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — मिथिला मिहिर साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
६९४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — पत्रिका आ निबंध दहेज, शिक्षा, रूढ़ि आ समाज-सुधार पर विचार आनलक।
६९५. (C) मैथिली अस्मिता आ मानकीकरण — भाषा-आन्दोलन साहित्यक सार्वजनिक अधिकार आ पहचानसँ जोड़लक।
६९६. (D) विचार-निर्माणक मंच — सम्पादक भाषा, शैली, विषय आ बहसक दिशा तय करबामे भूमिका निभबैत छथि।
६९७. (A) शिक्षा आ पाठक-समाज — आधुनिक शिक्षासँ नव पाठक, लेखक आ पत्रिका-समाज तैयार भेल।
६९८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — पत्रिका-विशेषांक साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
६९९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — प्रवासमे पत्रिका आ संस्था मैथिली साहित्यक पहुँच बढ़बैत अछि।
७००. (C) छपाइ सँ डिजिटल संक्रमण — वेब माध्यम पाठ, ध्वनि, चित्र आ अभिलेखक नयका युगक संकेत दैत अछि।
७०१. (C) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य — हरिमोहन झा मैथिली गद्यक लोकप्रिय, व्यंग्यात्मक आ सामाजिक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण लेखक छथि।
७०२. (B) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न — कन्यादान आधुनिक परिवार, विवाह आ समाज-सुधारक प्रसंगसँ जुड़ल उपन्यास रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
७०३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — द्विरागमन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
७०४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति रूढ़ि, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ तर्कहीनतापर व्यंग्य करैत अछि।
७०५. (A) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि — राजकमल आधुनिक संवेदना, व्यक्तिक अकेलापन, विद्रोह आ कथा-प्रयोगक लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
७०६. (D) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि — मणिपद्मक कृतिसभ लोकगाथा, समाज आ आधुनिक कथा-बोधक संगम देखबैत अछि।
७०७. (C) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत — लघुकथा कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रभाव, संकेत आ मोड़ बनबैत अछि।
७०८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — निबंध साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
७०९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक नाटक लोकमंचसँ अलग नय सामाजिक संघर्ष, संवाद आ चरित्र-विकास लाबैत अछि।
७१०. (B) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार — आधुनिक कथा जीवनक सूक्ष्म अनुभव, वर्ग, लिंग, शहर-गाम आ मानसिक द्वन्द्वकें पकड़ैत अछि।
७११. (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य — हरिमोहन झा मैथिली गद्यक लोकप्रिय, व्यंग्यात्मक आ सामाजिक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण लेखक छथि।
७१२. (B) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न — कन्यादान आधुनिक परिवार, विवाह आ समाज-सुधारक प्रसंगसँ जुड़ल उपन्यास रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
७१३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — द्विरागमन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
७१४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति रूढ़ि, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ तर्कहीनतापर व्यंग्य करैत अछि।
७१५. (D) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि — राजकमल आधुनिक संवेदना, व्यक्तिक अकेलापन, विद्रोह आ कथा-प्रयोगक लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
७१६. (A) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि — मणिपद्मक कृतिसभ लोकगाथा, समाज आ आधुनिक कथा-बोधक संगम देखबैत अछि।
७१७. (C) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत — लघुकथा कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रभाव, संकेत आ मोड़ बनबैत अछि।
७१८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — निबंध साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
७१९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक नाटक लोकमंचसँ अलग नय सामाजिक संघर्ष, संवाद आ चरित्र-विकास लाबैत अछि।
७२०. (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार — आधुनिक कथा जीवनक सूक्ष्म अनुभव, वर्ग, लिंग, शहर-गाम आ मानसिक द्वन्द्वकें पकड़ैत अछि।
७२१. (A) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य — हरिमोहन झा मैथिली गद्यक लोकप्रिय, व्यंग्यात्मक आ सामाजिक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण लेखक छथि।
७२२. (A) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न — कन्यादान आधुनिक परिवार, विवाह आ समाज-सुधारक प्रसंगसँ जुड़ल उपन्यास रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

- [illegible]

७५९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक नाटक लोकमंचसँ अलग नय सामाजिक संघर्ष, संवाद आ चरित्र-विकास लाबैत अछि।

७६०. (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार — आधुनिक कथा जीवनक सूक्ष्म अनुभव, वर्ग, लिंग, शहर-गाम आ मानसिक द्वन्द्वकें पकड़ैत अछि।

७६१. (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य — हरिमोहन झा मैथिली गद्यक लोकप्रिय, व्यंग्यात्मक आ सामाजिक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण लेखक छथि।

७६२. (A) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न — कन्यादान आधुनिक परिवार, विवाह आ समाज-सुधारक प्रसंगसँ जुड़ल उपन्यास रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

७६३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — द्विरागमन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

७६४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति रुढ़ि, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ तर्कहीनतापर व्यंग्य करैत अछि।

७६५. (A) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि — राजकमल आधुनिक संवेदना, व्यक्तिक अकेलापन, विद्रोह आ कथा-प्रयोगक लेल महत्त्वपूर्ण छथि।

७६६. (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि — मणिपद्मक कृतिसभ लोकगाथा, समाज आ आधुनिक कथा-बोधक संगम देखबैत अछि।

७६७. (D) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत — लघुकथा कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रभाव, संकेत आ मोड़ बनबैत अछि।

७६८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — निबंध साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

७६९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक नाटक लोकमंचसँ अलग नय सामाजिक संघर्ष, संवाद आ चरित्र-विकास लाबैत अछि।

७७०. (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार — आधुनिक कथा जीवनक सूक्ष्म अनुभव, वर्ग, लिंग, शहर-गाम आ मानसिक द्वन्द्वकें पकड़ैत अछि।

७७१. (B) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य — हरिमोहन झा मैथिली गद्यक लोकप्रिय, व्यंग्यात्मक आ सामाजिक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण लेखक छथि।

७७२. (C) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न — कन्यादान आधुनिक परिवार, विवाह आ समाज-सुधारक प्रसंगसँ जुड़ल उपन्यास रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

७७३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — द्विरागमन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

998. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति रुढ़ि, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ तर्कहीनतापर व्यंग्य करैत अछि।

७७५. (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि — राजकमल आधुनिक संवेदना, व्यक्तिक अकेलापन, विद्रोह आ कथा-प्रयोगक लेल महत्त्वपूर्ण छथि।

७७६. (B) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि — मणिपद्मक कृतिसभ लोकगाथा, समाज आ आधुनिक कथा-बोधक संगम देखबैत अछि।

७७७. (B) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत — लघुकथा कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रभाव, संकेत आ मोड़ बनबैत अछि।

७७८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — निबंध साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

७७९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक नाटक लोकमंचसँ अलग नय सामाजिक संघर्ष, संवाद आ चरित्र-विकास लाबैत अछि।

૭૮૦. (A) વ્યક્તિ, સમાજ આ મનોવિજ્ઞાનક વિસ્તાર — આધુનિક કથા જીવનક સૂક્ષ્મ અનુભવ, વર્ગ, લિંગ, શહર-ગામ આ માનસિક દ્વન્દ્વકે પકડૈત અછિ।

७८१. (D) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य — हरिमोहन झा मैथिली गद्यक लोकप्रिय, व्यंग्यात्मक आ सामाजिक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण लेखक छथि।

७८२. (D) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न — कन्यादान आधुनिक परिवार, विवाह आ समाज-सुधारक प्रसंगसँ जुड़ल उपन्यास रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

७८३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — द्विरागमन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

948. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कृति रुढ़ि, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ तर्कहीनतापर व्यंग्य करैत अछि।

७८५. (D) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि — राजकमल आधुनिक संवेदना, व्यक्तिक अकेलापन, विद्रोह आ कथा-प्रयोगक लेल महत्त्वपूर्ण छथि।

७८६. (D) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि — मणिपद्मक कृतिसभ लोकगाथा, समाज आ आधुनिक कथा-बोधक संगम देखबैत अछि।

७८७. (B) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत — लघुकथा कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रभाव, संकेत आ मोड़ बनबैत अछि।

७८८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — निबंध साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

७८९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक नाटक लोकमंचसँ अलग नय सामाजिक संघर्ष, संवाद आ चरित्र-विकास लाबैत अछि।

७९०. (A) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार — आधुनिक कथा जीवनक सूक्ष्म अनुभव, वर्ग, लिंग, शहर-गाम आ मानसिक द्वन्द्वकें पकड़ैत अछि।

७९१. (D) हास्य-व्यंग्य आ आधुनिक गद्य — हरिमोहन झा मैथिली गद्यक लोकप्रिय, व्यंग्यात्मक आ सामाजिक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण लेखक छथि।

७९२. (A) परिवार, विवाह आ सामाजिक प्रश्न — कन्यादान आधुनिक परिवार, विवाह आ समाज-सुधारक प्रसंगसँ जुड़ल उपन्यास रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

७९३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — द्विरागमन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।

७१४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई कति रूढि, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ तर्कहीनतापर व्यंग्य करैत अछि।

७९५. (B) आधुनिक मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि — राजकमल आधुनिक संवेदना, व्यक्तिक अकेलापन, विद्रोह आ कथा-प्रयोगक लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
७९६. (A) लोकइतिहास आ आधुनिक उपन्यास-दृष्टि — मणिपद्मक कृतिसभ लोकगाथा, समाज आ आधुनिक कथा-बोधक संगम देखबैत अछि।
७९७. (A) संक्षिप्तता आ तीक्ष्ण संकेत — लघुकथा कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रभाव, संकेत आ मोड़ बनबैत अछि।
७९८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — निबंध साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
७९९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक नाटक लोकमंचसँ अलग नय सामाजिक संघर्ष, संवाद आ चरित्र-विकास लाबैत अछि।
८००. (D) व्यक्ति, समाज आ मनोविज्ञानक विस्तार — आधुनिक कथा जीवनक सूक्ष्म अनुभव, वर्ग, लिंग, शहर-गाम आ मानसिक द्वन्द्वकें पकड़ैत अछि।